राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

11

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 231 पटना (बिहार) रविवार, 22 जून 2025 पेज - 12 मूल्य : 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

बिहार के बच्चे अनपढ़ और मजदूर क्यों बन रहे हैं? प्रशांत किशोर ने इनको ठहराया जिम्मेदार

बिशेष संवाददाता द्वारा

शिवहरः जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर इन दिनों 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत राज्य के विभिन्न जिलों में जनता से सीधे संवाद कर रहे हैं. इसी क्रम में जब वे शिवहर जिले के युगल किशोर जयमंगल इंटर महाविद्यालय तरियानी चौक पहुंचे तो उनका जोरदार स्वागत किया गया. वहीं रैली को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने एनडीए सरकार पर जोरदर हमला बोला. उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार होने के बाद भी बिहार के बच्चे अनपढ़ हैं और रोजगार के अभाव में मजबूर बन रहे हैं. 'वोट बिहार का, फैक्ट्री गुजरात में': प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि पीएम मोदी बिहार आते हैं और बड़े-बड़े दावे करके चले जाते हैं. उनको ये बताना चाहिए कि केंद्र में 11 साल और बिहार में 20 साल से एनडीए की सरकार होने के बावजूद राज्य

के हालात क्यों नहीं बदले. पीके ने तीखे लहज में कहा कि बीजेपी वोट बिहार का लेती है और फैक्ट्री गुजरात में लगाती है लेकिन मोदी जी अब ये नहीं चलेगा. पढ़ाई और रोजगार का मुद्दा उठायाः जन सुराज पार्टी के सूत्रधार ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आपके गांव में नाली-गली नहीं बनी, स्कूल-अस्पताल नहीं खुले, सीतामढ़ी और शिवहर में फैक्ट्री नहीं लगी लेकिन आपके वोट से अयोध्या में राम मंदिर बन गया. प्रशांत किशोर ने कहा कि लोग वोट तो जाति और धर्म के नाम पर देते हैं लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी जाति के नेता ने आपके बच्चों की शिक्षा और रोजगार की गारंटी दी? उन्होंने कहा कि जब आप लोग पढ़ाई और रोजगार के लिए वोट ही नहीं करते तो आपके बच्चे अनपढ़ और मजदूर ही तो बनेंगे. ₹आपने वोट दिया अनाज के लिए, अनाज मिल रहा है. आपने वोट दिया मंदिर के लिए, अयोध्या में राम मंदिर बना है. आपने वोट दिया है बिजली के लिए, बिहार में बिजली आई है. आपने वोट दिया सिलेंडर के लिए, घर-घर सिलेंडर बंटा है. आपने वोट दिया गुजरात के विकास के लिए, गुजरात में फैक्ट्री लगी है. आपने बिहार के बच्चों के पढ़ाई और रोजगार के लिए वोट नहीं दिया, इसलिए बिहार के बच्चे अनपढ़ और मजदूर बन गए.₹- प्रशांत किशोर, सूत्रधार, जन सुराज पार्टी पीके की सभा में उमड़ी जबरदस्त भीड़ः प्रशांत किशोर की सभा में लोगों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिली. उनको देखने और सुनने के लिए महलाओं और युवाओं का जनसैलाब उमड़ा था. मंच पर उनके साथ बेलसंड विधानसभा क्षेत्र की संभावित प्रत्याशी अर्पणा सिंह और समाजसेवी नितेश सिंह 'उर्फ महाराज' सहित सैकड़ों जन सुराजी मौजूद थे.

राजीव प्रताप रूडी के संसदीय क्षेत्र में बेलगाम हुए अपराधी ! दिन

क्राइम संवाददाता द्वारा

छपराः सारण जिले के मशरक थाना क्षेत्र अंतर्गत लखनपुर बाजार में आज शनिवार को दिनदहाड़े हथियारबंद बदमाशों ने एक साइबर कैफे से करीब 60 हजार रुपये नकद और दो मोबाइल लूट लिए। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधियों ने फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कर्ण कुदरिया पंचायत के वार्ड नंबर-3 निवासी रंजय कुमार की मां ₹इंटरनेट सर्विस₹ नाम से साइबर कैफे चलाती हैं, जिसे उनका बेटा अमरनाथ कुमार संचालित करता है। दहशत के लिए फायरिंग :शनिवार को दो बाइक पर सवार छह हथियारबंद अपराधी कैफे में दाखिल हुए। कुछ अपराधी बाहर खड़े रहे जबकि अन्य कैफे में घुस गए। उन्होंने अमरनाथ पर पिस्तौल

तानते हुए 60 हजार रुपये नकद और दो मोबाइल फोन लूट लिए। वारदात के बाद अपराधियों ने फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की। स्थानीय लोगों द्वारा हल्ला करने और पीछा करने पर अपराधियों ने दो राउंड फायरिंग की और फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मशरक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। साथ ही डीएसपी अमरनाथ और इंस्पेक्टर मनीष कुमार साहा ने भी मौके पर पहुंच कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी। थानाध्यक्ष रणधीर कुमार और पानापुर थानाध्यक्ष प्रवेश कुमार ने आसपास के इलाकों में सघन छानबीन शुरू की है। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शी गजेंद्र कुमार ने बताया कि घटना के वक्त कैफे में कई लोग अपने काम में व्यस्त थे। तभी अचानक दो बाइक पर सवार छह अपराधी पहुंचे। कुछ बाहर खड़े रहे और कुछ अंदर घुसकर कैश लूट लिया। लोगों ने विरोध किया तो अपराधियों ने फायरिंग कर दी और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने लिया एक्शनःएसएसपी कुमार आशीष ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और घटनास्थल पर पहुंच कर सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी गई है।

अपराधियों की पहचान के लिए पुलिस विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी और लूटी गई राशि की बरामदगी के लिए कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 19 एसडीपीओ का तबादला, देखें लिस्ट

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अधिकारियों का ट्रांसफर जारी है. आज एक बार फिर राज्य में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है. राज्य के 19 डीएसपी का तबादला हुआ है. इसमें पटना के कई अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी का भी स्थानांतरण हुआ है. बिहार में 19 एसडीपीओ का तबादलाः जितेंद्र पांडेय को पूर्णिया के वायसी का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बनाया गया है. सोनू कुमार राय को औरंगाबाद के दाउदनगर का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बनाया गया है. प्रभाकर तिवारी को दरभंगा के बिरौल का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बनाया गया है. शिवेंद्र कुमार अनुभवी को मोतिहारी के पकड़ीदयाल का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बनाया गया है. राहुल सिंह बने आरा के एसडीपीओः विभाष कुमार को सुपौल के त्रिवेणीगंज का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, राहुल सिंह को आरा सदर का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सुबोध कुमार को हाजीपुर सदर-1 का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और सरोज कुमार साह को गया नगर का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1 बनाया गया है. मधुबनी के कई एसडीपीओ बदलेः राजीव कुमार को दरभंगा सदर का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1, बिनोद कुमार को कटिहार के मनिहारी का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अमित कुमार के मधुबनी के फुलपरास का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अमित कुमार मेघा को मधुबनी सदर का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2, मनीष चंद्र चौधरी को सीतामढ़ी सदर का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1, राजेश कुमार शर्मा को भोजपुर के जगदीशपुर का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बनाया गया है. फतुआ के एसडीपीओ का भी तबादलाः वहीं राघव दयाल को मधुबनी के जयनगर का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, शुभेंद्र कुमार सुमन को दरभंगा सदर का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2, सुबोध कुमार सिन्हा को मधुबनी के झंझारपुर का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, शैलेश प्रीतम को सहरसा सदर का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और अवधेश कुमार को पटना के फतुहा का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बनाया गया है.

जेडीयू के टिकट भी अमित शाह ही बांटेंगे, यह तय है' , बिहार के सियासी गलियारों में तेज हुई चर्चा

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए दावा किया कि उनकी बेहोशी की हालत के कारण, आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए जनता दल (यूनाइटेड) के टिकट बांटने का काम नीतीश कुमार नहीं बल्कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। उन्होंने नीतीश कुमार की पेंशन वृद्धि योजना पर भी निशाना साधा और इसे नकल कदम बताया। उन्होंने दावा किया कि महागठबंधन ने सात महीने पहले ही यह घोषणा कर दी थी।

अमित शाह पर तंज : :

उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि नीतीश कुमार की बेहोशी उनके लिए वरदान है। जेडीयू के टिकट भी अमित शाह ही बांटेंगे... यह तय है। संजय झा बीजेपी-आरएसएस के आदमी हैं। वह अरुण जेटली कोटे से जेडीयू में हैं। पेंशन बढ़ोतरी पर यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि महागठबंधन की सरकार आ रही है और इससे तनाव हो रहा है, इसलिए एनडीए के नकलची हमारी घोषणाओं की नकल कर रहे हैं और पेंशन बढ़ा रहे हैं! हमने 7 महीने पहले इसकी घोषणा की थी, सरकार से लगातार मांग की, बजट में हमारी घोषणाओं को शामिल करने के लिए कहा और अलग से बजट प्रावधान करने के लिए कहा। नीतीश पर बरसे तेजस्वी :उन्होंने कहा कि हमने बार-बार कहा था कि हम इस सरकार को पेंशन बढ़ाने के लिए मजबूर करेंगे और हमने ऐसा किया। जय बिहार! जय बिहारी! उन्होंने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उनके पास बिहार की प्रगति के लिए कोई विजन नहीं है और कहा कि सीएम अब थक चुके हैं और उनके पास बिहार की प्रगति के लिए कोई विजन नहीं है। वह राज्य को 'विकसित बिहार' कैसे बनाएंगे? इस बीच, दो डिप्टी सीएम तेजस्वी और लालू जी को गाली देने में व्यस्त हैं - एक बड़बोला है और दूसरा बदजुबान है। तेजस्वी का प्रहार :उन्होंने कहा कि हम सरकार को आईटी पार्क, एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र), औद्योगिक क्लस्टर, औद्योगिक पार्क, सेमीकंडक्टर कारखाने, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां, कपड़ा केंद्र, शैक्षिक केंद्र और स्वास्थ्य शहरों पर बोलने के लिए मजबूर करेंगे। यह हमारा विजन हैः सर्वांगीण विकास। सरकार इन विषयों पर ध्यान देने के लिए मजबूर होगी। नीतीश कुमार 20 साल तक थे, और पीएम मोदी पिछले 11 सालों से हैं। ऊपर बताई गई चीजें क्यों नहीं स्थापित की गईं? लेकिन जब तेजस्वी आएंगे, तो वे इन सभी कामों को पूरा करेंगे। पेंशन पर बवाल :इससे पहले दिन में नीतीश कुमार ने राज्य की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में बड़ी वृद्धि की घोषणा की, जिसके तहत वरिष्ठ नागरिकों, विकलांग व्यक्तियों और विधवाओं के लिए मासिक पेंशन 400 रुपये से बढ़ाकर 1,100 रुपये कर दी गई। यह घोषणा बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले की गई है। नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन में है, जबकि तेजस्वी यादव की राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाले विपक्षी मोर्चे में कांग्रेस भी भागीदार है।

उपेन्द्र कुशवाहा को जान से मारने की धमकी देना वाला गिरफ्तार, निकला सिवान कनेक्शन

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटना : राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार किए गए युवक ने खुद को कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का आदमी बताकर सांसद को फोन कर धमकी दी थी. पुलिस ने तकनीकी सहायता से आरोपी को सिवान जिले से पकड़ा है. उपेन्द्र कुशवाहा को दी गई थी धमकी : बीते कुछ दिनों में उपेंद्र कुशवाहा को तीन अलग-अलग मोबाइल नंबरों से फोन करके धमकाया गया था. धमकी भरे इन कॉल्स के बाद सांसद के निजी सहायक ने पटना के सचिवालय थाना में शिकायत दर्ज कराई. मामला गंभीर होने के कारण पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी. सचिवालय थाना की टीम के साथ-साथ बिहार पुलिस की विशिष्ठ सूचना इकाई (रक्व) ने भी मामले की जांच में सक्रिय भूमिका निभाई. सिवान में मिला लोकेशन : पुलिस ने मोबाइल नंबरों के लोकेशन को ट्रैक किया और पाया कि धमकी भरे फोन सिवान जिले के दरौली थाना क्षेत्र से किए गए थे. इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर-के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.

गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान राकेश कुमार के रूप में हुई है, जो सिवान जिले के दरौली का निवासी है. पूछताछ के दौरान उसने स्वीकार किया कि उसने ही सांसद को धमकी दी थी. हालांकि, पुलिस अभी भी दो अन्य नंबरों से जुड़े लोगों की तलाश कर रही है. "राकेश कुमार किसी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा था और नाराजगी के कारण उसने यह कदम उठाया. उसने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम का इस्तेमाल करके धमकी दी थी, ताकि मामला गंभीर दिखे. गिरफ्तारी के बाद उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और एक डायरी बरामद हुई है, जिसकी जांच चल रही है."- कार्तिकिय के शर्मा, एसएसपी, पटना हर पहलु को खंगाल रही पुलिस : फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या वह किसी गिरोह से जुड़ा है या फिर यह केवल उसकी व्यक्तिगत नाराजगी का मामला है. साथ ही, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या वास्तव में उसका लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कोई संपर्क था या उसने सिर्फ डराने के लिए उसका नाम इस्तेमाल किया था.

बिहार में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा करोड़ों का पुल, झारखंड के कई गांव से टूटा संपर्क

क्राइम संवाददाता द्वारा

गयाः बिहार में बारिश के साथ ही बाढ़ जैसे हालात बनने लगते हैं और इस दौरान पुल-पुलिया के ध्वस्त होने के मामले भी सामने आते हैं. 2023 में तो पुल के ध्वस्त होने का मानों ट्रेंड ही चल पड़ा था. वहीं 2025 में भी मानसून की पहली बारिश के साथ ही पुल-पुलियों की गुणवत्ता की हकीकत सामने आने लगी है. इसी कड़ी में गया जी में गुरुवार को बिहार-झारखंड को जोड़ने वाले निलांजना नदी पर बने कोठवारा- बरिया पुल के क्षतिग्रस्त होने का मामला सामने आया था. बिहार में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा एक और पुलः मूसलाधार बारिश और नदी में आई तेज धार के साथ पुल के तकरीबन सभी पाये दरक गए थे. कुछ पायों में कई इंच का डिफरेंस आ गया था. अब पुल निर्माण को लेकर कई तरह की बातें सामने आई है. ग्रामीणों की मानें, तो तकरीबन 15 करोड़ की लागत से बने इस पुल में भ्रष्टाचार काफी बरती गई थी. यही वजह रही, कि यह आज दरक गया है और कभी भी ध्वस्त हो सकता है. पुल पर आवाजाही बंदः फिलहाल शेरघाटी एसडीएम मनीष कुमार ने खतरे की स्थिति को देखते हुए किसी भी तरह के आवाजाही पर रोक लगा दी है. ईटीवी भारत ने गया जी के डोभी प्रखंड अंतर्गत कोठवारा-बरिया पुल के क्षतिग्रस्त होने की खबर प्रमुखता से चलाई थी. खबर प्रकाशित होने के बाद जिला प्रशासन के अधिकारियों की नींद खुली और वे मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करने लगे में जुट गए हैं. लगाया जा रहा बैरियरः गया जी जिले के अंतर्गत शेरघाटी अनुमंडल के एसडीएम मनीष कुमार मौके पर पहुंचे और उन्होंने इस पुल पर आवाजही को पूरी तरह से रोकने के निर्देश दिया है. फिलहाल ढाई फीट के लोहे का बैरियर यहां लगाने का काम शुरू कर दिया गया है, ताकि कोई आवागमन नहीं हो सके.

पूरे मामले की जांच की जा रही है. कहां तकनीकी चूक हुई है, इसे देखा जा रहा है. हर पहलुओं पर जांच कर इसकी रिपोर्ट डीएम को भेजी जाएगी.- मनीष कुमार, एसडीएम शेरघाटी झारखंड के लिए अहम है पुलः डोभी प्रखंड के कोठवारा में निलांजना नदी पर बने कोठवारा- बरिया पुल को काफी

महत्वाकांक्षी माना जाता है. क्योंकि यह न सिर्फ दर्जनों गांवों को जोड़ता है, बल्कि झारखंड की सीमा से भी सटा है. झारखंड से भी प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन इस मार्ग से होता है. ग्रामीणों ने खोली भ्रष्टाचार की पोलः ऐसे में इस पुल के क्षतिग्रस्त होने से न सिर्फ बिहार के डोभी प्रखंड के दर्जनों गांव बल्कि पड़ोसी राज्य झारखंड के कई गांव के लोगों के प्रभावित होने की बात सामने आई है. इस पुल का निर्माण 2015 से शुरू हुआ था. पुल निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने जो कहानी सुनाई, वह भ्रष्टाचार की पोल खोलता है. पुल की गुणवत्ता पर सवालः ग्रामीणों के अनुसार 2015 में जो कंस्ट्रक्शन कंपनी ने इस पुल का निर्माण किया था, उसने भ्रष्टाचार की हदें पार कर दी. उसके कार्यशैली को लेकर शुरू से ही ग्रामीणों ने विरोध शुरू किया था. पुल में जो मटेरियल लगने चाहिए थे, जो गुणवत्ता होनी चाहिए थी, उसमें काफी लापरवाही बरती जा रही थी. कंपनी ने कई ग्रामीणों पर केस किया था दर्जः भ्रष्टाचार देखकर ग्रामीणों ने विरोध किया, तो ग्रामीणों को धमकी दी जाने लगी. झूठे केस में फंसाने की बात कही जाने लगी. इस क्रम में कई लोगों पर झूठी प्राथमिकी भी दर्ज कर दी गई. कंस्ट्रक्शन कंपनी से जुड़े लोगों ने यह प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसके बाद डर से ग्रामीणों ने विरोध करना बंद कर दिया. केस के बाद ग्रामीणों ने साधी चुप्पीः ग्रामीण उपेंद्र यादव के मुताबिक वे उस समय सरपंच थे. जब विरोध शुरू किया, तो हम ग्रामीणों को ही प्रताड़ित किया जाने लगा. उन्होंने बताया कि हम पर केस दर्ज कर दिया गया, जिस कारण हम लोगों ने विरोध करना बंद कर दिया. प्रशासन के लोगों को इसके बारे में लिखते रहे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई और कंस्ट्रक्शन कंपनी के लोग अपने मनमाने तरीके से पुल का निर्माण करते रहे. पुल का निर्माण गुणवत्तापूर्ण नहीं हो रहा था. जब प्रशासन के लोगों ने ही हाथ खड़े कर लिए, तो हम लोगों ने भी विरोध बंद कर दिया और आखिरकार भ्रष्टाचार की नींव पर यह करीब 15 करोड़ की लागत से तैयार हुआ और 2022 में इसे चालू किया गया.- उपेंद्र यादव, पूर्व सरपंच बिना उद्घाटन पुल चालूः ग्रामीण यह भी बताते हैं, कि बिना उद्घाटन के ही यह पुल चालू कर दिया गया था. 2022 में इस पर आवागमन चालू हुआ और आज 2025 में देखें तो यह पुल क्षतिग्रस्त हो गया है. जांच की उठी मांगः पुल के तकरीबन सभी पायों में दरार आ गई है. कई

पूर्णिया में 1 करोड़ का कोडिनयुक्त कफ सिरप जब्त

क्राइम संवाददाता द्वारा

पूर्णियाः पूर्णिया में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. नई आरक्षी अधीक्षक स्वीटी सहरावत ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग एक करोड़ रुपये की कीमत के कोडिन युक्त कफ सिरप के साथ एक शख्स गिरफ्तार कर लिया है. एनडीपीएस और ड्रग्स के खिलाफ अभियान चलाने के दौरान पुलिस को ये कामयाबी मिली है. मामला जिले के बायसी थाना क्षेत्र का है. पुलिस गिरफ्तार ट्रक ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. ट्रक से एक करोड़ की कफ सिरप बरामदः असल में पुलिस बायसी थाना क्षेत्र के डंगराहा के पास वाहन जांच कर रही थी. जहां पहले से मिली गुप्त सूचना के आधार पर एक संदिग्ध ट्रक को रुकवाया गया. जब उसकी चेकिंग की तो ट्रक पर भारी मात्रा में कोडिन युक्त कफ सिरप रखा हुआ था. पुलिस ने कफ सिरप सहित ट्रक को जब्त कर लिया और ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया. कफ सिरप की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है. महाराष्ट्र का रहने वाला है चालकः आरोपी ट्रक ड्राइवर की पहचान महाराष्ट्र के रहने वाले मोहम्मद अमन के रूप में हुई है. पूछताछ के दौरान उसने पुलिस के सामने कई बड़े राज उगले हैं. उसने बताया कि वह पहले भी नशीली चीजों की डिलिवरी कर चुका है. पुलिस सब उस सरगना की तलाश कर रही है, जो तस्करी का काम करवाता है. क्या बोली एसपी?ः पूर्णिया एसपी स्वीटी सहरावत ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि एनडीपीएस और ड्रग्स के खिलाफ अभियान चलाते हुए पुलिस को यह उपलब्धि मिली है. गुप्त जानकारी मिली थी कि ट्रक पर नशीली पदार्थ ले जाया जा रहा है. ट्रक न्यू जलपाईगुड़ी की ओर जा रहा था. पूछताछ में ट्रक ड्राइवर ने कई अहम जानकारी दी है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. डंगराहा ओपी के द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार को 4,000 लीटर प्रतिबंधित कोडिनयुक्त सिरप के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस सामने उसने कई राज उगले हैं. ड्राइवर ने यह भी बताया है कि एक माह पूर्व भी वह ट्रक से कफ सिरप की डिलिवरी करवा चुका है. पुलिस इस मामले का जल्द खुलासा करते हुए मुख्य सरगना को गिरफ्तार करेगी और आगे की कार्रवाई करेगी.- स्वीटी सहरावत, आरक्षी अधीक्षक, पूर्णिया

भूटिया के आरोप बेबुनियाद, एआईएफएफ की छवि खराब कर रहे - कल्याण चौबे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया और ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। भूटिया के लगाए आरोपों के बाद कल्याण चौबे ने उन्हें एआईएफएफ की 2 जुलाई को होने वाली बैठक में आमंत्रित किया है। बाइचुंग भूटिया को 2022 में एआईएफएफ के अध्यक्ष के चुनाव में कल्याण चौबे के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद भूटिया उनके आलोचक रहे हैं। हाल के दिनों भारतीय फुटबॉल टीम का प्रदर्शन खराब रहा है, जिसके बाद वह और ज्यादा आक्रामक हो गए हैं। कल्याण चौबे ने कहा, 'हम दो नारों में विश्वास करते हैं - पहला 'फुटबॉल दुनिया को एकजुट करता है' और दूसरा 'भारतीय फुटबॉल, एक साथ आगे बढ़ें'। ये नारे हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि एक साथ काम करके हम भारतीय फुटबॉल को और ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।' उन्होंने कहा कि हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं, जहां हर नागरिकों को बोलने की स्वतंत्रता का संवैधानिक अधिकार है। एआईएफएफ कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में बाइचुंग भूटिया के पास अपने विचार व्यक्त करने, चिंताओं को उठाने और विभिन्न एआईएफएफ कार्यकारी समिति की बैठकों में भारतीय फुटबॉल के विकास और प्रदर्शन की दिशा में रचनात्मक योगदान देने के लिए उपयुक्त और सशक्त मंच तक पहुंच है। उन्हें 2 जुलाई की बैठक में बुलाया गया है।

परिवहन मंत्री का डीटीसी की कमाई और इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े को बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने गुरुवार को सचिवालय में दिल्ली परिवहन निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में पंकज कुमार सिंह ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को डीटीसी के इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े को और तेजी से बढ़ाने, दिल्ली के अंतिम छोर तक बसों की कनेक्टिविटी बढ़ाने के साथ ही दिल्ली परिवहन निगम की वित्तीय सेहत को और ज्यादा मजबूत बनाने पर जोर दिया। साथ ही मंत्री ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को दिल्ली में जल्द से जल्द बसों के रूट रेशनलाइजेशन की प्रक्रिया पूरी लागू करने का निर्देश दिया। परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह के साथ हुई समीक्षा बैठक में परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि इसी महीने 150 नई देवी इलेक्ट्रिक बसें डीडीसी के बेड़े में शामिल हो जाएंगी। इस साल के अंत तक डीटीसी में इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा 5000 से ज्यादा का हो जाएगा।परिवहन मंत्री ने कहा कि दिल्ली की सड़कों पर दौड़ रही देवी इलेक्ट्रिक बसों को दिल्ली की जनता की शानदार प्रक्रिया मिल रहा है। परिवहन विभाग की अहम बैठक में परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने बसों के रूट रेशनलाइजेशन करने पर विशेष तौर पर जोर देते हुए कहा कि फिलहाल डीटीसी से 109 रूट को वेरीफाई कर लिया है।

सेंट्रल पार्क में 25 जून को आपातकाल की पृष्ठभूमि पर लगेगी प्रदर्शनी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति, भाषा एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने अपने कार्यालय में बैठक के दौरान निर्देश दिए कि 25 जून को दिल्ली के सेंट्रल पार्क कनॉट प्लेस में एक विशेष प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। यह प्रदर्शनी साल 1975 में देश में लगी आपातकाल की पृष्ठभूमि और भारतीय लोकतंत्र पर उसके प्रभाव को जनमानस के समक्ष लाने के उद्देश्य से लगाई जा रही है। प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से लगाई जाएगी। प्रदर्शनी में आपातकाल से संबंधित अभिलेखों और फोटोग्राफ को प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री और अन्य विशिष्ट जन सम्मिलित होंगे। बैठक में कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 25 जून, 1975 को देश में लगाए गए आपातकाल के विरोध में दिल्ली सरकार द्वारा सांस्कृतिक और वैचारिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कपिल मिश्रा ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश में आपातकाल घोषित किया था।

मंत्री सिरसा ने लोधी रोड पर प्रदूषण को कम करने वाले सिस्टम का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने लोधी रोड पर धूल को दबाने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए लगे ऑटोमैटिक मिस्टिंग सिस्टम का निरीक्षण किया। ये सिस्टम न केवल सेंट्रल विस्टा में बल्कि द्वारका की डीडीए सड़कों पर भी चालू है। निरीक्षण के दौरान मंत्री सिरसा ने कहा कि दिल्ली बदल रही है। हम प्रदूषण से लड़ने के लिए डेटा-ड्रिवन और टेक्नोलॉजी-बेस्ड सॉल्यूशन्स लागू कर रहे हैं। दिल्ली में प्रदूषण रोकने के लिए किए जा रहे काम आने वाले समय में अन्य राज्यों के लिए भी एक मानक बनेंगे। लोधी रोड पर पूरा हो चुका यह प्रोजेक्ट 560 मीटर में फैला हुआ है, जहां 15 पोल लगाए गए हैं। हर पोल पर 30 हाई-प्रेशर ब्रास और स्टेनलेस स्टील मिस्टिंग नोज़ल्स लगाए गए हैं, जो 40 बार प्रेशर पर 2.8 लीटर प्रति घंटा की दर से अल्ट्रा-फाइन मिस्ट स्प्रे करते हैं। यह सिस्टम 10 एचपी के मिस्टिंग पंप से संचालित होता है, जिसमें एसएस पाइपलाइन, आरओ यूनिट, पीवीसी टैंक, कंट्रोल पैनल और एक समर्पित पंप रूम शामिल है।

दिल्ली विधानसभा को लिविंग हेरिटेज साइट के रूप में विकसित करने को हरसंभव सहयोग का शेखावत ने दिया आश्वासन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को पत्र लिखकर विधानसभा को राष्ट्रीय महत्व की लिविंग हेरिटेज साइट के रूप में विकसित करने की पहल को पूर्ण समर्थन और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया है। यह जानकारी विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने एक बयान में दी गुप्ता को संबोधित पत्र में शेखावत ने लिखा, हम आपके कार्यालय के साथ मिलकर इस ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने और दिल्ली तथा देशवासियों के लिए इसके पूर्ण सांस्कृतिक विरासत और उसके महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हर संभव सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली विधानसभा भवन केवल हमारी राजनीतिक विरासत का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह स्थापत्य और ऐतिहासिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसे एक जीवंत

विरासत केंद्र के रूप में विकसित करने का आपका प्रस्ताव समयानुकूल और अत्यंत उपयुक्त है। यह पत्राचार 03 जून 2025 को हुई बैठक के संदर्भ में है, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता ने केंद्रीय मंत्री शेखावत से मुलाकात कर यहां चल रहे विकासात्मक पहलों पर चर्चा की थी और विधानसभा परिसर को एक राष्ट्रीय विरासत स्थल के रूप में विकसित करने में मंत्रालय का सहयोग मांगा था। 13 मई को गुप्ता ने शेखावत को औपचारिक पत्र लिखकर विधानसभा भवन (जो 1912 में निर्मित एक प्रतिष्ठित संरचना है) को एक विरासत केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव दिया था। पत्र में इस परियोजना के लिए एक समग्र परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए मंत्रालय से सहयोग का आग्रह भी किया गया था। इसके बाद 23 मई को संस्कृति मंत्रालय और दिल्ली विधानसभा सचिवालय के बीच सचिव स्तर की बैठक हुई, जिसमें इस सहयोग को लेकर सकारात्मक प्रगति हुई और पहल को आगे बढ़ाने के लिए दिशा-निर्देश तय किए गए। शेखावत ने मंत्रालय की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है और वे शीघ्र ही वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली विधानसभा का दौरा कर इस परियोजना का मूल्यांकन करेंगे। इसे परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे।

फिट इंडिया कल्ट योगाथन में रकुल और जैकी ने लिया हिस्सा, बोले- 'योग शॉर्टकट नहीं, बल्कि जुनून'

एजेंसी

नई दिल्ली । नई दिल्ली में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर आयोजित 'फिट इंडिया कल्ट योगाथन' कार्यक्रम में कई मशहूर हस्तियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर जानी-मानी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह, अभिनेता- निर्माता जैकी भगनानी और अभिनेत्री मधुरिमा तुली ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज करवाई। इस दौरान उन्होंने लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक और प्रेरित किया। साथ ही अपने अनुभव भी साझा किए। इस खास मौके पर आईएएनएस से बात करते हुए जैकी भगनानी ने बताया कि किसने उन्हें प्रेरित किया। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में फिटनेस को लेकर जागरूकता बढ़ी है। यहां मंत्री से मिलकर काफी अच्छा लगा, क्योंकि मंत्री खुद 'साइक्लोथॉन' और 'हर रविवार साइकिल चलाओ' जैसी पहल का हिस्सा हैं। मैं पहले कभी 150 किलो का था और अब 75 किलो वजन कम कर चुका हूं। आज इस पहल का हिस्सा बनकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है।÷

वहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने भी योग और फिटनेस को अपनी जिंदगी का अहम हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, ÷फिटनेस मेरे और जैकी के लिए सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका है। यह कोई शॉर्टकट या सिर्फ पतले रहने का उपाय नहीं, बल्कि एक जुनून है। योग, वेलनेस और फिट इंडिया मूवमेंट से जुड़कर मुझे बेहद खुशी हो रही है। कार्यक्रम में मौजूद मधुरिमा तुली ने भी योग के प्रति अपने लगाव को साझा किया। उन्होंने कहा, मैं 10 साल की उम्र से योग कर रही हूं। मुझे योग मेरे माता-पिता ने सिखाया था। आज यह देखकर बहुत गर्व होता है।

योग शारीरिक अनुशासन ही नहीं, वह गहन मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास भी-नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आज भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष और केंद्रीयमंत्री जेपी नड्डा ने दिल्ली के कर्तव्य पथ पर योग किया। इस अवसर पर उन्होंने लोगों को शुभकामनाएं देते हुए योगाभ्यास को जीवन में शामिल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शब्द %योग% का अर्थ है %एकजुट होना% या %संक्षेप में प्रस्तुत करना% - जो शरीर, मन और आत्मा के मिलन का प्रतीक है। यह न केवल एक शारीरिक अनुशासन है, बल्कि एक गहन मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास भी है। नड्डा ने कहा कि योग दिवस की कल्पना और योग दिवस पूरी दुनिया में मनाया जाए, इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में की थी। 2014 में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की सभा में कहा था कि योग दिवस मनाया जाना चाहिए और लगभग 170 से अधिक देशों ने इसका समर्थन किया । उसके बाद दिसंबर 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने ये घोषणा की कि 21 जून को हर वर्ष

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रस्ताव को प्रधानमंत्री ने रखा था, उसको संयुक्त राष्ट्र ने सर्वसम्मति से पारित करके 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाना शुरू किया। नड्डा ने योग के लाभ पर जोर देते हुए कहा कि योग हमारे भारत की प्राचीन प्रथा है। योग केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। यह एक ऐसा मार्ग है जिसके माध्यम से हम अपनी आंतरिक चेतना से जुड़ने का प्रयास करते हैं। अकसर ध्यान जैसी प्रथाओं के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य को भी ठीक क्या जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 : भारत योग के प्रति वैश्विक जागरूकता फैलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा

एजेंसी

नई दिल्ली। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भगवान बुद्ध की जीवन साधना और शिक्षाओं को दर्शाती कान्हेरी में ध्यान व योग करते हुए यह अनुभूति हुई कि आंतरिक शांति ही सच्ची प्रगति का मूल है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने योग दिवस के अवसर पर संजय गांधी नेशनल पार्क स्थित ऐतिहासिक कान्हेरी गुफाओं में अपने परिवारजनों के साथ योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा, भारत योग के प्रति वैश्विक जागरूकता फैलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, भारत जो पहल करता है, वही भविष्य है। पिछले 1 दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योग को प्रसारित करने के संकल्प ने दुनिया में नई स्वास्थ्य क्रांति की शुरुआत की है, जो ऐतिहासिक उपलब्धि है।योग के प्रति जागरुकता फैलाते हुए उन्होंने कहा, आज दुनिया के कोने-कोने में योग को अपनाया जा रहा है। हमें योग के प्रति जागरुकता को फैलाने और हर व्यक्ति को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। पीएम नरेंद्र मोदी की पहल और स्वास्थ्य के बीच संबंध को उजागर करती है और सामूहिक कल्याण की वैश्विक दृष्टि को प्रतिध्वनित करता है, जो भारत के सर्वे संतु निरामया (सभी रोग मुक्त हों) के दर्शन में निहित है।इस बीच,

पर 11 दिसंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग रखी गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह थीम मानव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से योग दिवस मनाने को लेकर राष्ट्र का नेतृत्व किया। मंच से पीएम मोदी ने योग की बढ़ती महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल देश में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा का विषय बन गया है।

पहला सुख निरोगी काया, रोज योग करें, स्वस्थ रहें-शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि,किसान कल्याण और ग्रामीण विकासमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा लखपति दीदियों के साथ आज नई दिल्ली स्थित पूसा कैंपस में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग किया। सिंह ने कहा कि शरीर को स्थिर और स्वस्थ रखना ही आसन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमारे सामने उदाहरण स्वरूप हैं, जो 24 घंटे, सातों दिन और 12 महीने सक्रिय रूप से काम में व्यस्त रहते हैं। बिना थके, बिना रुके एक देश से दूसरे देश और एक राज्य से दूसरे राज्य का दौरा करते हैं। यह योग का ही चमत्कार है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि प्राणायाम के जरिए यदि श्वास पर नियंत्रण किया जाए तो

चमत्कारी परिणाम मिलते हैं। हमारे यहां कहा गया है- पहला सुख निरोगी काया÷। शरीर स्वस्थ रहना जरूरी है, तभी आप काम कर पाएंगे नहीं तो कुछ भी संभव नहीं। हमें याद रखना होगा 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्!' यानी शरीर माध्यम है सभी धर्मों का पालन करने का। शरीर को मंदिर मानते हुए, शरीर की भी पूजा और साधना कीजिए। अस्वस्थ शरीर के साथ ना तो इहलौकिक सुख ना ही पारलौकिक सुख की प्राप्ति हो सकती है, इसलिए प्रधानमंत्री मोदी फिट इंडिया की बात करते हैं। उन्होंने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि वर्ष 1998 में एक भयानक दुर्घटना के कारण मैं गंभीर रूप से घायल हो गया था। शरीर के आठ हिस्सों में चोट आई थीं। मैं कल्पना भी नहीं कर पा रहा था कि मैं दोबारा सामान्य रूप से कभी चल भी पाऊंगा, तब योग ने ही मेरे जीवन में परिवर्तनीय भूमिका निभाई। योग के लाभ से ही आज सामान्य रूप से स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहा हूं। पुरानी चोट का कोई प्रभाव महसूस नहीं होता। चौहान ने आह्वान किया कि बाकी चीजों की तरफ ना भी जाएं तो स्वस्थ और प्रसन्न रहने के लिए ही सही, योग को सिर्फ एक दिन औपचारिकता मात्र नहीं बल्कि अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

यूएई से भारत लाया गया भगोड़ा उपवन पवन जैन, ठगी के गंभीर आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जांच एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। गुजरात के भगोड़े उपवन पवन जैन को यूएई से प्रत्यर्पण करके लाया गया है। उपवन पवन जैन गुजरात पुलिस का वांछित आरोपी है, जिसके खिलाफ धोखाधड़ी, कीमती दस्तावेजों की जालसाजी और आपराधिक षड्यंत्र के गंभीर आरोप हैं। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग इकाई (आईपीसीयू) और एनसीबी-अबू धाबी से कॉर्डिनेशन किया। इस सहयोग से अपराधी के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया गया। इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस दुनिया भर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को वांछित अपराधियों और आरोपियों की ट्रैकिंग के लिए भेजा जाता है। इसके बाद एजेंसी ने इंटरपोल और अबू धाबी के एनसीबी के साथ मिलकर आरोपी को यूएई में ट्रेस किया और निरंतर समन्वय कर उसे भारत लाने की प्रक्रिया पूरी की। इंटरपोल चैनलों के माध्यम से इस कॉर्डिनेशन के बाद उपवन पवन जैन को 20 जून को भारत वापस लाया गया। सीबीआई ने एक प्रेस नोट में बताया कि सीबीआई ने गुजरात पुलिस के अनुरोध पर 6 मार्च 2023 को इंटरपोल रेड नोटिस जारी करवाया था। उपवन पवन जैन की गिरफ्तारी यूएई में हुई और उसके बाद भारत सरकार के गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के माध्यम से प्रत्यर्पण अनुरोध भेजा गया था।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना नदी के तट पर किया योग, सफाई का संकल्प दोहराया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज सुबह यमुना नदी के तट पर योग किया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नदी किनारे आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मां यमुना हमारी आस्था का प्रतीक है। सालों से सत्ता में रही सरकारों ने यमुना की अनदेखी की है। भारतीय जनता पार्टी (हमने) ने दिल्ली की सत्ता संभालते ही यमुना नदी को साफ करने का बीड़ा उठाया। उन्होंने कहा हम लोगों ने इसी नदी के किनारे योग किया। दिल्ली के लोग देख लें कि मां यमुना को पावन करने का काम जारी है। जल्द ही यहां क्रूज चलेंगे। पहली बार यमुना नदी को साफ करने के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। हमारी कोशिश होगी कि अगर यमुना नदी में पानी की एक भी बूंद गिरे तो वो साफ हो। रेखा गुप्ता ने इससे पहले एक्स हैंडल पर लिखा, दिल्लीवासियों का हृदय से धन्यवाद। आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राजधानी के 11 स्थलों पर आयोजित भव्य योग उत्सव में आपकी उत्साहपूर्ण सहभागिता ने यह सिद्ध किया कि जब सरकार और समाज एक साथ

भारतीय जनता पार्टी (हमने) ने दिल्ली की सत्ता संभालते ही यमुना नदी को साफ करने का बीड़ा उठाया। उन्होंने कहा हम लोगों ने इसी नदी के किनारे योग किया।

चलते हैं, तो संस्कृति जन-जन का संकल्प बन जाती है। उन्होंने एक्स पर कहा कि दिल्ली के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सेवाभावी संगठनों और समर्पित योग साधकों के सहयोग और भागीदारी से यह आयोजन अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक बना। रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सांस्कृतिक शक्ति और आध्यात्मिक परंपराएं आज वैश्विक गौरव प्राप्त कर रही हैं। योग को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठा दिलाने का श्रेय उन्हीं को जाता है।

मोदी सरकार का 11 साल का कार्यकाल राष्ट्र निर्माण की मिसाल : बांसुरी स्वराज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की सांसद बांसुरी स्वराज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल की व्याख्या की। उन्होंने सरकार के कार्यकाल को राष्ट्र के मूल निर्माण का दौर बताया। बांसुरी स्वराज ने कहा कि आज विदेशों में भारत की धाक बढ़ी है। भारतीय नागरिकों को अन्य देशों में आज सम्मान की नजरों से देखा जाता है। भारत में हुए विकास की बात करते हुए उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर में एक बड़ी क्रांति आई है। बांसुरी स्वराज ने कहा, ÷2014 से पहले कश्मीर में तिरंगा फहराना भी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन आज हालात बदल चुके हैं। आज हम गर्व से देख सकते हैं कि चिनाब ब्रिज जैसे विशाल निर्माण कार्य पूरे हुए हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वहां तिरंगा लेकर नजर आए। ये सिर्फ विकास के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि भारत के आत्मसम्मान और मनोबल के भी प्रतीक हैं। मोदी सरकार की सुरक्षा नीति पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने 2026 तक भारत को नक्सलवाद से पूर्णतः मुक्त करने का लक्ष्य रखा है और अब तक 60 से अधिक जिले नक्सलवाद से मुक्त हो चुके हैं। बांसुरी स्वराज ने आतंकवाद के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को भी रेखांकित किया। भाजपा सांसद ने कहा, जब-जब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद ने भारत पर हमला किया, तब-तब हमारी सेनाओं ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उसका मुंहतोड़ जवाब दिया। चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो या हाल ही में सफल हुआ ऑपरेशन सिंदूर, भारत ने दिखाया है कि हम अपनी सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं करते।÷

बांसुरी स्वराज ने हाल में हुई कूटनीतिक पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने राजनीतिक विचारधाराओं की भिन्नता को पीछे छोड़ते हुए सभी दलों के सांसदों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए विदेश भेजा। उन्होंने कहा, हर सांसद ने भारत की एकता की बात की। ये हमारे लिए एक बड़ी खुशी है। कोविड महामारी के समय मोदी सरकार की नीति की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने कई देशों को मुफ्त वैक्सीन भेजी, जो उन देशों के लिए संजीवनी बूटी साबित हुई।

योग जीवन के हर पहलू में संतुलन स्थापित करने की चिर पुरातन भारतीय परंपरा : ओम बिरला

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर देश-दुनिया में लोग योगाभ्यास करते दिख रहे हैं। इस बार की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग है। इस विशेष दिन की लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। ओम बिरला ने योग को तन ही नहीं बल्कि मन के लिए भी जरूरी बताया है।ओम बिरला ने एक्स पोस्ट पर लिखा, न तस्य रोगो न जरा न मृत्युः प्राप्तस्य योगाग्रिमयं शरीरम् अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम ही नहीं, अपितु यह आत्मा की शुद्धि, चित्त की स्थिरता और जीवन के हर पहलू में संतुलन स्थापित करने की चिर पुरातन भारतीय परंपरा है। यह हमारी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जो आज सम्पूर्ण विश्व को स्वास्थ्य, शांति और समरसता की ओर ले जा रही है। योग आज एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है, जिसे विश्वभर में करोड़ों लोग अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना चुके हैं। इस वर्ष की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग है, जो हमारे लोकवाक्य सर्वे संतु निरामयाः की वैश्विक शांति एवं कल्याण की मंगलकामना करता हूं।÷ केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने भी एक्स पर एक वीडियो क्लिप (योग करते दिख रहे हैं) पोस्ट करते हुए लिखा, योग सिर्फ कसरत

भावना से प्रेरित होकर मानव और पृथ्वी के सामूहिक कल्याण की समग्र दृष्टि को अभिव्यक्त करता है। उन्होंने आगे कहा, इस अवसर पर आइए, हम स्वयं और समाज के लिए योग की भावना को आत्मसात करें, स्वयं योग से जुड़ें और अपने आस-पास के लोगों को भी इस दिव्य पथ पर प्रेरित करें। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर समस्त मानव जाति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक निरामय के साथ नहीं है - यह एक अभ्यास है। सांस, संतुलन और गति के ज़रिए हम खुद से जुड़ते हैं। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि योग को अपने जीवन का एक हिस्सा बनाएं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी मानसिक और आध्यात्मिक उन्नयन के लिए इसे जरूरी बताते हुए एक्स पर लिखा, सभी प्रदेशवासियों एवं योग साधकों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

अगले 20 वर्षों में भारत की शहरी आबादी 70 मिलियन तक बढ़ने की संभावना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय कंपनियों को नगर निगमों के साथ साझेदारी में शहरों में इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करना चाहिए, क्योंकि अगले दो दशकों (2045 तक) में देश में शहरी आबादी 70 तक मिलियन तक बढ़ने की संभावना है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बयान दिया। राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव डी थारा ने कहा कि भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं और इसके शहरी स्थानीय निकायों की क्षमताओं के बीच कोई जुड़ाव नहीं है, इसलिए देश के शहरी विकास में निजी क्षेत्र को सक्रिय रूप से शामिल करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, भारत एक अमीर देश है, लेकिन यहां की नगरपालिकाएं गरीब हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती शहरी आबादी चुनौतियां और अवसर दोनों प्रस्तुत करती है। इससे देश में और अधिक शहरों का निर्माण होगा, इसलिए शहरी विकास के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

वरिष्ठ अधिकारी ने आगे कहा कि मौजूदा शहरों को बेहतर बनाने के लिए जरूरी निवेश के साथ लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित अर्बन चैलेंज फंड का उद्देश्य 25 प्रतिशत सार्वजनिक क्षेत्र की सीड फंडिंग, 50 प्रतिशत बाजार पूंजी और 25 प्रतिशत राज्य के योगदान के मिश्रण से इस परिवर्तन को गति देना है। उन्होंने कहा, ÷यह नए सिरे से निर्माण करने के बारे में नहीं है, बल्कि यह पहले से मौजूद चीजों को ठीक करने के बारे में है। एनआईआईएफ के कार्यकारी निदेशक और मुख्य रणनीति अधिकारी प्रसाद गडकरी ने पूंजी जुटाने के लिए सक्षम ढांचों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, परियोजनाओं की एक मजबूत पाइपलाइन, पूर्वानुमानित राजस्व धाराएं और मानकीकृत बोली प्रक्रियाएं आवश्यक हैं।विश्व बैंक में अर्बन और लैंड के लिए प्रैक्टिस मैनेजर अबेदलराजक खलील ने कहा, ÷2050 तक, 800 मिलियन लोगों के भारतीय शहरों में रहने की उम्मीद है। इस कारण शहरों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, लेकिन कई अभी तक तैयार नहीं हैं। उन्होंने निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए एकीकृत नियोजन और रहने की क्षमता की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

पाकुड़ दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ डी. पी एस विद्यालय में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 , बहुत ही उत्साह पूर्वक मनाया गया। वैश्विक उत्सव के 11वीं वर्षगांठ पर ₹एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग₹ विषय के तहत, इस वर्ष का आयोजन समग्र कल्याण और पर्यावरण सद्भाव को बढ़ावा देने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। इस विषय को परिपूर्ण करने और बच्चों को योग के महत्व के प्रति जागृत करने के उद्देश्य से विद्यालय में योग से संबंधित कई तरह की गतिविधियों का आयोजन किए गए। कक्षा नर्सरी से लेकर के 12वीं तक की कक्षाओं में योग के साथ ही साथ योग से संबंधित प्रश्नावली, निबंध प्रतियोगिता तथा चित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय में आयोजित योग शिविर में सभी शिक्षक गण और विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान शारीरिक प्रशिक्षक श्री प्रवीण सोरेन की देखरेख में बच्चों तथा शिक्षकों को सर्वप्रथम योग शपथ दिलवाई गई। इसके उपरांत विभिन्न तरह के प्राणायाम एवम आसन किये गए।कार्यक्रम में बच्चों ने योग के साथ-साथ बहुत ही आकर्षक मानव पिरामिड भी प्रस्तुत किया. विद्यालय

के निदेशक अरुणेंद्र कुमार ने सभी को योग दिवस की बधाई दी और अपने अनुभव से बताया कि योग एक परिवर्तनकारी अभ्यास है, जो मन और शरीर के मध्य सामंजस्य, विचार और क्रिया के बीच संतुलन, संयम और पूर्ति का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने बताया कि स्वस्थ और अनुशासित व्यक्ति ही स्वस्थ पर्यावरण और समाज का निर्माण कर सकता है।'योग चित्तवृत्ति निरोधः' अथार्त योग का उद्देश्य बहुत व्यापक है यह मन की चंचलताओं को नियंत्रित करता है यानी हमारे शरीर और मन को अनुशासित करता हैं । यह हमें आत्म-साक्षात्कार के मार्ग पर ले जाता है, जहाँ मन शांत और स्थिर होता है।अतः उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी को नियमित योग का अभ्यास करने की सलाह दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य जे.के शर्मा ने योग के महत्व को समझते हुए बताया कि 'योगः कर्मसु कौशलम्' : यानी, कर्मों की कुशलता ही योग है आज के तनाव भरे वातावरण में योग ही एकमात्र ऐसा साधन है जो हमें शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक शांति प्रदान करता है । छात्रों में एकाग्रता को बढ़ाने के लिए उनका नियमित योग अभ्यास आवश्यक है, क्योंकि ध्यान वह अवस्था है जब मन बाहरी विषयों से पूरी तरह मुक्त होता है। यह आत्मा से जुड़ने और भीतर की शांति पाने का माध्यम है।

संक्षिप्त समाचार

आदर्श सेवा संस्थान के तत्वाधान में 74 वाँ संवैधानिक संशोधन पर एक दिवसीय क्षमता विकास कार्यशाला का आयोजन

रांची

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य राँची शहर में स्थित स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों का 74 वाँ संवैधानिक संशोधन पर समझ बनाना तथा उनके नेतृत्व क्षमता बढ़ाना। कार्यशाला में राँची स्लम बस्तियों से बस्ती के नेतृत्वकारी साथी उपस्थित हुए। कार्यक्रम में राँची जिला विधिक प्राधिकरण से श्री राजेश कुमार सिन्हा, Deputy LADC स्त्रोत व्यक्ति स्वरूप उपस्थित हुए । कार्यक्रम में कई PLV उपस्थित हुए। कार्यशाला का शुभारंभ लक्खी दास द्वारा कार्यशाला का विषय प्रवेश किया गया। इसके उपरान्त स्त्रोत व्यक्ति द्वारा उक्त विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने DLSA द्वारा संचालित सेवाओं की जानकारी दी गई । वार्ड समितियों एवं क्षेत्र सभाओं का गठन, वार्ड समिति के कृत्य , अधिकार, उप-समितियों की नियुक्ति आदि पर विस्तार से चर्चा किया गया। स्पॉन्सरसिप एवं साथी योजना की जानकारी भी दिया गया।

कार्यक्रम का संचालन सन्नी राम तथा धन्यवाद ज्ञापन देबतोष दत्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अविनाश कुमार दुबे , रीतू खलखो, तथा अंकिता नायक अहम भूमिका निभाई।

डी ए वी में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ स्थानीय विद्यालय डी ए वी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में शनिवार को 11वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस आयोजन में विद्यालय के सभी छात्र गण, प्राचार्य, शिक्षक गण एवं समस्त कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से योगासन किया। विद्यालय के योग शिक्षक ने सभी को योग का प्रशिक्षण देते हुए विभिन्न प्रकार के आसनों से अवगत कराया। प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती ने छात्र छात्राओं को योग का महत्व को बताते हुए प्रतिदिन सुबह कम से कम 15 मिनट तक योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि योग जीवन को निरोगी बनाता है। पाकुड़ प्रशासन के आह्वान पर शहर के बाजार समिति प्रांगण में आयोजित योग कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने भाग लेकर उत्कृष्ट योग प्रदर्शन किया एवं उपायुक्त महोदय के हाथों प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया। पुरस्कार विजेता बच्चों को प्राचार्य एवं शिक्षकों ने सराहना की और बताया कि प्राचीन भारतीय परम्परा का एक अमूल्य उपहार, योग है जो शारीरिक और मानसिक तंदुरुस्ती को बढ़ावा देने के सबसे भरोसेमंद साधनों में से एक के रूप में उभरा है। योग शब्द संस्कृत मूल युज से लिया गया है जिसका अर्थ है शामिल होना, जुड़ना या एकजुट होना, जो मन और शरीर की एकता, विचार और क्रिया, संयम और तृप्ति, मानव और प्रकृति के बीच सामंजस्य और स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए एक समग्र दृष्टिकोण का प्रतीक है।

ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल कोरियासा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बच्चों ने सीखा योग का महत्व

देवघर।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल, कोरियासा में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय के निदेशक मुरारी मंडल ने किया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में योग शिक्षक अमित मंडल द्वारा बच्चों, शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को योगाभ्यास कराया गया। योग सत्र के दौरान अमित मंडल ने बच्चों को योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम, ध्यान, मुद्राओं एवं सूक्ष्म व्यायाम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरल दिनचर्या के साथ योग को अपनाने से व्यक्ति न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहता है, बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त बनता है। योग शिक्षक ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को यह भी समझाया कि नियमित योगाभ्यास से कई प्रकार की बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। योग से व्यक्ति का मन शांत होता है और जीवन में अनुशासन आता है। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक मुरारी मंडल, प्राचार्या शुप्रिया शर्मा, शिक्षिका पिंकी देवी, सुहानी कुमारी, रिया कुमारी, खुशी कुमारी एवं मीणा देवी सहित अन्य सभी शिक्षकों ने प्रत्येक दिन योग करने का संकल्प लिया।

पाकुड़ एसपी ने सिमलौंग ओपी का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़:लिट्टीपाड़ा शनिवार को पाकुड़ पुलिस अधीक्षक नेहा त्रिवेदी द्वारा सिमलौंग ओपी का औचक निरीक्षण कर जांच किया गया। जांच के दौरान थाना में लंबित कांडों की समीक्षा के उपरांत कांडों का त्वरित निष्पादन करने एवं ओपी क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण रखने तथा विधि व्यवस्था के संदर्भ में आवश्यक दिशा निर्देश एसपी ने दी. ओपी कार्यालय में संधारित संचिकाओं/पंजीयों का रख रखाव की भी जांच की गई। ओपी में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी/जवानों की समस्याओं को सुनकर उनके समस्याओं का अविलंब निराकरण करने हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिया गया। सिमलौंग ओपी के लिए नया ओपी भवन के निर्माण हेतु चिन्हित भूमि का भी एसपी ने निरीक्षण किया।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी प्रखंडों में किया गया योगाभ्यास

साहिबगंज:

जिला अंतर्गत सभी प्रखंडों में अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कराया गया योगाभ्यास ।योग प्रशिक्षिका सुप्रिया वर्णवाल के नेतृत्व में उत्क्रमित विद्यालय मिजाचौकी , उत्क्रमित प्लस 2 बीपी उच्च विद्यालय भगैया ,कस्तुरबा गांधी बालिका उच्च विद्यालय मंडरो में योगाभ्यास कराया गया। वही योग दिवस पर मंडरो ब्लॉक परिषर मंडरो बीडीओ मेघनाथ उरांव के नेतृत्व में योगाभ्यास किया गया । मंडरो बीडीओ ने कहा कि भाग दौड की जिंदगी में योग व प्राणायाम जरूरी है ।सभी को नियमित योग करना चाहिए । सदर प्रखंड के हाजीपुर दियारा में पंचायत सचिव के नेतृत्व में महिला व पुरुषों को योगाभ्यास कराया गया। वही योग प्रशिक्षिका सुप्रिया वर्णवाल ने कहा की योग का मतलब है समाज के हर वर्ग को भारत की संस्कृति और आत्मा से जोड़ना यही योग है।

आपकी इच्छाएं तभी पूरी होती है जब आप शारीरिक रूप से स्वस्थ होते हैं। योग के माध्यम से आप आध्यात्मिकता के उच्च स्तर तक पहुंच सकते हैं। यह हमारे ऋषियों की परंपरा है जिसे हमारे वेदों, पुराणों और अन्य ग्रंथों ने जीवित रखा है। योग के माध्यम से स्वस्थ शरीर और शांत मन का संदेश दिया गया । मौके पर मिथुन कुमार, बीपीओ अभिषेक कुमार, जय कुमार, राजेश भगत , रंजन कुमार, अनुज कुमार, रोहित कुमार, पंकज कुमार, गौतम कुमार समेत अन्य समेत अन्य प्रखंड कर्मी मौजूद थे।

केरेडारी में कृषकों को मिला उन्नत बीज आधुनिक खेती की ओर बढ़ा एक मजबूत कदम

केरेडारी संवाददाताझ्ररबिन्द्र कुमार पाण्डेय

हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड में किसानों के लिए नई उम्मीद लेकर आया। केरेडारी कृषि फार्म में अनुसूचित जाति के कृषकों के बीच राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान झारखंड *(गौरिया कर्मा, बरही, हजारीबाग) * के सौजन्य से केरेडारी फार्म प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा उन्नत किस्म के बीजों का वितरण किया गया ।इस पहल का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ना और उनकी पैदावार बढ़ाना है। कार्यक्रम की शुरूआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई, जिसमें दर्जनों किसान शामिल हुए ।बीज वितरण के साथ किसानों को बीज की विशेषताएं, सही बुआई की तकनीक, देखभाल और फसल की गुणवत्ता सुधारने के उपायों की जानकारी दी गई। इस मौके पर कृषि विभाग के ए.टी.एम.ज़ि.-मो. ज़िया, एफपीओ के अध्यक्ष झरी लाल

महतो, बीओडी मीनू महतो सहित प्रमुख किसान जैसे मदन मोहन, उमेश राम, अर्जुन राम, इंद्रजीत राम, सुमन कुमारी और विमल कुमार उपस्थित रहे ।विशेषज्ञों ने किसानों को बताया कि ये बीज जलवायु के अनुकूल हैं और कम लागत में अधिक उत्पादन देने में सक्षम हैं। इससे न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि क्षेत्र में हरित क्रांति को भी बल मिलेगा कार्यक्रम के दौरान किसानों ने अपने अनुभव साझा किए और सरकार एवं संस्थान के प्रति आभार प्रकट किया। इस बीज वितरण कार्यक्रम ने केरेडारी के किसानों मेंउत्साहऔरआत्मविश्वास भर दिया है। आधुनिक खेती की दिशा में यह पहल कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने वाली साबित हो रही है।

महादेववरन पंचायत में अबुआ आवास योजना के लाभुकों को कराया गया गृह प्रवेश

मंडरोः

प्रखंड क्षेत्र के महादेववरण पंचायत में शनिवार को गृह प्रवेश का कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।ग्रामीण विकास विभाग इस विशेष अभियान में वित्तीय वर्ष 2023 *24 के पूर्ण अबुआ आवास योजना में गृह प्रवेश करवाया गया । मौके पर महादेववरण पंचायत के उप मुखिया गणेश भगत ,प्रखंड प्रमुख शीला देवी , वीएलडब्लू रमेश कुमार समेत अन्य लोगों की उपस्थिति में हाथ से फीता कटवा कर चाबी ,नारियल फोड़ कर गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया

गया । वही महादेववरन पंचायत के उप मुखिया गणेश भगत ने बताया कि जिनका जिनका अबूआ आवास बनकर तैयार है उनके गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही उन्होंने लाभुक को शुभकामना देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वही प्रखंड प्रमुख शीला देवी ने लाभुकों को शुभकामनाएं दी, वहां मौजूद कर्मियों को कहा कि लाभुकों की आजीविका वृद्धि के लिए सरकार की जनकल्याणकारी योजना से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति और मजबूत करें । गृह प्रवेश के दौरान लाभुकों में खुशी का माहौल देखा गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मांडर महाविद्याल मांडर मे योग दिवस मनाया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - आज दिन शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मांडर महाविद्यालय, मांडर में योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ कुमार आदित्येन्द्र नाथ शाहदेव ने संदेश दिया कि योग मनुष्य के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अतिआवश्यक है। आज की आधुनिक जीवनशैली में हम इतने सुविधा भोगी हो गए हैं कि अपने शरीर पर ध्यान नहीं दे पाते। रोज सुबह कुछ समय निकालकर व्यायाम करना हम सबके लिए लाभकारी है। इस मौके पर परीक्षा नियंत्रक डॉ. के.पी. शाही ने 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महाविद्यालय की पी.टी एवं योग शिक्षिका बसंती कुमारी के निर्देशन में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने योग किया। इस अवसर पर प्रो गांवा तिग्गा, डॉ पवन कुमार दास एवं एन.सी.सी अधिकारी डॉ असेंलम मिंज सहित 60 एन.सी.सी कैडेट्स उपस्थित थे।

मांडर, विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर जागरूकता रैली

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर नेताजी सेवा संस्थान दीनदयाल कौशल केंद्र की ओर से शनिवार को मांडर में जागरूकता रैली निकाली गयी. जिसमें केंद्र के 150 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया. तंबाकू के सेवन से होने वाले दुष्प्रभाव के नारे लिखी तख्तियों व पोस्टर के साथ यह रैली मांडर स्थित केंद्र से शुरू होकर प्रखंड मुख्यालय होते हुए टांगरबसली मोड़ तक जाकर वापस लौटी. इस दौरान नशामुक्त समाज के निर्माण को लेकर लोगों को जागरूक किया गया. बाद में संस्थान में युवाओं द्वारा नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया. जिसमें तंबाकू के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान को प्रभावशाली तरीके से दशार्या गया. मौके पर संस्थान के प्रबंध निदेशक पीयूष रंजन, केंद्र निदेशक अरविंद कुमार सिंह, केन्द्र प्रमुख गुलाम मुस्तफा. अरविंद कुमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे!

पाकुड़ व्यवहार न्यायालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:झालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह की अध्यक्षता में पाकुड़ व्यवहार न्यायालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा शेष नाथ सिंह ने कहा कि नियमित योग करने से हम अवसाद से बच सकेंगे मन और शरीर प्रसन्न एवं स्वास्थ्य रहेगा। एक बेहतर जीवन के लिए स्वास्थ्य और निरोग रहने के लिए योग करने के लिए समय निकाले

साथ ही कहा कि अंतराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम जिले के सभी लीगल एड क्लीनिक में मनाया जा रहा है। जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के पीएलवी अपने संबंधित लीगल एड क्लीनिक में उपस्थित हो कर अंतराष्ट्रीय योग दिवस को मनाएंगे। योग दिवस कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय सुधांशु कुमार शशि, अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम कुमार क्रांति प्रसाद, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संजीत कुमार चंद्रा, डालसा सचिव रूपा बंदना किरो, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विशाल मांझी,प्रभारी न्यायाधीश विजय कुमार दास, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम एवं मेडिएटर अधिवक्ता, न्यायालय कर्मी पारा लीगल वॉलिंटियर्स ने अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर भगा लेते हुए योगाभ्यास किया और नियमित योग अपनाने का संकल्प लिया ।इस मौके पर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु ट्रेनर द्वारा स्वास्थ्य और निरोग रखने को लेकर कई प्रकार के योगासन कराया गया।

फूलों झानो इनडोर स्टेडियम में उपायुक्त ने चलाया नशा मुक्ति हस्ताक्षर अभियान

साहिबगंज :

साहेबगंज के फूलों झानो इनडोर स्टेडियम में जिला प्रशासन द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत एक हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री हेमंत सती ने किया ।इस मौके पर उपायुक्त हेमंत सती ने युवाओं और खिलाड़ियों को नशा से दूर रहने एवं समाज में नशा उन्मूलन की दिशा में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा जीवन को बर्बाद करता है, युवा पीढ़ी को इससे दूर रहकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाना चाहिए ।उपायुक्त ने सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और उपस्थित युवाओं से नशा न करने की शपथ दिलाई और हस्ताक्षर अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया ।कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा,आइटीडीए निदेशक संजय कुमार दास, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुन्नु कुमार मिश्रा, जिला खेल पदाधिकारी पंकज झा,नगर परिषद प्रशासक सिंह, विभिन्न खेल प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ीगण एवं युवा वर्ग उपस्थित थे ।कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में ₹नशा मुक्त समाज₹ की स्थापना की दिशा में सामूहिक जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना था।

संक्षिप्त समाचार

बाघवार एकेडमी, चान्हो में ह्यवन अर्थ, वन हेल्थह्न थीम पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस संपन्न

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो -दिन शनिवार को रांची जिले के चान्हो प्रखंड स्थित बाघवार एकेडमी के प्रांगण में ह्यवन अर्थ, वन हेल्थ थीम के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रसिद्ध योगाचार्य एवं सेवानिवृत्त शिक्षक नंदकिशोर साहू द्वारा विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को विभिन्न योगासनों की विस्तृत जानकारी दी गई। लगभग दो घंटे तक चले इस कार्यक्रम में उन्होंने योग एवं आसनों से होने वाले शारीरिक और मानसिक लाभ पर विस्तार से प्रकाश डाला। योग सत्र के दौरान योगाचार्य श्री साहू द्वारा पद्मासन, वज्रासन, मकरासन, चक्रासन, उष्ट्रासन, सुखासन, ताड़ासन एवं सूर्य नमस्कार जैसे प्रमुख आसनों का अभ्यास कराया गया और उनके लाभों की व्याख्या की गई। कार्यक्रम की शुरूआत उन्होंने योग के जीवन में महत्व पर अपने प्रेरणादायक विचार साझा कर की। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका प्रेरणा एक्का द्वारा किया गया। उनके स्वागत भाषण के पश्चात, विद्यालय की छात्रा परिधि सहदेव ने योग दिवस पर एक प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने सराहा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण बाघवार द्वारा योगाचार्य नंदकिशोर साहू को सम्मानस्वरूप स्मृति चिह्न भेंट किया गया। धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक हरे कृष्णा सिंह द्वारा किया गया। यह पूरा कार्यक्रम विद्यालय के निदेशक अशोक बाघवार के निदेर्शानुसार संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अरुण बाघवार ने सभी को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल कर निरोग रहने का संदेश दिया।

रघुवर दास पहुंचे पाकुड़ शहिद शाम टुडू के आदमकद प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःलिट्टीपाड़ा आशीष हेम्ब्रम के नेतृत्व में पाडेरकोला गांव के निवासियों एवं भाजपा कार्यकताओं ने विकास पुरुष झारखंड प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास का जोरदार स्वागत किया एवं एवं शहिद शाम टुडू के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत हुए और महावीर हनुमान मंदिर में ग्रामीणों के साथ जलाभिषेक किया।इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति लंबे समय से उनके इंतजार में मौजूद रही उनके आगमन के साथ ही उनका उत्साह और आनंद चरम पर था सभी ने रघुवर दास जी को तिलक लगाकर आरती उतार कर माला पहनकर स्वागत किया साथ ही ग्रामीणों ने अंग वस्त्र भी प्रदान किया। कार्यक्रम स्थल पर भाजपा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य बबलू भगत निवर्तमान नगर परिषद अध्यक्ष सम्पा साहा भाजपा के वरिष्ठ नेता हिसाबी राय नगर महामंत्री सुशील साहा युवा नेता अनिकेत गोस्वामी महादेव मिर्धा,राम ठाकुर ने भी बारी-बारी से अंग वस्त्र पहनकर माला पहनाकर रघुवर दास जी का स्वागत किया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में 11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ शनिवार सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में 11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के उपाध्यक्ष बिजय शंकर सिंह एवं दुर्गा शंकर मंडल ने नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में योगासन एवं प्राणायाम विद्यालय की पुर्व छात्रा भूमिका कुमारी द्वारा कराया गया । इस अवसर पर विद्यालय समिति सदस्य, विद्यालय के प्रधानअध्यापक, शिक्षक विद्यालय के कर्मी सभी उपस्थित रहे। विद्यालय में शंकर सरकार के द्वारा सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया गया । विद्यालय के उपाध्यक्ष बिजय शंकर सिंह द्वारा वर्ग गीत जीवन में कुछ करना है तो! के मूल महत्व को समझाते हुए उन्होंने छात्रों को योग से अपने जीवन में लाभ प्राप्त कर स्वस्थ रह सका जा सकने की प्रेरणा प्रदान की । विद्यालय के सह सचिव दुर्गा शंकर मंडल ने बताया कि योग केवल योग दिवस में ही नहीं करना चाहिए बल्कि योग को नियमित रूप से करना चाहिए ताकि इससे शारीरिक और मानसिक विकास हो सके । इसके साथ उन्होंने योग दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया ।

उत्पाद विभाग की टीम छापेमारी कर 25 लीटर अवैध चुलाई शराब ,1200 ँ अवैध जल मिश्रित जावा महुआ को किया बरामद

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ शनिवार को उत्पाद विभाग की टीम ने पाकुड़ में मुफस्सिल थानान्तर्गत अंतर्गत बेलडांगा स्थित सालबीनी मड़ैया के घर पर छापेमारी की गई। तलाशी के क्रम में 25 लीटर अवैध चुलाई शराब तथा 1200 ँ अवैध जल मिश्रित जावा महुआ को बरामद किया गया तथा जल मिश्रित जावा महुआ को घटनास्थल पर विनिष्ट किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया गया।

डीएमएफटी की प्रबंधकीय समिति की हुई बैठक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ डीसी मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की प्रबंधकीय समिति की बैठक का आयोजन समाहरणालय में किया गया। बैठक में जिला के सभी माध्यमिक/उच्च/+2 विद्यालयों में कुल 7593 बेंच-डेस्क की सुविधा हेत प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई। प्रबंधकीय / शासी परिषद की बैठक में सैद्धांतिक सहमति की प्रत्याशा में प्रदत्त घटनोत्तर स्वीकृति पर सहमति दी गई। विगत शासी परिषद में सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त योजनाओं में तकनीकी कारणों से कार्यान्वयन नहीं होने के फलस्वरूप रद्द करने संबंधी योजना पर सहमति दी गई।

23 जून को शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी के 83वें प्राकट्य महोत्सव के अवसर पर दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में होगा राष्ट्रोत्कर्ष दिवस का आयोजन

शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में तालकटोरा स्टेडियम में 23 जून को 551 महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा से होगी राष्ट्रोत्कर्ष दिवस का शुभारंभ

नई दिल्ली-।

पुरी पीठाधीश्वर श्री मज्जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी की 83वें जयन्ती महोत्सव के शुभ अवसर पर श्री मज्जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में 23 जून सायं 5 बजे से नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में दिव्य तथा भव्य भारत के निर्माण को लेकर राष्ट्रोत्कर्ष दिवस आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश को लेकर आज कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया कप्रेस वार्ता को आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं युग संस्कृति न्यास के संस्थापक आचार्य धर्मवीर, पुरी पीठ के प्रतिनिधि मातृ प्रसाद मिश्रा, पीठ परिषद् के राष्ट्रीय कार्यकारी प्रेसिडेंट अश्विनी मलिक कार्यक्रम संयोजक संदीप गर्ग एवं संजय उपाध्याय ने संबोधित किया । इस अवसर पर आयोजन समिति एवं स्वागत समिति के सदस्य उपस्थित थे । आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं युग संस्कृति न्यास के संस्थापक आचार्य धर्मवीर ने कहा कि महाराजश्री का संकल्प है भारत को संपूर्ण हिन्दू राष्ट्र बनाने का इसी के निमित यह विशाल राष्ट्रोत्कर्ष दिवस एवं महाधिवेशन आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान एवं हर्ष मल्होत्रा, सांसद संबित पात्रा यूजीसी के चेयरमैन, दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, नेपाल के राजदूत एवं दिल्ली में सभी स्टेट भवनों के पदाधिकारी सहित देश भर के संत शामिल होगें एवं कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए कई देशों के प्रमुख नेताओं एवं प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावे मिथिलांचल, नेपाल एवं अन्य राज्यों एवं देशों के महाराजश्री के सर्मथक एवं भक्तजन आ रहे हैं। आचार्य धर्मवीर ने कहा कि कार्यक्रम का आरंभ 551 महिलाओं द्वारा भव्य कलष यात्रा से होगी। भारतीय सांस्कृतिक परम्परा को आगे बढ़ाते हुए इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को आने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया ।आयोजन के संयोजक संदीप गर्ग ने बताया कि पुरी पीठाधीश्वर श्री मज्जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी की 83वें

जयन्ती महोत्सव के शुभअवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में देश-विदेश से बड़ी संख्या में राष्ट्रप्रेमी एवं सनातन धर्म को मानने वाले प्रतिनिधि सम्मिलित होने जा रहे हैं। पुरी पीठ के प्रतिनिधि मातृ प्रसाद मिश्रा, ने कहा कि पुरी पीठाधीश्वर महाराज श्री मज्जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी राष्ट्रोत्कर्ष अभियान को सफल बनाने के लिए वर्षभर दिव्य धर्म सभा के रूप में देश के विभिन्न शहरों में दिव्य यात्रा करते हुए इस राष्ट्र अभियान को जन जन तक पहुंचा रहे हैं कउन्होंने कहा कि महाराजश्री का मानना है कि सनातन धर्म बचेगा तो मानव का कल्याण होगा, विश्व में शांति होगी, भारत पुनः विश्वगुरु बनेगा क महाराजश्री धर्मविनियमित पक्षपात रहित सनातन धर्म तंत्र भारत में कैसे स्थापित हो इस विषय पर विभिन्न राष्ट्रभक्त वक्ताओं विचार लेते हुए 23 जून को तालकटोरा स्टेडियम के प्रांगण में उपस्थित हजारों लोगों के सामने पुनः अपनी वाणी से राष्ट्र को संबोधित करेंगे। श्री मज्जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज जी के बारे में परिचय देते हुए मातृ प्रसाद मिश्रा ने कहा कि पुरी पीठाधीश्वर श्री मज्जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती आदि शंकराचार्य के परम्परा को शत-प्रतिशत पालन करते हुए भारत-नेपाल की यात्रा करते हुए आज दिल्ली पहुंचे हैं। आदि शंकराचार्य जी का प्राकटय ईसा से 507 वर्ष पूर्व हुआ था। यदि आदि शंकराचार्य नहीं होते तो आज हम लोग हिन्दू नहीं होते, आज हम जगन्नाथपुरी की यात्रा करते हैं अगर आदि शंकराचार्य नहीं होते तो यह संभव नहीं होता क्योंकि 164 वर्षों तक आताताययों ने इस पर अपना कब्जा जमाए हुए था। यही बात बदरीनाथ, नेपाल के काठमांडू के पशुपति नाथ महादेव हैं वहां भी विधर्मियों ने कब्जा जमा रखा था। आदि शंकराचार्य जी न हिंसा, न गोली और न हीं गाली का प्रयोग करते हुए सिर्फ 32 वर्ष की उम्र में ही चारों धाम का पुनरुद्धार कर पीठ बनाकर कैलाश गमन किए। उसी परंपरा का निर्वाह करते हुए पुरी पीठाधीश्वर श्री मज्जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज 145 वें शंकराचार्य दुनिया में अकेले पूर्ण सनातनी हैं। महाराजश्री विश्व प्रख्यात गणितज्ञ हैं और विश्व के टॉप गणितज्ञ महाराजश्री से किसी न किसी रूप में जुड़े हुए हैं और इनसे सलाह-मश्विरा करते रहते हैं। चाहे उत्तर कोरिया हो या दक्षिण कोरिया, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी हो या कैम्ब्रिज, हार्डवर्ड यूनिवर्सिटी, नासा से जुड़े वैज्ञानिक, विश्व बैंक एवं यूएनओ भी महाराजश्री से विभिन्न मुद्दे पर सलाह-मश्विरा लेकर कार्य करते हैं। राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष, पीठ परिषद अश्वनी कुमार मलिक ने कहा कि सनातन आर्य वैदिक शास्त्रसम्मत शासनतंत्र की प्रतिष्ठा कर भारत को एक सूत्र में पिरोने वाले आदि शंकराचार्य जी की पावन परंपरा में ऋग्वेदीय पूर्वान्माय श्रीगोवर्द्धनमठ के 145वें शंकराचार्य पुरीपीठाधीष्वर अनन्तश्री विभूषित स्वामी निष्चलानंद सरस्वती जी आदि शंकराचार्य जी के ही पदिचन्हों का अनुसरण करते हुए सनातन शस्त्रसम्मत षासनतंत्र अखंड भारत के लक्ष्य की पूर्ति हेतु विगत 30 वर्षों से भी अधिक समय से वर्ष में 250 से भी अधिक दिनों तक राष्ट्रोत्कर्ष अभियान के अंतर्गत पूरे भारत में जन-जागरण कर स्वस्थ वैचारिक क्रांति का सूत्रपात कर रहे हैं।

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी योग साधकों को हृदय से बधाई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' हल्की वर्षा के बीच धूमधाम से मनाया गया 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस। योग शरीर मन और आत्मा का सामंजस्य है जो जीवन में संतुलन और शांति लाता है योग भारत की ऋषि परंपरा का एक ऐसा मंत्र है, जो स्वस्थ काया के साथ ही हमको स्वस्थ मस्तिष्क भी प्रदान करता है। हर भारतवासी योग ऋषि परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज एवं राष्ट्र ऋषि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री ठंर्ील्लश्ि टङ्क जी का आभारी है, जिन्होंने योग की इस विरासत को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाकर 21 जून की तिथि को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। संपूर्ण विश्व भारत की योग की विरासत के साथ जुड़कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता है। जिले में भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी

विनोद आर्य महिला पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी बहन ममता गुप्ता जी विधान परिषद आदरणीय दिलीप सिंह जी आदरणीय डॉक्टर चंद्रशेखर प्रसाद जी डॉ सचिन जी डॉ मुकेशजी कोषाध्यक्ष अवधेश जी पतंजलि जिला महामंत्री लुटन जी जिला संवाद प्रभारी भोला जी शिक्षक प्रकोष्ठ संयोजक संजीव गुरु जी सक्रिय योग शिक्षक राजू जी पतंजलि योग समिति सह प्रभारी संजय जी कार्यालय प्रभारी भाई डब्बू जी प्रचार प्रसार व्यवस्था प्रमुख भाई महेंद्रजी भारत स्वाभिमान सह प्रभारी भाई जितेंद्र जी युवा सह प्रभारी भाई रोशन जी धन संग्रह प्रमुख रॉकी जी प्रखंड सह प्रभारी मदन जी सक्रिय योग शिक्षक भाई अशोक जी सक्रिय योग शिक्षक दयानंद जी पतंजलि संगठन मंत्री कृष्ण मुरारी जी सक्रिय योग शिक्षक भाई दयानंद जी सक्रिय योग शिक्षक डॉ राम प्रसाद मेहता जी सक्रिय योग शिक्षक जेपी मेहता जी सीताराम जी महेंद्र जी दिनेश जी सक्रिय योग शिक्षक अशोक जी पूर्व जिला अध्यक्ष भाई दिनेश जी पतंजलि योग समिति प्रखंड प्रभारी भाई अभयानंद गिरी जी छोटू जी आदरणीय बजरंगी जी बिहारी जी डब्बू जी भारत स्वाभिमान पूर्व महामंत्री बहन सारिका जी पतंजलि पूर्व जिला महिला प्रभारी मिली गुप्ता जी स्वीटी जी बाली की लाली जी रिंकी जी पूनम गुप्ता जी अनीता सिंह जी यशोदा जी मोनिका जी पुष्पा जी श्रेया जी संगीता जी रामकली जी एवं कई अन्य माताएं बहनें भाइयों ने आज ईस दिव्य भव्य आयोजन में अपनी सहभागिता सुनिश्चित किए।

विद्यालय में बच्चों को सीखाया गया योग

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

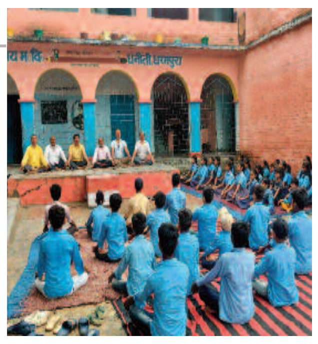

औरंगाबाद :- जिले के बारुण प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में विश्व योग दिवस के अवसर पर विद्यालयी बच्चों के बीच योग शिक्षक द्वारा योगाभ्यास कराया गया एवं बच्चों से अपील किया गया कि वे प्रतिदिन योगाभ्यास करें तो वे स्वस्थ रह सकते हैं उनके अध्ययन के प्रति अभिरुचि भी बढ़ सकती है।इस क्रम में मध्य विद्यालय धनौती धरमपुरा में प्रभारी प्रधानाध्यापक बबन प्रसाद के नेतृत्व में बच्चों के बीच योगाभ्यास कराया गया। वरीय शिक्षक सतीश कुमार पांडेय,शारीरिक शिक्षक बृजमोहन प्रसाद,गणेश प्रसाद,भृगुनाथ प्रसाद सहित अन्य शिक्षकों ने भी योग को मानव जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। वहीं मध्य विद्यालय मखरा में भी प्रधानाध्यापक ज्योति शंकर के नेतृत्व में बच्चों के बीच योगाभ्यास कराया गया और उनसे अपील किया गया कि योग एक ऐसी क्रिया है जिसे यदि अपना लिया जाए तो जीवन में कभी भी रोग आक्रमण नहीं कर सकते हैं।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विधालय औरंगाबाद मे योग दिवस धूमधाम से मनाई गई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- मुख्यालय स्थित अदरी नदी के निकट सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय मे योग दिवस महर्षि पंतजलि को श्रध्दा सुमन समर्पित करके तथा दीप प्रज्जवलन के साथ प्रारंभ हुआ। दीप प्रज्जवलन विधालय प्रबंध कारिणी समिती के माननीय सचिव बजरंगी प्रसाद जी, पतंजलि के योग प्रमुख विनोद कुमार , अवधेश गुप्ता जी पतंजली के कोषाध्यक्ष जितेन्द्र गुप्ता जी एवं पुरुषोतम कुमार पूर्व भाजपा अध्यक्ष औरंगाबाद के विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज कुमार कौशिक सहित कई लोग ने दीप प्रज्वलन में ने हिसा लिया । अतिथि परिचय मंच संचालित बहन अदिती कुमारी के द्वारा कीया गया इस अवसर पर स्थापना मन्त्र ,अनुलोम विलोम,कई प्रकार के आसन प्राणायाम और सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया गया । इस अवसर पर श्री विनोद कुमार आर्य जी के द्वारा योग के विविध आसनों को बताया गया,समापन मन्त्र के साथ कार्यकम सम्पन किया गया। इस अवसर पर कई भैया और बहन आचार्य जी सह मीडिया प्रभारी नन्दलाल कुमार पाठक, अविनाश कुमार ,विपिन कुमार, संजय कुमार सिंह उप प्रधानाचार्य मीडिया प्रभारी, रविरंजन कुमार,कार्यक्रम सह प्रमुख ओमप्रकाश सिंह , आचार्या रिना कुमारी ,किरण सिंह ,अनुपम सिन्हा, सृष्टी मिश्रा, आदी आचार्य एवम दिदिजी उपस्थित थे।

पाकुड़ एसडीपीआई पार्टी का स्थापना दिवस कार्यकताओं ने धूमधाम से मनाया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ एसडीपीआई पार्टी का झारखंड प्रदेश के सभी ब्रांचों में पार्टी की 17वीं स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर पार्टी का झंडोत्तोलन किया गया. वहीं संथाल परगना क्षेत्रीय कार्यालय पाकुड़ में प्रदेश अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य मो0 हंजेला शेख की अध्यक्षता में पार्टी का झंडा फहराया गया. झंडोत्तोलन के पश्चात हंजेला शेख ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 21 जून सिर्फ एक तारीख नही-एक आंदोलन का प्रतीक है, एक ऐसा आंदोलन जो अन्याय के गलियों से निकलकर पीड़ितों के आंसुओं से पला हैं एवं भारतीय संविधान में आस्था रखते हुए

मजबूत हुआ है। 21 जून 2009 में जब हमारी पार्टी की गठन हुई तो हमारा उद्देश्य स्पष्ट था कि जो आवाज सत्ता की गलियारों को सुनाई नहीं देती है, उनकी आवाज बनना, हम मुसलमानों, दलितों, आदिवासियों, ईसाइयों, श्रमिकों तथा महिलाओं की आवाज बनकर उभरे है। पूरे देश में फासीवादी ताकते वउउ, उअअ और वक्फ संशोधन जैसे काला कानून थोपना चाहते है, ऐसे में वक्फ संशोधन जैसे काला कानून के विरुद्ध पूरे देश सबसे अधिक जगहों और बड़ा आंदोलन हमने किया, हमारी आवाज को दबाने के लिए हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके फैजी को ईडी द्वारा गिरफ्तार किया गया। हमारी पार्टी का गठन शहीदों के खून से हुई है, उन्होंने आगे कहा हमारे नेताओं को जेल में तो आप डाल सकते है परंतु हमारी हिम्मत, हौंसला और आंदोलन को नहीं। मौके पर फ्री एमके फैजी सोलह साल का संघर्ष न्यायपूर्ण भारत की ओर, एसडीपीआई जिंदाबाद के ननारे भी लगाए गए। मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष हबीबुर रहमान, महासचिव तहमीदुर रहमान, महासचिव संगठन शमीम अख्तर, पाकुड़ जिला अध्यक्ष मोबारक शेख, प्रदेश सचिव वजीदा खातून, प्रदेश सचिव अमीर हमजा, प्रदेश समिति के विभिन्न सदस्य उपस्थित रहे.

डीएवी भंडारकोला में वृहद पैमाने पर 11वां योग दिवस मनाया गया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल, भंडारकोला में आज 11 वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। विदित हो कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस दिन को मनाने का प्रस्ताव रखा था और उसकी मंजूरी मिलने के बाद योग दिवस की शुरूआत 2014 में हुई। इसके बाद पहला योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया। इस वर्ष योग दिवस का थीम है ₹एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग।₹इस अवसर पर स्कूल में और स्कूल के बाहर भी गीता देवी डीएवी के बच्चों के द्वारा कई कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज की गई । सबसे पहले स्कूल में बच्चों को खेल प्रशिक्षक सत्यवीर यादव,राजीव लोचन और राहुल कुमार के निर्देशन में आस्था और सुमन घड़ीदार ने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, चक्रासन और प्राणायाम का अभ्यास करवाया। खेल प्रशिक्षक आशुतोष कुमार और प्रवीर कुमार के निर्देशन में स्कूल के लगभग 100 बच्चों ने जिला प्रशासन और ईसीएल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डीएवी का प्रतिनिधित्व करते हुए योगाभ्यास किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी विशेष रूप से मौजूद थीं। देवघर कॉलेज परिसर में एनसीसी 36 झारखंड

बटालियन के द्वारा आयोजित योग दिवस के कार्यक्रम में स्कूल की ओर से 21 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया। ए.एन.ओ परेश ब्रह्मा के निर्देशन में कैडेट अनन्या एंजल ने योगाभ्यास करवाया।वर्ग एलकेजी से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वर्ग एलकेजी से क्कतक के बच्चे के लिए योगा डे सेलिब्रेशन वर्ग 3 से पांच के लिए योग दिवस पर क्राफ्ट बनाओ,वर्ग श्कसे आठवीं के लिए योग की विभिन्न मुद्राओं का पोस्टर बनाओ और योग के फायदे बताओ तथा वर्ग क से क्कके लिए योग दिवस पर बुलेटिन बोर्ड सजाने की प्रतियोगिता करवाई गई। इसके साथ-साथ आर्ट ऑफ लिविंग के निशांत ने बच्चों को मेडिटेशन और शिक्षकों को योगाभ्यास करवाया। सभा को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य बलराम कुमार झा ने कहा कि योग वैदिक काल से चला आ रहा है और आधुनिक युग में भी काफी उपयोगी और प्रभावी साबित हो रहा है।योग से ऐसी शक्ति मिलती है जो कि सम्पूर्ण मानवता के लिए लाभकारी है। योग व्यक्ति का न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास करता है बल्कि चारित्रिक विकास में भी सहायक होता है। यह हमें शारीरिक और मानसिक रूप से तनाव मुक्त करता है। इस कार्यक्रम में रेड रोज स्कूल के प्राचार्य अनिल पांडे, डॉ एस.सी.नायक,संताल परगना चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष आलोक मल्लिक , रणधीर जी के अलावा अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

पटना नगर निगम ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित किया गया कार्यक्रम

लोक गायिका डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने बिहार के पारंपरिक लोकगीतों और स्वच्छता गीतों की प्रस्तुति दी

पटना , ।

पटना नगर निगम की स्वच्छता जागरूकता टीम ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और विश्व संगीत दिवस के अवसर पर अदालतगंज तालाब पार्क में एक विशेष आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन पटना नगर निगम के उपनगर आयुक्त रामाशीष तिवारी, उप नगर आयुक्त प्रदीप कुमार राय, कार्यपालक पदाधिकारी निखिल कुमार, डॉ नीतू कुमारी नवगीत, योग गुरु दर्शन सोनी और गायक राजेश केसरी ने दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम में सभी उपस्थित अतिथियों ने नीम और जामुन के पेड़ लगाए और योग गुरु के मार्गदर्शन में योगाभ्यास किया। इसके बाद स्वच्छता जागरूकता अभियान के तहत संगीत सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें लोक गायिका डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने बिहार के पारंपरिक लोकगीतों और स्वच्छता गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में उपनगर आयुक्त रामाशीष तिवारी ने कहा कि योग भारतीय अभ्यास प्रणाली है जो शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। योग के नियमित अभ्यास से जीवन को स्वस्थ, सुखी और संतुलित बनाया जा सकता है। इस अवसर पर राजेश केसरी ने भी जागरूकता गीत गाकर लोगों को स्वच्छ पटना शहर बनाने का संदेश दिया।

मंत्री अशोक चौधरी ने हरिहरनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

भाजपा नेता राकेश सिंह ने अशोक चौधरी को मंदिर का प्रतीक चिन्ह और अंग वस्त्र से उनका स्वागत किया

पटना , ।

बिहार सरकार मंत्री अशोक चौधरी ने सोनपुर पहुंच बाबा हरिहरनाथ मंदिर मे की पूजा अर्चना और शाम की बाबा हरिहरनाथ के आरती मे भाग लिया और प्रदेश के खुशहाली की कामना की इस अवसर पर उनको भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह मंदिर सचिव विजय लाला भाजपा नेता बिनोद सम्राट ने मंदिर का प्रतीक चिन्ह और अंग वस्त्र से उनका स्वागत किया इस अवसर पर जदयू नेता प्रदेश महासचिव छोटू सिंह पूर्व आईजी सुरेश चौधरी सामाजिक कार्यकर्त्ता विनय सिंह मिथलेश सिंह उर्वशी होटल पपलू सिंह सदानंद बाबा सुशील चंद शास्त्री बमबम बाबा राहुल भूटकून बाबा हरिहरनाथ थानाध्यक्ष स्वर्ना सुप्रिया सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

भाकपा माले का बदलो बिहार यात्रा रथ पहुंचा पचरूखिया

रिपोर्ट - निशांत कुमार

औरंगाबाद :- हसपुरा प्रखण्ड के पचरूखिया बाजार में शनिवार को भाकपा माले का बदलो बिहार यात्रा रथ पहुंची। जैसे ही यात्रा रथ पचरूखिया पहुंची भाकपा माले कार्यकताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बदलो बिहार यात्रा रथ पर सवार भाकपा माले किसान महासभा के महासचिव सह काराकाट सांसद राजाराम सिंह, फुलवारी शरीफ विधायक गोपाल रविदास,घोसी विधायक रामबली सिंह यादव,एपवा नेत्रों रीता वर्णवाल ने कहा यात्रा का मकसद सरकार बदलने के लिए जनता को जागरूक करना है। इन्द्र पुरी जलाशय का निर्माण अब तक नहीं हो सका,सोन नहर सिंचाई प्रणाली दम तोड़ चुकी है। जिससे किसानों के खेती में संकट उत्पन्न हो रहा है। नहरों में नीचे छोर तक पानी नहीं पहुंच रही है।बिहार में खुलेआम अपराधी घुम रहे हैं। सांसद राजाराम सिंह ने केन्द्र सरकार की ओर निशाना साधते हुए कहा कि विक्रमगंज के सभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्थानीय समस्या का एक भी जिक्र नहीं किया। एनटीपीसी थर्मल पावर प्लांट में पानी चाहिए तो कदवन जलाशय को निर्माण करना होगा। प्लांट से निकलने वाली अवशेष को समुचित व्यवस्था करना होगा। इन तमाम समस्याओं को लेकर भाकपा माले की बदलो बिहार यात्रा रथ निकली है और बिहार के कोने-कोने में लोगों के बीच केन्द्र व राज्य सरकार की नाकामी को रखेंगी। सांसद राजाराम सिंह ने कहा बिहार लेनिन अमर शहीद जगदेव प्रसाद ने शोषितों के लिए लडाई लड़ते शहीद हो गए।आज उनके अधुरे सपने को पूरा करना हम सब की जिम्मेदारी बनती है। बदलो बिहार यात्रा रथ की सफलता के लिए उन्होंने तमाम लोगों से लुट , झुंठ और दमन के खिलाफ एकजुट हों तथा एनडीए सरकार को उखाड़ फेंकने और बिहार में जन पक्षिय ,समता मूलक व न्यायपूर्ण अभियान में शामिल होने की समर्थन मांगा। मौके पर वंदना प्रभा, माधुरी गुप्ता,पूर्व भाकपा माले जिला सचिव जनार्दन प्रसाद, जिला सचिव मुनारिक राम , सांसद प्रतिनिधि कृष्णा भारती, दिनेश राम, चन्द्रमा पासवान, रामप्रवेश सिंह,बसंत कुमार, सादुल्लाह खां, श्याम किशोर सिंह,युगल किशोर सिंह, कामता प्रसाद कुशवाहा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वीरेन्द्र कुशवाहा ने की।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह व अन्य उच्चाधिकारियों ने किया योगाभ्यास

हाजीपुर :

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह एवं पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनीता सिंह के मुख्य आतिथ्य में पाटलिपुत्र रेल परिसर, पटना में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग (Yoga for One Earth, One Health) थीम पर आधारित योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाप्रबन्धक श्री छत्रसाल सिंह एवं महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके उपरांत योग प्रशिक्षक द्वारा योग के विभिन्न प्रकार के आसनों एवं प्राणायाम की क्रियाएं करवायी गयी एवं इससे होने वाले बहुआयामी लाभ के संबंध में रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवगत कराया। योगाभ्यास के दौरान अधिकारियों ने शरीर के विभिन्न अंगों को सुचारू रूप से कार्यशील रखने हेतु प्राणायाम एवं योग के अन्य विधाओं का अभ्यास किया। इससे पहले महाप्रबंधक एवं अन्य उच्चाधिकारीगण विशाखापट्टनम में आयोजित माननीय प्रधानमंत्री जी के योग कार्यक्रम में लाइव प्रसारण से जुड़े एवं माननीय प्रधानमंत्री जी के योग से संबंधित संबोधन से लाभान्वित हुए । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर एवं निर्माण संगठन कार्यालय, महेन्द्रूघाट, पटना तथा पांचों मंडलों में भी योग शिविर का आयोजन किया गया जहां बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं रेलकर्मचारियों ने योगाभ्यास किया । इन सभी स्थानों पर भी प्रधानमंत्री के योग कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया ।

कृषि टास्क फोर्स की बैठक आयोजित, खरीफ मौसम की तैयारियों की समीक्षा की गई

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिलाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में कृषि टास्क फोर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य खरीफ मौसम 2025 को लेकर कृषि विभाग एवं इससे संबंधित अन्य विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों की समग्र समीक्षा करना था। इस बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि इस वर्ष जिले में कुल 1,72,000 हेक्टेयर क्षेत्र में धान की रोपनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु 17,200 हेक्टेयर भूमि में बीजड़ा तैयार किया जाना है। अब तक जिले में 4,946 हेक्टेयर भूमि पर किसानों द्वारा बीजड़ा तैयार किया जा चुका है, जो कुल लक्ष्य का 17.13 प्रतिशत है। यह कार्य तेजी से प्रगति पर है और मौसम अनुकूल होने के कारण किसानों को इस कार्य में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो रही है। जिले को धान, मक्का, अरहर सहित विभिन्न फसलों के लिए कुल 1677 क्विंटल बीज प्राप्त हुआ है। इनमें से अब तक 688.24 क्विंटल बीज का वितरण किसानों के बीच किया जा चुका है, जो कि कुल प्राप्त बीज का लगभग 41.04 प्रतिशत है। शेष बीज का वितरण भी विभागीय निदेशानुसार तीव्र गति से किया जा रहा है ताकि किसानों को समय पर बीज उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में उर्वरकों की उपलब्धता की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि खरीफ मौसम में किसानों को किसी भी स्थिति में उर्वरकों की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि उर्वरक विक्रेताओं की नियमित रूप से निगरानी की जाए ताकि कालाबाजारी, जमाखोरी एवं मुनाफाखोरी जैसी गतिविधियों पर सख्त नियंत्रण रखा जा सके। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि किसानों की आवश्यकता के अनुरूप उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी द्वारा पशुपालन, गव्य विकास, मत्स्य पालन, उद्यान, सिंचाई सहित अन्य विभागों के पदाधिकारियों को यह निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें, जिससे वास्तविक किसानों तक योजनाओं की सही जानकारी समय पर पहुँच सके और वे लाभान्वित हो सकें। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन पूर्ण पारदर्शता और प्रभावशीलता के साथ किया जाए। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विभागीय लक्ष्यों के अनुरूप कार्य निष्पादन को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करें और लगातार प्रगति की समीक्षा करते रहें। खरीफ मौसम की तैयारी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा किसानों को यथासंभव हर स्तर पर सहायता प्रदान की जाए। इस बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती अनन्या सिंह, जिला कृषि पदाधिकारी श्री रामईश्वर प्रसाद सिंह, कार्यपालक अभियंता लघु सिंचाई प्रमंडल श्री अशोक कुमार, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. श्याम किशोर, जिला मत्स्य पदाधिकारी श्री राजेश कुमार पंडित सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

बच्चों के बीच योगासन एवं पाठ्य,खेलकूद एवं खाद्य सामग्री वितरण कर मनाई गई स्व. चंद्रमोहन मिश्रा जी की पुण्यतिथि

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के वरीय पदाधिकारी एवं छात्र क्लब चिकित्सक मंच के संरक्षक अमित कुमार मिश्रा ने मुक वधिर विद्यालय हरमू हाउसिंग कॉलोनी के बच्चों के बीच योगाभ्यास कर, पाठ्य,खेलकूद सामग्री एवं टॉफी,बिस्किट्स आदि वितरण कर अपने दादा स्व.चंद्रमोहन मिश्रा जी का 26 वीं पुण्यतिथि मनाई।इसके पूर्व स्व.चंद्रमोहन मिश्रा जी के तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए बसंत कुमार मिश्रा ने कहा वे सामाजिक एवं धार्मिक प्रवृति के थे साथ ही वे बच्चों एवं क्षेत्र के लोगों के बीच काफी लोकप्रिय थे।सामाजिक कार्यक्रम कर उन्हें हमेशा स्मरण किया जाएगा।रजनीश मिश्रा ने कहा वे कठिन परिश्रम करके व्यवसाय जगत में एक मुकाम हासिल किया था एवं समाज के विभिन्न वर्गों के साथ मिलजुलकर सामाजिक कार्यक्रम मे बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते थे वहीं अमित कुमार मिश्रा ने योगक्रिया के विभिन्न पहलुओं प्रायाणाम, सूर्य नमस्कार आदि के जीवन में महत्व को बतलाया और बच्चों संग योगासन किया।उन्होंने कहा नियमित योग कर अपने दिनचर्या मे अपनाएं और स्वास्थ्य रहें। शिव किशोर शर्मा द्वारा उपस्थित लोगों को अंतराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देकर कार्यक्रम की समापन हुई। आज के कार्यक्रम मे मुख्यरूप से छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,कांति मिश्रा,रजनीश मिश्रा,सुमित मिश्रा,आकाश देव,नीति मिश्रा, निशांत चंद्रायन आदि मौजूद थे।

स्वस्थ मतदाता, सफल लोकतंत्र योगाभ्यास करें, लोकतंत्र को मजबूत करें

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्य आयुष समिति एवं जिला प्रशासन औरंगाबाद के सौजन्य से खेल भवन, गांधी मैदान परिसर में भव्य योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री थे। इस अवसर पर उन्होंने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग व्यक्ति को न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाता है, बल्कि मानसिक संतुलन एवं आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। स्वस्थ नागरिक ही सजग मतदाता बनते हैं और यही सजगता हमारे लोकतंत्र की नींव को मजबूत करती है। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदान केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह हर नागरिक की लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी उपस्थितों से अपील की कि जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, वे निर्वाचन आयोग के प्रपत्र-6 के माध्यम से अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराएं। यह कार्य ऑनलाइन या अपने क्षेत्र के बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) के माध्यम से भी किया जा सकता है। सही तरीके से आवेदन देने के 15 दिनों के भीतर नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम में सदर एसडीओ श्री संतन कुमार सिंह, अपर समाहर्ता (आपदा) श्री उपेंद्र पंडित, सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्रीमती रत्ना प्रियदर्शनी, जिला योजना पदाधिकारी श्री अविनाश प्रकाश, वरीय उप समाहर्ता श्री रितेश कुमार यादव, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी श्री कुमार पप्पू राज सहित कई जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। शहर की महिलाओं, गणमान्य नागरिकों

एवं स्कूली छात्र-छात्राओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। योगाभ्यास का संचालन योग शिक्षक श्री संतन कुमार सिंह (उर्दू मध्य विद्यालय भरथौली) एवं योग शिक्षिका श्रीमती नीतू कुमारी ने किया। कार्यक्रम के दौरान जिला निर्वाचन शाखा के सौजन्य से मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री द्वारा उपस्थित लोगों को मतदाता शपथ दिलाई गई, हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मयार्दा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। अंत में सभी उपस्थित नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं से आग्रह किया गया कि वे स्वयं भी मतदाता बनें और अपने आस-पास के लोगों को मतदाता बनने हेतु प्रेरित करें। वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम। स्वस्थ रहें, सजग बनें और लोकतंत्र को सशक्त करें।

एनटीपीसी देश के उत्कृष्ट संस्थानों में से एक औरंगाबाद एस. पी. श्री अम्बरीश राहुल

एनटीपीसी नबीनगर की GEM पहल से ग्रामीण बेटियों को मिली नई उड़ान मिली

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सुप्रसिद्ध विद्युत पावर प्लांट एनटीपीसी नबीनगर में बालिका सशक्तिकरण अभियान 2025' के समापन समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक, औरंगाबाद, श्री अम्बरीश राहुल ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। 23 मई को 40 बालिकाओं के साथ आरंभ हुआ यह अभियान एनटीपीसी के नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के अंतर्गत प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। मुख्य अतिथि श्री अम्बरीश राहुल ने अपने संबोधन में कहा, एनटीपीसी देश के उत्कृष्ट संस्थानों में से एक है, जिसका देश के साथ-साथ बिहार की विद्युत आपूर्ति में भी अहम योगदान है। 'बालिका सशक्तिकरण अभियान की सफलता एनटीपीसी के कर्मचारियों के अथक प्रयासों का परिणाम है। श्री राहुल ने GEM प्रतिभागियों से सफलता के मूलमंत्र साझा किए तथा उनके अभिभावकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा, माता-पिता को अपने बच्चों को सदैव प्रोत्साहित करते रहना चाहिए ताकि वे अपनी रुचि के अनुसार करियर चुन सकें। एनटीपीसी नबीनगर के परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक श्री एल. के. बेहेरा ने इस अभियान का परिचय देते हुए बताया कि इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण बालिकाओं को सशक्त बनाना है, ताकि वे अपने परिवार और गाँव में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें। वर्ष 2023 से अब तक, एनटीपीसी नबीनगर ने 120 ग्रामीण बालिकाओं को GEM कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित और सशक्त किया है। समापन समारोह के दौरान प्रतिभागियों द्वारा अनेक मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं. जिनमें कला, कराटे और योग प्रदर्शन शामिल थे। इस एक मासिक निशुल्क आवासीय कार्यशाला के दौरान परियोजना के निकटवर्ती ग्रामीण विद्यालयों से चयनित 40 बालिकाओं को गणित, अंग्रेजी, हिंदी के साथ-साथ कंप्यूटर, कराटे, योग एवं अन्य विषयों में प्रशिक्षण दिया गया। उन्हें परियोजना परिसर में छात्रावास एवं पौष्टिक आहार की सुविधा भी प्रदान की गई। मुख्य महाप्रबंधक के अतिरिक्त इस कार्यक्रम में स्वरा महिला संघ की अध्यक्षा श्रीमती आरती बेहेरा, महाप्रबंधक (O&M) श्री के. डी. यादव, महाप्रबंधक (FM) श्री इपिल बागे एवं महाप्रबंधक (O&M), BRBCL, श्री विमल कुमार साहा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनेश्वर विकास केंद्र द्वारा अधिवक्ता संघ भवन में योग प्रशिक्षण कार्यशाला एवं मानव जीवन में योग के माहिती भूमिका पर संगोष्ठी सभा कार्यक्रम आयोजित किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में विश्व योग दिवस के अवसर पर जनेश्वर विकास केंद्र एवं खेल कौशल मंच के द्वारा शहर के अधिवक्ता संघ भवन में योग प्रशिक्षण कार्यशाला एवं मानव जीवन में योग के माहिती भूमिका पर संगोष्ठी सभा कार्यक्रम आयोजित हुई। सबसे पहले योग प्रशिक्षण कार्यशाला की शरूआत हुई योग प्रशिक्षक धर्मेंद्र सिंह ने सभी लोगों को योग का प्रशिक्षण देते हुए शपथ दिलाई कि आज यह एक दिन का योग नहीं अपने जीवन में नित्य दिन योग करेंगे तभी निरोग रहेंगे। दूसरे सत्र में संगोष्ठी सभा कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए समकालीन जवाब देहि पत्रिका की मुख्य संपादक सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, अध्यक्ष रामजी सिंह, साहित्य संवाद अध्यक्ष लालदेव प्रसाद सिंह,ज्योतिषाचार्य शिवनारायण सिंह, प्रोफेसर रामाधार सिंह, कौशल खेल संयोजक वीरेंद्र सिंह, हेरंब मिश्रा, कला कौशल मंच अध्यक्ष आदित्य श्रीवास्तव सभी लोगों ने संयुक्त रूप से दीप प्रजनन करते हुए संगोष्ठी सेवा कार्यक्रम का उद्घाटन किया। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से योग प्रशिक्षक धर्मेंद्र सिंह जी को सम्मानित करते हुए कहा कि धर्मेंद्र सिंह अपने प्रशिक्षण के माध्यम से लोगों में योग के प्रति जागृति लाने का एक सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से मानव जीवन के लिए योग महती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग एक प्राचीन भारतीय आध्यात्मिक और शारीरिक अभ्यास

है, जिसका उद्देश्य मन, शरीर और आत्मा को एकजुट करना है,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योग विश्व पटल पर भारत की धरोहर के रूप में स्थापित हो चुका है।योग हमारी हजारों वर्ष पुरानी विधा होने के साथ कला और संस्कृति का प्रमुख संगम भी है। योग सम्पूर्ण विश्व को भारत की ओर से एक उपहार है, यह स्वस्थ जीवन तथा मन और शरीर के बीच के सही संतुलन की कुंजी है। हर भारतीय के लिए गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 11 वर्ष पूर्व संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से संपूर्ण विश्व ने योग को अपनाया था। आज सारा विश्व योग दिवस मना रहा है, भारत द्वारा संपूर्ण विश्व को दिया गया योग ह्यवसुधैव कुटुंबकमह्ल की अवधारणा का प्रबल प्रतीक है।आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के संकल्प को दोहरायें। इसके साथ ही अपने परिचित, मित्र और परिवारजनों को भी योगाभ्यास के लिए प्रेरित करे। सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने कहा कि योग शारीरिक व्यायाम के साथ-साथ मानसिक और आत्मिक शुद्धि का साधन है।कार्यक्रम में श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक 'योगः कर्मसु कौशलम्' का उल्लेख किया गया। इसका अर्थ है कि कर्मों को कुशलता और समर्पण भाव से करना ही सच्चा योग है। 21 जून को लेकर बताया गया कि यह वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन उत्तरायण समाप्त होकर दक्षिणायन आरंभ होता है। प्राकृतिक समयचक्र और योग का यह संयोग, मानव जीवन में संतुलन और स्वास्थ्य का प्रतीक माना जाता है। कबिवर लवकुश प्रसाद ने अपने काव्य पाठ के माध्यम से लोगों को योग के प्रति जागृति लाने का प्रयास किया।इस मौके पर वीरेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, अशोक सिंह, प्रमोद सिंह, अरुण सिंह, रेडक्रास के पूर्व सचिव मनोज कुमार सिंह, जन विकास परिषद उपाध्यक्ष रामचंद्र सिंह,सिंहेश्वर सिंह, सुरेश सिंह, धनंजय सिंह, वीरेंद्र गुप्ता, भाजपा नेता बिनोद कुमार सिंह आदित्य श्रीवास्तव, आदि मौजूद थे।

फ़ारस से ईरान होने की कहानी और इसराइली हमले पर भारत की चुप्पी!

>> विचार

> **“ जब पाकिस्तान का अस्तित्व नहीं था तो भारत और ईरान पड़ोसी देश थे। दोनों की सिर्फ़ सीमाएं ही नहीं मिलती थी, बल्कि हजारों साल का सांस्कृतिक रिश्ता भी था लेकिन ऐसा लगता है कि मोदी सरकार इसराइल की आक्रमक भाषा के साथ ज्यादा सहज है, जो ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली खामेनई की खुलेआम हत्या की धमकी दे रहा है। यह भारत की विदेश नीति में हमेशा मौजूद रहे नैतिक आधार के लोप का संकेत है। 13 जून 2025 को इसराइल ने अचानक ईरान पर हमला किया, जबकि 15 जून को ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर संधि वार्ता का अगला दौर तय था। ईरान ने जवाबी हमला किया, और भले ही वह इसराइल को बराबर नुकसान न पहुंचा सका, लेकिन इतनी क्षति जरूर की है कि इसराइल का दंभ टूट जाये। इसराइल के पीछे अमेरिका की ताकत है।**

पंकज श्रीवास्तव

ईरान की पहचान फ़ारस से ईरान बनने तक कैसे बदली और इस ऐतिहासिक राष्ट्र पर इसराइली हमलों के बीच भारत की चुप्पी क्या दिखाती है? जानिए, भू-राजनीतिक स्थिति और भारत की कूटनीति की दिशा। ईरान-इसराइल युद्ध में भारत की 'तटस्थता' साफ़ तौर पर इसराइल के पक्ष में झुकी दिखाई देती है। भारत और ईरान के संबंध हज़ारों साल पुराने हैं। ईरान का नाम ही 'आर्यों का देश' है, और प्राचीन काल में आर्यों की एक शाखा ने ही वेदों की रचना की थी। भारत का भी एक नाम 'आर्यावर्त' रहा है। जब पाकिस्तान का अस्तित्व नहीं था तो भारत और ईरान पड़ोसी देश थे। दोनों की सिर्फ़ सीमाएं ही नहीं मिलती थी, बल्कि हजारों साल का सांस्कृतिक रिश्ता भी था लेकिन ऐसा लगता है कि मोदी सरकार इसराइल की आक्रमक भाषा के साथ ज्यादा सहज है, जो ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली खामेनई की खुलेआम हत्या की धमकी दे रहा है। यह भारत की विदेश नीति में हमेशा मौजूद रहे नैतिक आधार के लोप का संकेत है। 13 जून 2025 को इसराइल ने अचानक ईरान पर हमला किया, जबकि 15 जून को ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर संधि वार्ता का अगला दौर तय था। ईरान ने जवाबी हमला किया, और भले ही वह इसराइल को बराबर नुकसान न पहुंचा सका, लेकिन इतनी क्षति जरूर की है कि इसराइल का दंभ टूट जाये। इसराइल के पीछे अमेरिका की ताकत है, और दोनों खामेनई की हत्या की धमकी दे रहे हैं। यह कूटनीतिक इतिहास की शर्मनाक घटना है, जहां एक राष्ट्राध्यक्ष की हत्या की बात खुलेआम की जा रही है।

ईरान का प्राचीन इतिहास : ईरान का लिखित इतिहास 3000 ईसा पूर्व से शुरू होता है, जब एलाम सभ्यता ने सूसा को अपनी राजधानी बनाया था। सूसा एक प्रमुख व्यापारिक और सांस्कृतिक केंद्र था, जो मेसोपोटामिया के साथ व्यापार करता था और प्रोटो-एलमाइट लिपि का उपयोग करता था जो दुनिया की शुरुआती लिपियों में से एक है। ईरान का नाम अवेस्तन शब्द 'एर्यनम' से आया, जिसका अर्थ है "आर्यों की भूमि।" ग्रीक इसे पर्सिया कहते थे, जो फारस प्रांत से लिया गया। अवेस्ता ज़ोरोआस्ट्रियन धर्म का पवित्र ग्रंथ है, जो वेदों से भाषाई और सांस्कृतिक रूप से जुड़ा है। दोनों में अग्नि पूजा और यज्ञ की परंपरा थी। जरथुस्त्र (1500-1000 ईसा पूर्व), ज़ोरोआस्ट्रियन धर्म के संस्थापक थे जो इस क्षेत्र में जन्मे और उन्होंने बहुदेववाद के खिलाफ एकेश्वरवाद का प्रचार किया। उनकी शिक्षाएं अहुर मज़्दा (सर्वोच्च ईश्वर) पर केंद्रित थीं, और उनका संदेश थाः "अच्छा इंसान बनो, नेक जीवन जियो!" उनके अनुयायी आज पारसी कहलाते हैं। अरबों ने जब ईरान को जीत लिया तो पारसी भाग कर भारत आए और उनकी पवित्र अग्नि आज भी उनके मंदिरों में जल रही है।

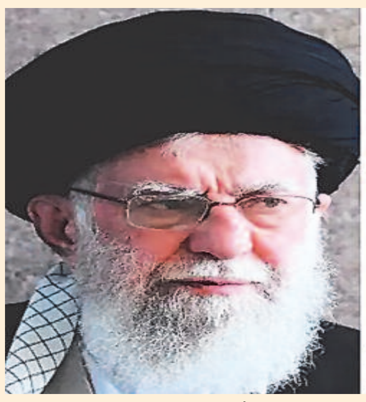

अकेमेनिद साम्राज्य और साइरस द ग्रेट : ईरान का पहला बड़ा साम्राज्य मेडियन साम्राज्य (678-549 ईसा पूर्व) था, लेकिन इसे शिखर पर पहुंचाया साइरस द ग्रेट ने, जिन्होंने अकेमेनिद साम्राज्य (550-330 ईसा पूर्व) की स्थापना की। 539 ईसा पूर्व में साइरस ने बाबिल (बेबोलोनिया) पर विजय प्राप्त की। इस जीत के बाद बनाया गया 'साइरस सिलेंडर' संयुक्त राष्ट्र द्वारा मानवाधिकारों की पहली घोषणा माना जाता है। इस मिट्टी के सिलेंडर पर अक्काडियन भाषा में लिखा है कि साइरस ने गुलामों को मुक्त किया, धार्मिक स्वतंत्रता दी, नस्ली समानता को बढ़ावा दिया, और विस्थापित समुदायों को उनके घर लौटने की अनुमति दी।

फिरदौसी का शाहनामा : सन् 977-1010 ईसवी के बीच लिखा गया फ़िरदौसी का 'शाहनामा' फारसी राष्ट्रीय महाकाव्य है, जिसमें 50,000 छंद हैं। यह सृष्टि से लेकर 7वीं शताब्दी की इस्लामी विजय तक फारस के पौराणिक और ऐतिहासिक राजाओं (जैसे रुस्तम और कावूस) की कहानियां बताता है। इसने इस्लामी काल में फारसी भाषा और संस्कृति को संरक्षित किया, जब अरबी प्रभाव बढ़ रहा था। यह दुनिया का सबसे लंबा एकल लेखक द्वारा लिखा महाकाव्य है, जो अपनी काव्य सुंदरता और सांस्कृतिक प्रभाव के लिए प्रसिद्ध है। ईरान, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान जैसे देश इसे राष्ट्रीय गौरव मानते हैं।

भारत-ईरान संबंध: भारत और ईरान का रिश्ता प्राचीन है। दोनों क्षेत्रों में इंडो-ईरानी जनजातियां थीं, जिनकी भाषाएं (संस्कृत और अवेस्तन) इंडो-यूरोपीय मूल की हैं। सिंधु घाटी सभ्यता और मेसोपोटामिया के बीच व्यापार था, और हड़प्पा की मुहरें ईरान में मिली हैं। 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व में अकेमेनिद साम्राज्य ने उत्तर-पश्चिम भारत (गंधारा, पंजाब, सिंध) पर कब्जा किया। मध्यकाल में, दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य में फारसी भाषा और संस्कृति का गहरा प्रभाव था। फारसी मुगल दरबार की अधिकारिक भाषा थी, और अमीर खुसरो जैसे कवियों ने हिंदुस्तानी संस्कृति को समृद्ध किया। ईरानी वास्तुकला ने फतेहपुर सीकरी, ताजमहल, और लाल किला जैसे स्मारकों को प्रभावित किया, जहां गुंबद, मेहराब, और शिलालेखों में फारसी शैली दिखती है।

इस्लाम का उदय और ईरान : 7वीं शताब्दी में अरबों ने आखिरी देसी राजवंश सासानी साम्राज्य पर आक्रमण किया, जिससे उसका पतन हुआ। धीरे-धीरे यह इलाक़ा इस्लाम के प्रभाव में आ गया। 16वीं शताब्दी में सफाविद राजवंश के शाह इस्माइल ने 1501 में शिया इस्लाम को राजधर्म बनाया, ताकि सुन्नी ओटोमन साम्राज्य से अलग पहचान बनाई जा सके। 17वीं शताब्दी तक ईरान शिया बहुल हो गया।

हुमायूं और ईरान : 1540 में शेर शाह सूरी से हारने के बाद मुगल सम्राट हुमायूँ 1544 में ईरान के शाह तहमास्प से मदद मांगने पहुंचे। शाह ने शर्त रखी कि हुमायूँ शिया इस्लाम अपना लें। हुमायूँ ने राजनीतिक कारणों से यह स्वीकार किया, और शाह की मदद से 1545 में कंधार और काबुल वापस हासिल किए। 1555 में उन्होंने दिल्ली पर फिर कब्जा किया। यह रूपांतरण राजनीतिक ही था। आगे चलकर मुगल चित्रकला, वास्तुकला आदि पर ईरानी शैली का प्रभाव स्पष्ट रूप से पड़ा। फ़ारसी मुग़लों की दरबारी ज़बान थी जो खुद तुर्की बोलते थे। फारसी और स्थानीय बोलियों के मिश्रण से भारत में उर्दू जैसी भाषा का जन्म हुआ।

फारस से ईरान : 1786 में काजर राजवंश ने तेहरान को राजधानी बनाया। इससे पहले इस्फहान (सफाविद काल) और शिराज कला-संस्कृति के केंद्र थे। 1935 में शाह रजा पहलवी ने देश का नाम फारस से 'ईरान' किया। वे पूर्व इस्लामी संस्कृति से देश को जोड़ना चाहते थे। तेहरान ने सीमित लोकतांत्रिक प्रयोग, 1953 में मोहम्मद मोसद्देक का तख्तापलट, और 1979 की इस्लामी क्रांति देखी, जब शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी देश छोड़कर भागे। आज तेहरान बमबारी का सामना कर रहा है, और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे खाली करने की धमकी दी है।

भारत-ईरान के आधुनिक संबंध : आज भारत और ईरान के आर्थिक संबंध मज़बूत हैं। भारत ने चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए 500 मिलियन डॉलर का निवेश किया है, जो अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (क्ठरळउ) का हिस्सा है। यह बंदरगाह भारत को मध्य एशिया और यूरोप तक पहुंच देता है, बिना अरब सागर और स्वेज नहर के लंबे रास्ते के। यह चीन-पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह का जवाब है। 2000 के दशक में भारत ईरान से कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक था। अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद, रुपये में भुगतान तंत्र से भारत ने चार वर्षों में 1,00,000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा बचाई। 2010 के दशक में ईरान ने सस्ता तेल और बार्टर सिस्टम की सुविधा दी। 2024 में ईरान ने भारत समेत 33 देशों के लिए वीजा-मुक्त नीति शुरू की। यह सहयोग भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है। फिर भी, ईरान पर हमले से भारत को नुकसान हो रहा है, लेकिन मोदी सरकार चुप है।

भारत की चुप्पी और विदेश नीति : आजादी के बाद नेहरू के नेतृत्व में भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन का नेता था, जो सही को सही और गलत को गलत कहता था। लेकिन आज, चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद, प्रधानमंत्री मोदी इसराइल की आक्रमकता की निंदा तक नहीं कर रहे। शंघाई सहयोग संगठन (रउड) ने इसराइल की निंदा की है लेकिन सदस्य होने के बावजूद भारत ने खुद को इस बयान से अलग कर लिया। क्या भारत की विदेश नीति से संप्रभुता गायब हो गई है? क्या वह अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले इसराइली हमले की निंदा भी नहीं कर सकता? ऐसे में भारत विश्वगुरु कैसे बनेगा, जब गुरु का अर्थ है अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाना, लेकिन वह खुद अंधकार में खो गया है

संपादकीय

युद्ध को टालने का एक मात्र तरीका है बातचीत

इस्राइल और ईरान के बीच का टकराव बढ़ता ही जा रहा है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले तेज करने की चेतावनी दी है। अमेरिका ने भले लड़ाई में शामिल होने का निर्णय लेने के लिए दो हफ्ते का समय तय किया हो, लेकिन उसकी तरफ से ऐसी कोई पहल नहीं हो रही, जिससे लगे कि वह संघर्ष टालना चाहता है। इस्राइल का कहना है कि वह लक्ष्य हासिल होने तक नहीं रुकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है? एटमी खतरा। अमेरिका और इस्राइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इस्राइल ने इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर हवाई हमले शुरू किए थे। लेकिन, इस लक्ष्य को लेकर सबसे बड़ा संदेह इसलिए है कि क्या वाकई ईरान एटमी पावर बनने के करीब है, क्योंकि पश्चिम के ही कई जानकारों को ऐसा नहीं लगता। सत्ता में बदलाव। इस्राइल चाहता है कि ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डॉनल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को न्यूक्लियर ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इस्राइल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं। कट्टरता बढ़ेगी । हवाई हमलों से या जमीन पर सीधी लड़ाई लड़कर भी इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म किया जा सकता है, उस तकनीकी ज्ञान को नहीं, जो ईरानी वैज्ञानिकों ने बरसों की मेहनत से हासिल की है। ऐसे में विदेशी दबाव में हुआ बदलाव अगर ईरान को और ज्यादा कट्टरता की ओर ले गया, तो अमेरिका या इस्राइल के पास क्या जवाब होगा? हकीकत में यह काम ईरानी जनता पर छोड़ना चाहिए, बदलाव की मांग वहां से उठनी चाहिए। पुराने सबक । इराक, लीबिया, सीरिया - कई उदाहरण हैं, जहां पश्चिमी ताकतों ने अपने हिसाब से बदलाव लाने का प्रयास किया। इनमें से कहीं भी नतीजा मन-मुताबिक नहीं रहा। ये देश आज भी अस्थिर हैं। तेहरान को लेकर कोई भी दुस्साहस ईरान को भी इन्हीं मुल्कों की श्रेणी में ला सकता है। एकमात्र रास्ता । इस संघर्ष में अब भी कुछ सकारात्मक बातें हैं - अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची का कहना है कि कोई भी बातचीत इस्राइली हमले रुकने के बाद होगी। इस संकट को टालने का यही एकमात्र तरीका भी है - बातचीत

बदहाल मनरेगा : रोजगार नहीं, निराशा की गारंटी

डॉ. विक्रम सिंह

पिछले दिनों मीडिया में छपी खबरों के अनुसार, सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत खर्च पर कुछ पाबंदियाँ लगाई हैं। 10 जून को 'द इंडियन एक्सप्रेस' में प्रकाशित एक खबर के अनुसार, सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के लिए मनरेगा के तहत खर्च को अपने वार्षिक आवंटन के 60 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। सरकार का यह निर्णय मनरेगा की मूल अवधारणा के खिलाफ है। मनरेगा एक मांग-आधारित योजना है, जिसमें कोई भी बेरोजगार व्यक्ति काम माँग सकता है। जितने मजदूर काम माँगेंगे, उतना काम देना होगा। इसमें कोई रुकावट नहीं आनी चाहिए, जब तक कि एक परिवार 100 दिन का रोजगार पूरा न कर ले। मांग के आधार पर काम देना मनरेगा की मूल भावना है। यह काम मजदूर वित्तीय वर्ष के किसी भी महीने में माँग सकता है। मनरेगा कानून के अनुसार, इसमें कोई भी रुकावट मजदूरों के काम के कानूनी अधिकार के खिलाफ है। इसी अवधारणा के चलते मनरेगा को वित्त मंत्रालय के सरकारी खर्च को नियंत्रित करने वाले नियमों से बाहर रखा गया था। गौरतलब है कि वित्त मंत्रालय ने वर्ष 2017 में मासिक/त्रैमासिक व्यय योजना लागू की थी, जिसका तथाकथित मकसद मंत्रालयों को नकदी प्रवाह प्रबंधन और अनावश्यक उधारी से बचाने में मदद करना था। अब तक ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत आने वाली मनरेगा को इसके दायरे से बाहर रखा गया था, क्योंकि ग्रामीण विकास मंत्रालय का तर्क था कि यह एक मांग-आधारित योजना है, जिस पर खर्च की निश्चित सीमा तय करना व्यवहारिक नहीं है। लेकिन वित्तीय वर्ष 2025-26 की शुरुआत में, वित्त मंत्रालय ने ग्रामीण विकास मंत्रालय को निर्देश दिया है कि मनरेगा को भी मासिक/त्रैमासिक व्यय योजना के ढाँचे के अंतर्गत लाया जाए। हालांकि, भाजपा-नीत केंद्र सरकार के इस फैसले से किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह कोई इकलौता फैसला नहीं है, जो न केवल ग्रामीण भारत में रोजगार प्रदान करने वाली मनरेगा को कमजोर करेगा, बल्कि इसके तहत 'रोजगार के अधिकार' के भी खिलाफ है। बजट में लगातार कटौती से लेकर भ्रष्टाचार से लड़ने के नाम पर नित नई जटिलताएँ पैदा करने वाली तकनीकों का बड़े पैमाने पर उपयोग -- ये सभी कदम मनरेगा के मौलिक सिद्धांतों को कमजोर करने वाले हैं। मोदी सरकार अपने इन कदमों से न केवल विभिन्न अध्ययनों द्वारा सिद्ध मनरेगा की उपयोगिता को अनदेखा करती है, बल्कि ग्रामीण आर्थिक संकट और बेरोजगारी की गंभीर समस्या से निपटने में अपनी उदासीनता भी दर्शाती है। यदि उपरोक्त निर्णय लागू होता है, तो इसका मतलब है कि इस वर्ष सितंबर के अंत तक इस योजना के लिए बजट आवंटन (86,000 करोड़ रुपये) का 60 प्रतिशत, यानी केवल 51,600 करोड़ रुपये ही उपलब्ध होंगे। यह मनरेगा के तहत रोजगार सृजन को गंभीर रूप से प्रभावित करेगा, क्योंकि इसका एक बड़ा हिस्सा, 21,000 करोड़ रुपये, पिछले वित्तीय वर्ष की लंबित देनदारियों के भुगतान में खर्च हो चुका है। इस तरह के फैसले से जमीनी स्तर पर मांग के बावजूद मजदूरों को मनरेगा में काम के लिए विभिन्न तरीकों से हतोत्साहित किया जाएगा। दरअसल, मनरेगा को कमजोर करने का सबसे बड़ा कारण लगातार बजट में कमी और समय पर आबंटन का राज्यों तक न पहुँचना है। इससे सभी प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। हालांकि, हमारी वित्त मंत्री समय-समय पर मीडिया में दावा करती रहती हैं कि मनरेगा के लिए धन की कोई कमी नहीं है और काम की मांग के अनुसार इसमें कोई कमी नहीं होने दी जाएगी, लेकिन यह दावा सच्चाई से कोसों दूर है। धन की कमी के चलते ही अघोषित रूप से काम की मांग को नियंत्रित किया जाता है। विभिन्न तरीकों से मजदूरों को हतोत्साहित किया जाता है। यह बात सरकार की संसदीय समिति की 2024 की एक रिपोर्ट में भी एक बड़ी कमजोरी के रूप में चिह्नित की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 'आवश्यकता के आधार पर संसाधनों की पूर्ति की जा सकती है,' लेकिन वर्ष की शुरुआत में अनुमानित बजट में ही धन की कटौती करने से मनरेगा के कार्यान्वयन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्यापक प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए, समिति ने जमीनी स्तर पर इस योजना के सुचारू कार्यान्वयन के लिए धन की कमी को एक बहुत बड़ी बाधा माना है। मनरेगा के लिए शुरू में ही उपयुक्त बजट का प्रावधान किया जाना चाहिए, जिसका आधार पिछले वर्ष के खर्च का रुझान हो सकता है। गौरतलब है कि पीपुल्स एक्शन फॉर एम्प्लॉयमेंट गारंटी सहित देश के कई अर्थशास्त्रियों ने मनरेगा के लिए प्रति वर्ष कम से कम 2.64 लाख करोड़ रुपये का बजट आबंटन सुझाया है। यहाँ तक कि विश्व बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में सिफारिश की है कि इस कार्यक्रम के लिए देश की जीडीपी का कम से कम 1.7% आबंटित किया जाना चाहिए। इसके विपरीत, वर्ष 2024-25 में मनरेगा के लिए किया गया आबंटन जीडीपी का मात्र 0.26% है। इस वर्ष के बजट (2025-26) में भी केवल 86,000 करोड़ रुपये ही मनरेगा के लिए रखे गए हैं। यह योजना की व्यापक आवश्यकताओं और ग्रामीण भारत की बढ़ती आर्थिक असुरक्षा के संदर्भ में बेहद अपर्याप्त है। इससे स्पष्ट होता है कि सरकार की प्राथमिकताओं में ग्रामीण गरीबों की आजीविका की सुरक्षा को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है। इसी तरह, ग्रामीण विकास और पंचायती राज पर संसद की स्थायी समिति ने 22 मई को संसद में प्रस्तुत अपनी आठवीं रिपोर्ट में उजागर किया कि मनरेगा के तहत मजदूरी भुगतान में देरी अब भी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। यह देरी उन ग्रामीण मजदूरों को प्रभावित कर रही है, जो अपनी आजीविका के लिए इस योजना पर निर्भर हैं। सरकार संसद की ग्रामीण विकास और पंचायती राज पर स्थायी समिति द्वारा लगातार दिए गए सुझावों को अनदेखा करती आ रही है, लेकिन मनरेगा को कमजोर करने वाले सुझावों को तत्परता से लागू करती है। इसी तरह, संसद की ग्रामीण विकास पर गठित एक समिति ने मनरेगा के तहत मजदूरी को कम से कम 400 रुपये प्रतिदिन करने की सिफारिश की है। इस समिति का मानना है कि वर्तमान दरें दैनिक बुनियादी खर्चों को पूरा करने के लिए भी अपर्याप्त हैं, और एक न्यायसंगत मजदूरी के बिना यह योजना ग्रामीण मजदूरों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के अपने उद्देश्य में विफल हो रही है। इस वर्ष मार्च में संसद में पेश की गई रिपोर्ट में भी समिति ने सिफारिश की कि ग्रामीण मजदूरी पर महंगाई के वास्तविक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए मजदूरी दरों में संशोधन किया जाए। एक महत्वपूर्ण मुद्दा, जो यह समिति लंबे समय से उठाती आ रही है, वह है मनरेगा के तहत मजदूरी दरों की गणना के विसंगतिपूर्ण तरीके। दरअसल, मनरेगा के तहत मजदूरी दरों की गणना खेत मजदूरों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर की जाती है। अभी तक इसके लिए 1 अप्रैल 2009 की मूल दरों को आधार बनाकर संशोधन किया जाता है। संसद की स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में इस पद्धति की तीव्र आलोचना करते हुए कहा है कि "2009-10 को आधार वर्ष मानकर की जा रही गणना अब अप्रासंगिक और निष्प्रभावी हो चुकी है, जो मौजूदा महंगाई और जीवन-यापन की बढ़ती लागत के अनुरूप कोई उचित आँकड़ा देने में असमर्थ है। इससे पहले, महेंद्र देव समिति ने भी यही तर्क दिया था और सुझाव दिया था कि मनरेगा मजदूरी सूचकांक का आधार वर्ष 2014 होना चाहिए। स्थायी समिति ने अपनी अनुशंसा में स्पष्ट रूप से कहा था कि "कम मजदूरी दरों की समस्या का समाधान संभवतः आधार वर्ष और मूल दरों की समय के अनुरूप पुनर्समीक्षा तथा उनके यथोचित बढ़ोतरी के माध्यम से किया जा सकता है। अनूप सतपथी समिति ने भी सुझाव दिया था कि मनरेगा के तहत मजदूरों को प्रतिदिन न्यूनतम 375 रुपये की मजदूरी दी जानी चाहिए। लेकिन केंद्र सरकार ने संसद की अपनी ही स्थायी समिति की इस सिफारिश को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया, जिससे उसकी मंशा स्पष्ट झलकती है। इस वर्ष भी ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मनरेगा की मजदूरी दरों में केवल 2% से 7% तक की मामूली वृद्धि की गई है। कम मजदूरी दर मजदूरों को इस योजना में भाग लेने से हतोत्साहित करती है, जिससे ग्रामीण रोजगार उपलब्ध कराने के इसके मूल उद्देश्य को ही कमजोर किया जा रहा है। मनरेगा की मजदूरी में वृद्धि केवल आर्थिक आवश्यकता का विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय और ग्रामीण सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कम मजदूरी न केवल इस योजना की प्रभावशीलता को सीमित करती है, बल्कि ग्रामीण जनता को गरीबी, शोषण और पिछड़ेपन की चपेट में भी बनाए रखती है। यदि मनरेगा की मजदूरी को महंगाई दर, न्यूनतम वेतन मानकों, और वास्तविक जीवन-यापन की लागत के अनुरूप तय किया जाए, तो यह योजना भारत की ग्रामीण आबादी के लिए एक प्रभावशाली परिवर्तनकारी साधन बन सकती है। इससे ग्रामीण परिवारों की आय सुरक्षा सुनिश्चित होगी, मजदूरी के अधिकार को मजबूती मिलेगी और मजदूरों की गरिमा में भी वृद्धि होगी। यह उपेक्षा न केवल योजना की प्रभावशीलता को कमजोर करती है, बल्कि देश के करोड़ों ग्रामीण मजदूरों के अधिकारों और गरिमा के साथ भी अन्याय करती है। संसदीय समिति ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण सिफारिश की है कि मनरेगा के तहत कार्य दिवसों की संख्या को 100 से बढ़ाकर 150 किया जाए। यह लंबे समय से चली आ रही मांग है, लेकिन अभी तो 100 दिन के रोजगार की गारंटी होने के बावजूद प्रति वर्ष काम के दिन औसतन 50 दिन प्रति परिवार से अधिक नहीं हो पाते। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मनरेगा के तहत प्रति परिवार औसतन कार्य दिवस केवल 50.18 ही रहे, और कुल पंजीकृत परिवारों में से केवल 7% परिवारों को ही वादा किए गए 100 दिनों का रोजगार मिल पाया। वर्तमान में मनरेगा में कुल 15.33 करोड़ परिवारों के जॉब कार्ड बने हैं, जिनमें 26.39 करोड़ मजदूर पंजीकृत हैं। इनमें से 8.41 करोड़ सक्रिय जॉब कार्ड हैं, जिनमें 11.98 करोड़ मजदूर काम कर रहे हैं। पिछले वर्ष मनरेगा के तहत कुल कार्य दिवसों में 7.1 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2023-24 में कुल 288.83 करोड़ कार्यदिवस काम हुए थे, जो वर्ष 2024-25 में केवल 268.44 करोड़ रह गए। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में मनरेगा के तहत पंजीकृत 2.56 करोड़ मजदूर, जिनके पास जॉब कार्ड हैं और जो अकुशल मजदूरी के लिए पूर्णतः पात्र हैं, पिछले तीन वर्षों से काम से वंचित हैं। इन मजदूरों को 'काम के कानूनी अधिकार' (मनरेगा के तहत काम पाने का अधिकार) से भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण वंचित रखा जा रहा है। हालांकि, यह सत्य है कि देश के अधिकांश राज्यों में, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में, मनरेगा के कार्यान्वयन में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है। इसके पीछे ठेकेदारों, स्थानीय नेताओं (जिनमें अधिकांश सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़े हैं), और विभिन्न स्तरों की नौकरशाही के बीच साँठगाँठ जिम्मेदार है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन मजदूरों का इस भ्रष्टाचार से कोई लेना-देना नहीं है, उन्हें केंद्र सरकार द्वारा पिछले तीन वर्षों से दंडित किया जा रहा है।

बनते हैं पुल यहां गिरके बिखरने को

व्यंग्य

मुकेश राठौर

किसी भी राष्ट्र के विकास में सड़कों का महत्वपूर्ण योगदान होता है, क्योंकि विकास वायु या जलमार्ग से नहीं अपितु सड़क के रास्ते आता है। पगडंडी या गली के मुकाबले सड़क सैकड़ों लोगों को साथ लेकर चलने की क्षमता रखती है। सड़क कहां नहीं होती! व्यवस्था और न्याय के मंदिरों से लेकर आरोग्य और विद्या के मंदिरों तक। अब तो गांव, मजरे, टोलों तक सड़कें पहुंच गई हैं खेत, खलिहान, झोपड़ियों तक। सड़क भले जोड़ने का काम करती हों लेकिन टुकड़े-टुकड़े सड़क को जोड़ने का काम कोई करता है तो वह है 'पुल'। सड़क बीच बड़ी-मझौली नदियों पर पुल तो छोटे नालों पर पुलिया बनाई जाती है। सड़क विकास का प्रतीक है तो पुल साक्षात विकास। ग्राम की सड़क की छोटी-छोटी पुलियाएं वृद्धि की सूचक। पुल आजकल से नहीं बनने लगे, पुल तो तब भी बनते थे जब देश आजाद नहीं हुआ था लेकिन तब पुल लोगों को सड़क पर लाने और राह की बाधाएं दूर कर सड़क को मंजिल तक पहुंचाने का कार्य करते थे। तब के पुल प्राकृतिक हुआ करते थे। पुराने पुल लाठी, पत्थर, रस्सी से बने होते लेकिन मजबूत होते थे क्योंकि वे अंदर और बाहर से वजनदार थे, ठेकेदार नहीं। उसके समानांतर हूबहू नया पुल बन जाए तो भी नया नौ दिन पुराना सौ दिन।इन दिनों जिधर देखो उधर सड़क दिखाई दे रही। नीचे से ऊपर तक काली मगर चमचमाती हुई। धूल को शिरोधार्य करने वाली राहें तो आज भी मटमैली हैं जो कालिख से न डरी वह चमक गई। जब सड़क होगी तो पुल, पुलिया तो होंगे ही। चुनाव पूर्व पुलों का भूमि-पूजन होता है, चुनाव बाद कार्यारंभ और चुनाव पूर्व लोकार्पण। कोई बड़ा पुल यों ही नहीं बन जाता। अकड़ कर खड़े हर पुल के अंदर अमीरों के प्लाज्मा का लोहा, रेत, गिट्टी, सीमेंट भरा होता है जो गरीबों के खून की तरी से सेट होता है। कोई लाख दावा करे कि हमारे पुल दूसरों के बनाए पुलों सरीखे नहीं, ये अंदर से सॉलिड हैं लेकिन कोई भी पुल अंदर से सॉलिड हो ही नहीं सकता, कहीं न कहीं से खोखला होना उसकी नियति है। पुल बना ही इसलिए कि उसके दोनों हाथों में सड़क हो। पैरों में पानी और पेट में हवा। सड़क जो गांव से शहर आती हो या शहर से गांव जाती हो। हर हाल में उससे होकर गुजरे। हर राजमार्ग पुल-पुलियाओं के बिना अधूरा है। सत्ता के साए में हर पुल मजबूती से खड़ा दिखाई देता है। हमरे भैया भए कोतवाल टाइप। मीडिया लाख टांग खींचे, उसका फोटू उतारे मगर न तो उसका चेहरा उतरता और न वह। 'जिसे राम रखें, उसे कौन चखें!' पुल तभी गिरता है जब उसका खोखलापन कुछ ज्यादा ही बढ़ जाए, विरोध की हवाएं उसके पाएं उखाड़ दें या फिर बरसों से अटका गरीबों के खून का 'लौंदा' आ जाए। पुल अपनी कमजोरियों से ऐसे भी गिरकर बिखर रहे हैं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

2 लाख करोड़ का रियल एस्टेट रिवाइवल प्लान: यूनिटेक के पास है भारत का सबसे कीमती जमीन पोर्टफोलियो

नोएडा, ग्रेटर नोएडा, आगरा से लेकर चेन्नई तक भारत के सबसे बड़े भू-भंडार में छिपा है पुनरुत्थान का रहस्य

सुप्रीम कोर्ट और नोएडा अथॉरिटी की ताजा मंजूरी से बंद प्रोजेक्ट्स को मिली नई सांस, निवेशकों और खरीदारों के लिए उम्मीद की नई किरण

नई दिल्ली , ।

भारत के सबसे चर्चित रियल एस्टेट ब्रांड यूनिटेक लिमिटेड अब पुनरुत्थान की राह पर है। वर्षों से कानूनी पेचीदगियों और प्रोजेक्ट देरी में उलझी कंपनी अब अपनी 1,000 एकड़ से अधिक मूल्यवान जमीन से 2 लाख करोड़ से अधिक का राजस्व उत्पन्न कर सकती है – यह वही जमीन है जो देश के सबसे प्रीमियम रियल एस्टेट मार्केट्स जैसे नोएडा, ग्रेटर नोएडा, आगरा, वाराणसी, गुड़गांव और चेन्नई में स्थित है। देश का रियल एस्टेट सेक्टर 2025 में $332.85 बिलियन से बढ़कर 2030 तक $985.80 बिलियन तक पहुंचने की ओर अग्रसर है, और यूनिटेक की पोर्टफोलियो इस सुनहरे अवसर को भुनाने के लिए पूरी तरह तैयार है।नोएडा का जमीन खजाना: 88,000 करोड़ की क्षमता सिर्फ एक सेक्टर से नोएडा के सेक्टर 96, 97 और 98 में यूनिटेक के पास मौजूद 347 एकड़ जमीन भारत के शहरी विकास की नई कहानी लिख सकती है। पुराने स्वीकृत प्लान में करीब 7,000 फ्लैट्स प्रस्तावित थे, जिनमें प्रत्येक की औसतन साइज 5,000

वर्ग फीट है। आज के बाजार मूल्य पर (25,000 प्रति वर्ग फीट), सिर्फ इन आवासीय प्रोजेक्ट्स से लगभग 85,000 करोड़ का संभावित राजस्व है। इसके अलावा, इस भूमि का 52% भाग आवासीय, 12% संस्थागत, 38% रिक्रिएशनल और सार्वजनिक उपयोग के लिए चिह्नित है, जिससे इसकी वाणिज्यिक और सामाजिक उपयोगिता और अधिक बढ़ जाती है। फिर भी, नए प्रबंधन द्वारा प्रस्तावित रिज़ॉल्यूशन प्लान में इसकी वैल्यू को केवल 5,641 करोड़ आँका गया–जो इसके असली मूल्य का एक अंश मात्र है। कंपनी पर नोएडा व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से लगभग 11,000 करोड़ की देनदारियाँ हैं, जो यूनिटेक के अनुसार अनुचित और कानूनी रूप से गलत हैं। यदि इन मांगों का सही मूल्यांकन कर 505.80 करोड़ पर लाया जाए, तो कंपनी का वित्तीय संतुलन बहाल हो सकता है और प्रोजेक्ट्स दोबारा जोर पकड़ सकते हैं। जुलाई 2024 में नोएडा अथॉरिटी ने सेक्टर 96, 97 और 98 में प्रोजेक्ट्स के लेआउट को हरी झंडी दी है और जनवरी 2025 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा RERA से छूट मिलने से होमबायर्स के लिए फाइनेंसिंग आसान हो गई है।यूनिटेक लिमिटेड के पास आज भी भारत की सबसे मूल्यवान जमीनों में से एक है। जरूरत है तो सिर्फ पारदर्शी संचालन, ईमानदार वैल्यूएशन और stalled प्रोजेक्ट्स को पूर्ण करने की ठोस रणनीति की। एक बार जब यूनिटेक इस जमीन का सही उपयोग शुरू कर दे, तो न सिर्फ उसका अपना स्थान पुनः स्थापित होगा बल्कि लाखों होमबायर्स और निवेशकों का भरोसा भी बहाल होगा।

संक्षिप्त समाचार

बीआरबीसीएल में हर्षोल्लास से मनाया गया 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सुप्रसिद्ध विद्युत पावर प्लांट बीआरबीसीएल के प्रांगण में 21 जून 2025 को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुमंगल सामुदायिक केंद्र में सुबह 6:00 बजे से 7:30 बजे तक योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें बीआरबीसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दीपक रंजन देहुरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। योग सत्र में बीआरबीसीएल के अधिकारी, कर्मचारी, टाउनशिप निवासी और बच्चों ने सक्रिय भागीदारी की। प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सभी प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया। स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह योग सत्र केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा। आगामी एक सप्ताह (28 जून 2025 तक) तक प्रतिदिन सुमंगल सामुदायिक केंद्र में योग सत्र का आयोजन किया जाएगा। ये सत्र प्रतिदिन सुबह 6:00 से 7:30 बजे और शाम 6:30 से 8:00 बजे तक आयोजित होंगे। यह पहल न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करेगी, बल्कि योग के प्रति जनजागरूकता भी बढ़ाएगी।

विधवा,महिलाओं,बृद्धजनो और दिव्यांगजनों को हर महीने मिलने वाले पेंशन को बढ़ाकर 1100 रुपए किए जाने पर मुख्यमंत्री को धन्यवाद एवं आभार - पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- भाजपा के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा विधवा,महिलाओं,बृद्धजनो और दिव्यांगजनों को हर महीने 400 रुपए मिलने वाले पेंशन को बढ़ाकर 1100 रुपए किए जाने पर मुख्यमंत्री को धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है।पूर्व सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत विधवा,महिलाओं और दिव्यांगजनों को अब हर महीने 400 रुपए की जगह 1100 रुपए पेंशन देने का जो निर्णय लिया गया है वह स्वागत योग्य है।यह बढ़ी हुई पेंशन जुलाई महीने से मिलेगी और हर महीने के 10 तारीख को सभी लाभार्थियों के खाते में भेजना सुनिश्चित किया जाएगा।इसके अंतर्गत 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार 255 लाभार्थियों को मदद मिलेगा।एवं इसके साथ ही जीविका दीदियों के लिए लोन पर ब्याज दर में 3% कई कमी की गई है।बिहार में डबल इंजन की सरकार में लगातार विकास का कार्य तेजी से हो रहा है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा बिहार को विकास के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण सौगातें मिली है।निश्चित ही इस फैंसले से बिहार के लोगों को लाभ होगा।एनडीए सरकार समाज के हर वर्ग की चिंता करती है।बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत मिलने वाली मासिक राशि मे बड़ी बढ़ोतरी करके एक बहुत ही महत्वपूर्ण जनहितकारी निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री के इस पहल से पेंशन धारी में काफी खुशी है, पूजा समिति अध्यक्ष पूर्व विधानसभा प्रत्याशी पप्पू यादव

दिव्य दिनकर

भागलपुर चुनाव से पहले बिहार के मुखिया नीतीश कुमार द्वारा विधवा पेंशन वृद्धा पेंशन तथा दिव्यांग पेंशन सरकार ने 400 से 1100 किया है। इसको लेकर पेंशनधारियों में काफी खुशी देखने को मिल रहा है। वही विधानसभा पूर्व प्रत्याशी पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि 10 वर्षों से हम सब का मांग वृद्धा पेंशन विकलांग पेंशन को लेकर संघर्ष करते आए हैं। श्री यादव आगे कहते हैं कि मुख्यमंत्री के द्वारा 400 से 1100 पेंशन कर दिया गया है जो की धन्यवाद के पात्र हैं। उधर 15 से 20 वर्षों से ईश्वर संघर्ष किया जा रहा है। मौके पर पूजा समिति अध्यक्ष एवं विधानसभा पूर्व प्रत्याशी पप्पू यादव, भावेश यादव ,देवाशीष बनर्जी, अमरकांत मंडल, निजात अंसारी, अशोक राय ,शंकर चौधरी, लक्ष्मी यादव सभी लोगों ने इस ओर उनका अच्छा पहल बताया। उधर समाज सेवी नीतू देवी कहती है कि सरकार के इस पहल से लोगों में काफी खुशी है।

नए भवन का हुआ उद्घाटन

दिव्य दिनकर बिहार डिगनेशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्र

पटना मधुबनी जिले के जयनगर में स्थित आर्य कुमार पुस्कालय परिसर में एक नए भवन का उद्धघाटन खजौली विधानसभा के विधायक अरुण शंकर प्रसाद,एसडीओ वीरेंद्र कुमार,बीडीओ राजीव रंजन,नगर पंचायत जयनगर के अध्यक्ष कैलाश पासवान, जदयू प्रखण्ड अध्यक्ष राज कुमार सिंह,बीस सूत्री के अध्यक्ष उद्धव कुँवर,भाजपा के वरिष्ठ नेता हरिचन्द्र शर्मा,उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि अरविंद तिवारी, नगर अध्यक्ष सूरज गुप्ता,राम कुमार सिंह,पुस्कालय के सचिव नारायण यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।इस मौके पर विधायक अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि आज पुस्कालय परिसर नए भवन का उद्धघाटन किया है। इससे पढ़ाई और अन्य गतिविधियों के लिए सुविधा मिलेगी। उद्घाटन के मौके पर लोगों ने विधायक का स्वागत किया और उनके इस कार्य की सराहना की.विधायक ने अपील की भवन को सफाई और रखरखाव की जिम्मेवारी सभी लोग मिलकर निभाएं।वही इसके बाद वार्ड नंबर 7 में पीसीसी सड़क का उद्धघाटन विधायक सहित अन्य लोगों के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।इस मौके पर कई लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट द्वारा प्रखर एवं जुझारू कार्यकर्ता चंदन शाही को दिया गया जिला अध्यक्ष पद की अहम जिम्मेवारी

गया से अमरेंद्र कुमार दिव्य दिनकर के लिए।

सक्रिय एवं प्रखर समाज सेवी चंदन शाही को राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट गया जिला के अध्यक्ष पद पर नामित किया गया है,इस संबंध में राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के दक्षिणी बिहार अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा जी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दिया। प्रेस विज्ञप्ति में यह भी बताया गया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी जी ने संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक डॉक्टर इंद्रेश के अनुशंसा पर दक्षिण बिहार के कई जिलों के अध्यक्ष नियुक्त किया है। जिसमें भगवान विष्णु के पावन धाम गया जी में राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के जिला अध्यक्ष पद पर जुझारू एवं संघर्षशील तथा युवा समाजसेवी चंदन शाही को नियुक्त किया है। इसकी जानकारी देते हुए प्रदेश कार्यकारणी के सदस्य सतीश कुमार ने बताया कि चंदन शाही के अध्यक्षता में संगठन के उद्देश्यों को जन जन तक पहुंचाने और राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट को जिले में पंचायत स्तर तक मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। नव नियुक्त अध्यक्ष चंदन शाही ने बताया कि देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून, एक देश एक कानून की भावना को साकार करना, हिंदू धर्म संस्कृतियों की रक्षा करना,गाय माता की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करना फ्रंट का मौलिक उद्देश्य है,तथा देश का गजवा ए हिन्द से रक्षा करना और इसके प्रति हिंदुओं को जागरूक करने का कार्य भी फ्रंट द्वारा किया जाएगा। फ्रंट के गया जिला अध्यक्ष चंदन शाही ने बताया कि

साप्ताहिक हनुमान चालीसा पाठ और सनातन हिंदू मंगल मिलन कार्यक्रम को जिले में शुरू किया जाएगा,तथा लोगों को हिंदुत्व के प्रति प्रेरित किया जाएगा,लव जिहाद भूमि जिहाद के प्रति भी हिंदुओं को जागरूक किया जाएगा। चंदन शाही ने राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व को विश्वाश दिलाया कि संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं पदाधिकारीगण सतीश कुमार,रविशंकर,सुनील शर्मा सरपंच,पुष्कर कुमार,बिपुल कुमार,नीरज शर्मा,अमित प्रकाश ने नव नियुक्त अध्यक्ष चंदन शाही को हार्दिक बधाई दी है। तथा इन लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि इस पद पर चंदन शाही की नियुक्ति होने से गया जिला में संगठन तथा हिंदुत्व और मजबूत,शशक्त एवं सुदृढ़ होगा ऐसी आशा इन लोगों ने व्यक्त किया है '

महिला हत्याकांड में राजद ने की मुआवजे की मांग

दिव्य दिनकर

बिहपुरःखरीक प्रखंड के तुलसीपुर बगीचे में हुए अम्भो निवासी 50 महिला हत्याकांड को लेकर पीड़ित परिजन से राजद नेता राज्य परिषद सदस्य अवनीश कुमार मिलने पहूँचे एवं सरकार से न्याय की मांग करते हुए परिवार को मुआवजा के तौर पर 10 लाख रुपए देने की मांग की.परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की भी मांग की. पीड़ित परिवार को मुआवजा और नौकड़ी नही मिलने पर धरना प्रदर्शन की भी बात कही गई.मौके पर पुलिस जिला नवगछिया के राजद जिला अध्यक्ष अलख निरंजन पासवान ,युवा राजद जिला अध्यक्ष अमन आनंद,अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष महेश फौजी,महिला जिला अध्यक्ष सीमा जसवाल, तुलसीपुर मुखिया उमेश यादव,पूर्व प्रमुख अमरेन्द्र सिंह निषाद, नारायणपुर राजद प्रखंड अध्यक्ष केदार शर्मा,जिला उपाध्यक्ष सतीश कुमार यादव, मणिलाल पासवान, कलीम खान समेंत कई राजद कार्यकर्ता मौजूद थे.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिले में योग सत्र का किया गया आयोजन

डीसी व डीडीसी एवं परियोजना निदेशक, आईटीडीए, अपर समाहर्ता एवं अनुमंडल पदाधिकारी समेत जिले के अन्य पदाधिकारी ने बाजार समिति में योग किया

रिपोर्ट– अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ धरती आबा जनभागीदारी अभियान के तत्वावधान में प्रोजेक्ट जागृति- बेहतर स्वास्थ्य की ओर एक कदम के तहत 11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन कृषि उत्पादन बाजार समिति में किया गया। डसीमनीष कुमार ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर समस्त जिलावासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रतिदिन योग को अपने दिनचर्या में शामिल करते हुए स्वस्थ शरीर हेतु योग करना आवश्यक है। इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थिम *₹एक पृथ्वी,

एक स्वास्थ्य के लिए योग है₹* उन्होंने कहा कि शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए योग काफी महत्वपूर्ण है, इसे सभी को करनी चाहिए। डीसी ने कहा कि नियमित योग करने से विभिन्न रोगों से मुक्ति मिलती है। योग तन और मन के विकारों को दूर करता है। योग करने से जहां शरीर में स्फूर्ती आती है, वहीं हमारा अंदरूनी तंत्र भी मजबूत होता है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। आज की भाग- दौड़ भरी जिंदगी में कुछ क्षण योग के लिए जरूर निकाले। *इस अवसर पर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी, मुख्यालय डीएसपी, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारियों एवं अन्य विद्यालय के बच्चों ने योग किया*।

गया स्थित फिजिक्स वाला के प्रतिभागियों ने निट परीक्षा में लहराया परचम

गया से अमरेंद्र कुमार दिव्य दिनकर के लिए।

गया शहर के नूतन नगर में स्थित आईआईटी और मेडिकल की तैयारी कराने वाले प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान फिजिक्स वाला के विद्यार्थियों ने नीट 2025 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। संस्थान के एकेडमिक हेड श्री राजीव कुमार एवं सेंटर हेड अजीत कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि कोचिंग के छात्र खुशनुद ने 560 अंक और प्रिंस कुमार ने 536 अंक प्राप्त किए हैं। ये दोनों छात्र कोचिंग के एक वर्षीय पाठ्यक्रम में अध्ययनरत थे। इस सफलता के मौके पर छात्रों,शिक्षकों और अभिभावकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। श्री राजीव कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत,शिक्षकों के समर्पण तथा गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण शैली तथा अभिभावकों के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि संस्थान भविष्य में भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इसी तरह का उत्कृष्ट मार्गदर्शन प्रदान करता रहेगा,ताकि संस्थान में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों में प्रतियोगिता की भावना का विकास हो सके।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एम्स में कराया गया योग कार्यक्रम

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर एम्स के ऑडिटोरियम में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. निशिकांत दुबे, सांसद, गोड्डा लोकसभा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संस्थान के फैकल्टी सदस्यों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सर्वप्रथम माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का विडियो प्रसारण 06:30 से 07:15 पूर्वाहन तक एम्स देवघर के ऑडिटोरियम में किया गया तत्पश्चात कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं योग प्रदर्शन से हुई। इस अवसर पर एम्स देवघर के कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) सौरभ वार्ष्णेय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक एवं आत्मिक शांति के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्रों और संस्थान के सभी सदस्यों से योग को अपनी दैनिक जीवनशैली में शामिल करने का आह्वान किया ताकि समग्र स्वास्थ्य प्राप्त किया जा सके। वहीं मुख्य अतिथि डॉ. निशिकांत दुबे ने योग दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताया और युवाओं को योग अपनाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक योगाभ्यास के साथ हुआ।

रजिस्टार की अचानक तबियत बिगड़ी, मौत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

समाहरणालय स्थित रजिस्ट्रार कार्यालय में कार्यरत रजिस्टार 47 वर्षीय मनोज कुमार की मौत हो गई। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल में रखा गया है। बैद्यनाथ धाम ओपी प्रभारी उनके परिजन आने का इंतजार कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार वह अपने सरकारी आवास में दोपहर तकरीबन 12:00 बजे खाना खाकर अपने कार्यालय निजी वाहन से जा रहे थे। इस दौरान उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। सरकारी वाहन चालक नीरज कुमार ने उनकी अचानक तबीयत बिगड़ता देख इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां ऑन ड्यूटी डॉक्टर ने उन्हें प्राथमिकी जांचों परांत मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी डीसी, डीडीसी, नगर आयुक्त, डीपीआरओ, जेलर के अलावा अन्य सभी जिला प्रशासनिक पदाधिकारी को होते ही बारी-बारी से सभी पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे। मामले के बारे में अस्पताल उपाधीक्षक डॉक्टर प्रभात रंजन से जानकारी प्राप्त किया। वहीं घटना की जानकारी उनके परिजन को दे दी गई है। वाहन चालक के अनुसार मूल रूप से पलामू निवासी थे। लेकिन परिवार के सभी सदस्य रांची में घर बनाकर रह रहे हैं। सूचना मिलने के बाद परिवार

के सभी सदस्य देवघर के लिए रवाना हो गए हैं। खबर लिखे जाने तक शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रख लिया है। देवघर के सब रजिस्ट्रार मनोज कुमार की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें देवघर सदर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. प्रभात रंजन ने जानकारी देते हुए बताया कि सब रजिस्ट्रार के चालक ने उन्हें एक प्राइवेट वाहन से अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद पुष्टि की कि मनोज कुमार की मृत्यु हृदय गति रुकने से हुई है।फिलहाल आगे की प्रक्रिया स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जा रही है। अचानक हुई इस घटना से जिला प्रशासनिक महकमे में शोक की लहर दौड़ गई है।

देवघर एम्स के आपातकालीन सेवा हुआ शुभारंभ, दिन में ही तीन मरीज हुए भर्ती

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर एम्स के इमरजेंसी (आपातकालीन) सेवा में आज विश्व योग दिवस के अवसर पर शुभारंभ कर दिया गया है. इस मौके पर एम्स अस्पताल में कार्यक्रम आयोजित कर भव्य योग कार्यक्रम आयोजन एम्स के इंडोर स्टेडियम में किया गया. इसके बाद एम्स आपातकालीन सेवा का उद्घाटन मुख्य अतिथि स्थानीय सांसद निशिकांत दुबे ने फीता काटकर किया. इसके साथ ही एम्स आपातकाल इमरजेंसी वार्ड में ही महिला व प्रसूति रोग विभाग का इमरजेंसी वार्ड अलग से शुभारंभ किया गया. इमरजेंसी वार्ड अलग से मेडिकल, व्हीलचेयर और 30 बेड का सुसज्जित तरीके से व्यवस्था किया गया है. इसके अलावा दो ओटी को भी तैयार रखा गया है. इसके अलावे तीन शिफ्ट में डॉक्टर नर्स कर्मी को प्रतिनिधित्व है. स्टाफ रजिस्ट्रेशन काउंटर आदि का तीन शिफ्ट करके में नियुक्त है. 30 बेड के इमरजेंसी सेवा शुरू के साथ भेन्डीलेटर युक्त बेड और महिला व प्रसूति रोग विभाग का इमरजेंसी वार्ड अलग से बेड का व्यवस्था है. वहीं अलग से एक्सरे रूम है. शनिवार को शुरूआती दिन में ही समाचार लिखे जाने तक तीन मरीज भर्ती हुआ. जिसमें से दो मरीज आईपीडी में भर्ती कराया गया. वहीं एक मरीज का इमर्जेंसी से ही इलाज कर छुट्टी दे दी गई.

संक्षिप्त समाचार

अनिरूद्ध फिटनेश Alok chetan द्वारा योग दिवस का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्थानीय बाजला चौक स्थित Satnali Bhawan में अनिरुद्ध फिटनेस के द्वारा योग दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मंच संचालिका Alok chetan ने सभी आगंतुक योगाभ्यास करने वालों का स्वागत किया। केंद्र संचालक आलोक चेतन जी ने आसान शब्दों में योग के अर्थ को विस्तार से बतलाया उन्होंने युवाओं के लिये योग के विभिन्न आधुनिक रूप जैसे पावर योगा और जिमनास्टिक योगा आदि से लोगों को परिचय कराया। आज के इस कार्यक्रम में सभी लोगों से विभिन्न आसनों का प्रदर्शन के साथ परिचय कराया गया जैसे ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, कटिचक्रासन, भुजंगासन, शशांक आसन, सूर्य नमस्कार आदि। साथ ही साथ इन विभिन्न प्रकार के आसनों से प्राप्त होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभ से भी लोगों को परिचय कराया गया। योगा शांति पाठ से शुरू हुआ और अंत में सबों ने हास्यासन भी किया। पूरे विश्व में भारत में ही योगा का आविस्कार हुआ है और आज इसका प्रचार प्रसार पूरे विश्व पटल में हो रहा है जिससे पूरी मानव जाति लाभान्वित हो रही है। अन्त में शिविर संचालक आलोक चेतन ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उप कारा मधुपुर में योग शिविर का आयोजन किया गया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

शिविर का उद्घाटन अनुमंडल पदाधिकारी सह अधीक्षक उपकारा मधुपुर राजीव कुमार एवं एसडीपीओ मधुपुर सत्येंद्र प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया जिसमें द आर्ट ऑफ लिविंग प्रिजन प्रोग्राम की ओर से राम शंकर बरनवाल योग प्रशिक्षक ने कारा के सभी पदाधिकारी सुरक्षा कर्मी एवं सभी बंदियो को योग अभ्यास कराया जिसमें तनाव मुक्ति एवं स्वस्थ शरीर का निर्माण करने की विधि बताई मौके पर अधीक्षक सह अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि अब यह प्रशिक्षण शिविर कारा मे नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा जिसमें कारा के बंदियो को ही प्रशिक्षित कर अन्य बंदियों को इस योग विद्या से जोड़ा जाएगा ताकि उनकी मानसिक शांति एवं एक अच्छे व्यक्तित्व का निर्माण हो सके कार्यक्रम के अंत में प्रभारी कारापाल शिशिर पांडे ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया

हिंदी विद्यापीठ बीएड कॉलेज में हुआ योग का महासंगम

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

हिंदी विद्यापीठ बीएड कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग शिविर का आयोजन डॉ कृष्णानंद झा मेमोरियल ऑडिटोरियम, तक्षशिला विद्यापीठ में किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अध्यक्ष महोदय अशोकानंद झा ने जीवन में योग के महत्व एवं योग के मूल्य के बारे में सभी को अवगत कराते हुए नियमित रूप से योगाभ्यास के लिए प्रेरित किए । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर्ट ऑफ लिविंग के योग शिक्षक निशांत के द्वारा योग प्रशिक्षण एवं मेडिटेशन कराया गया। उन्होंने प्रतिदिन जीवन में योग करने पर बल दिया। प्राचार्य महोदया डॉ आशा मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी को नियमित रूप से योग करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ।कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के खेल शिक्षक संदीप खरका एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।

आशा इंटरनेशनल स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आशा इंटरनेशनल स्कूल, देवघर में दिनांक 21 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने मिलकर योगाभ्यास किया और योग के महत्व को समझा। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय की निर्देशिका के प्रेरणादायक शब्दों से हुई, जिसमें उन्होंने योग को जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए इसे नियमित दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी। बच्चों ने विभिन्न योगासन प्रस्तुत किए, जिनमें वृक्षासन, ताड़ासन, भुजंगासन आदि शामिल थे। विद्यालय परिसर में योग प्रशिक्षक द्वारा सभी को सही ढंग से योग करने का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रबंधन समिति ने इस आयोजन की सराहना की और भविष्य में भी इस तरह के स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रमों को जारी रखने की बात कही।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और सांसद ने किया योगाभ्यास

पूर्वी सिंहभूम, ।

पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को महानगर भाजपा ने सभी मंडलों में पूरे उत्साह के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और सांसद विद्युत वरण महतो ने भाग लेकर योग की महत्ता को रेखांकित किया और लोगों से इसे अपनी जीवनशैली में शामिल करने की अपील की। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने घोड़ाबांधा मंडल की ओर से साईं नाथ देवस्थानम प्रांगण में आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में भाग लिया। मौके पर उन्होंने कहा कि योग न केवल हमारी परंपरा है, बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा को संतुलित रखने का

सबसे प्रभावी माध्यम भी है। कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षकों ने लोगों को सरल योगासन सिखाया। मंडल अध्यक्ष दीपक पाल और जिला मंत्री जितेंद्र राय सहित कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। साकची पश्चिम मंडल के योग कार्यक्रम में सांसद विद्युत वरण महतो ने हिस्सा लिया। उन्होंने धालभूम क्लब परिसर में कार्यकताओं और आमजन के साथ योग किया। मौके पर उन्होंने योग को तनाव मुक्त जीवन की कुंजी बताई। सांसद ने कहा कि योग हमें प्रकृति और संस्कृति दोनों से जोड़ता है। मंडल अध्यक्ष बजरंगी पांडेय के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कई लोगों ने भाग लिया। जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा के नेतृत्व में शहर के चारों विधानसभा क्षेत्रों के 28 मंडलों में भाजपा कार्यकताओं ने योग दिवस को मनाया। सभी मंडलों में प्रशिक्षकों ने योग के लाभ बताए और योगाभ्यास कराया।

योग से हमारे अंदर एकाग्रता, आत्मविश्वास और शांति प्रवाह होता है:- केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी

योग को नियमित रूप से अपने जीवन मे करे आत्मसात

संवाददाता

देवघर:अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज दिनांक 21.06.2025 को विराय इन के सभागार में जिला प्रशासन के तत्वावधान में अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास का आयोजन किया गया; जिसमें माननीय केंद्रीय मंत्री महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, माननीय गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा, उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार सहित विभिन्न पदाधिकारीगण, काफी संख्या में स्थानीय नागरिक, स्कूली बच्चें, विभिन्न संस्थाओं के सदस्य आदि उपस्थित थें। इसके अलावा अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर माननीय केंद्रीय मंत्री महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, माननीय गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा किया गया। इस दौरान माननीय केंद्रीय मंत्री महिला एवं बाल विकास अन्नपूर्णा देवी ने सभी को संबोधित करते हुए अंतराष्ट्रीय योग दिवस की

शुभकामनाएँ दी। साथ ही उन्होंने कहा कि आज के भागदौड़ की दुनिया मे योग की आवश्यकता सभी को है। योग को नियमित रूप से करते हुए अपने जीवन मे आत्मसात करने करें, ताकि योग से हमारे अंदर कंसंट्रेशन (एकाग्रता), कॉन्फिडेंस (आत्मविश्वास) और कामनेस (शांति) का प्रवाह हो। इसके अलावे उन्होने कहा कि भारत ने न केवल योग को जन्म दिया, बल्कि उसे आधुनिक विज्ञान के अनुरूप ढालकर दुनिया को इसका लाभ भी दिया। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक पद्धति है, जो शारीरिक, मानसिक और आत्मिक संतुलन प्रदान करती है। पूरे विश्व में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से निपटने में योग अब एक कारगर माध्यम बन गया है, जिसे हम सभी को अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है। इसके अलावा मौके पर माननीय सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने सभी को अंतराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी गई एवं स्वास्थ्य, अनुशासन एवं खुशहाली के लिए योग को आवश्यक बताते हुए कहा गया कि आज के तनावपूर्ण जिंदगी से राहत के लिए योग सबसे बड़ी दवा है। यह हम सभी के लिए बहुत हीं गर्व कि बात है कि योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ है एवं 21 जून को पुरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। इसके अलावा योग प्रशिक्षक के द्वारा सभी प्रतिभागियों को योग की विशेषताओं से अवगत कराया गया एवं स्वास्थ्य मूलक आसनों एवं प्रणायामों का अभ्यास कराया गया। साथ ही आयोजित कार्यक्रम के दौरान माननीय प्रधानमंत्री का ऑनलाइन संबोधन भी सुना गया। *इसके अलावा कार्यक्रम के पश्चात उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने माननीय केंद्रीय मंत्री महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी को स्मृति चिन्ह भेंट स्वरूप प्रदान किया।* अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' (एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग) है, जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के बीच गहरे संबंध को रेखांकित करती है। यह थीम योग के प्राचीन ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति के साथ जोड़ती है, जो एकता, शांति और करुणा के सिद्धांतों को बढ़ावा देती है।

भारतीय स्टेट बैंक ने बीमा राशि लाभार्थियों को प्रदान किया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय देवघर द्वारा केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी बीमा योजनाओं के अंतर्गत कुल 30 लाख की सहायता राशि मृतक खाताधारकों के परिजनों को प्रदान की गई। इस वितरण कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत 10लाख एवं व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत 20 लाख की बीमा राशि लाभार्थियों को प्रदान की गई।

इस दौरान महाप्रबंधक विवेक चंद्र जयसवाल, उप महाप्रबंधक अभिजीत पांगरेकर, उप महाप्रबंधक सत्यनारायण राव सोमैयाझूला एवं क्षेत्रीय प्रबंधक प्रशांत कुमार झा ने लाभार्थियों को चेक सौंपे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक विवेक चंद्र जायसवाल ने

कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना जैसे योजनाएं समाज के प्रत्येक वर्ग को मामूली प्रीमियम पर व्यापक वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती हैं। इस योजना में सभी खाताधारक को पंजीकरण करना जरूरी है। कार्यक्रम में दी गई लाभार्थियों बीमा राशि - 1. गुलफान बीवी, पत्नी स्व. जलालुद्दीन अंसारी 22,00,000 2. जयप्रकाश नोनिया, पति स्व. बिंदु देवी 2,00,000 3. दीनदयाल तुरी , पुत्र स्व. रामलाल तुरी 2,00,000 4. वासुदेव नापित, पति स्व. मोरनी देवी 2,00,000 5. भीख महतो, पति स्व. कलावती देवी 2,00,000 दिया गया जिसमें मृतक के परिजनों ने भारतीय स्टेट बैंक पर आभार जताया। वही क्षेत्रीय प्रबंधक प्रशांत कुमार झा ने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे समय रहते इन योजनाओं में पंजीकरण कराएं ताकि किसी भी अनहोनी की स्थिति में उनके परिवार को आर्थिक सहारा मिल सके। उन्होंने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक की सभी शाखाओं एवं ग्राहक सेवा केंद्रों में इन योजनाओं का लाभ लेना बहुत आसान है। इस दौरान मुख्य प्रबंधक शक्ति शेखर मिश्रा, ब्रजेश सहाय, प्रबंधक राहुल रंजन, संतोष कुमार एवं क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय देवघर के अन्य सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

बीसीआइ की बैठक में व्यापार बढ़ाने और योग पर चर्चा

रांची, ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बिजनेस क्रिएशन ऑफ इंडिया (बीसीआइ) टाइटेनियम ने शनिवार को योगाभ्यास कर सालोंभर योग करने का संकल्प लिया। इसके बाद बैठक कर व्यापार बढ़ाने पर जोर दिया। योग करने के बाद आयोजित बैठक की अध्यक्षता बीसीआइ टाइटेनियम के अध्यक्ष हिमानी गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि हमें टीमवर्क के साथ काम करने की जरुरत है। एक परिवार के रूप में जुड़कर व्यापार को बढ़ाने में सभी एक दूसरे का सहयोग करें। मौके पर बीसीआइ के मेंटर किशोर मंत्री ने कहा कि बीसीआई टाइटेनियम में अच्छे लोगों को जोड़ना होगा। अधिक से अधिक लोग जुडेंगे तो निश्चित तौर पर व्यापार में बढ़ोत्तरी होगी। उन्होंने अपने फर्म और प्रतिष्ठान का जमकर प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया। कहा कि ऑफलाइन बिजनेस का बेहतर वातावरण बन चुका है। हमें इसका लाभ उठाना चाहिए। इस अवसर पर बीसीआइ प्लेटिनम के निदेशक धीरज ग्रोवर ने व्यापार और कारोबार को आगे कैसे बढ़ाना है, इसपर फोकस करते हुए अपने विचार को रखा। सदस्य कैसे एक दूसरे का सहयोग करेंगे, इसकी भी रूपरेखा उन्होंने बनाई। निदेशक अजय कुमार ने बीसीआई के व्यापारिक संगठन की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही संगठन कैसे कार्य करता है, इसके बारे में जानकारी को साझा किया। इधर, बैठक के खुले सत्र में सभी व्यापारिक प्रतिभागियों ने अपने संगठन की मजबूती, व्यापारिक समस्याओं और चुनौतियों पर सुझाव दिया। बैठक में निदेशक शिव कुमार सिंह, बीसीआइ टाइटेनियम की उपाध्यक्ष डॉ शिप्रा साह, सचिव अनुज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संतोष सोनी सहित अन्य मौजूद थे।

पहले भाई और अब खुद के लिए न्याय मांग रही श्वेता

रामगढ़, । युवती सोनाली (25) की सुसाइड कांड में आरोपी बनी श्वेता सिंह न्याय मांगने निकली हैं। शनिवार को उन्होंने रामगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पुलिस की कार्रवाई को एकपक्षीय बताया। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ सोनाली के पिता विमल कुमार सिंह ने प्राथमिकी दर्ज कराई है, लेकिन पुलिस को यह प्राथमिकी जांच करने के बाद ही दर्ज करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2024 में उनके भाई सौरभ सिंह ने आत्महत्या की थी। सोनाली के साथ सौरभ का प्रेम संबंध था और वह इस रिश्ते के लिए काफी गंभीर था। सोनाली की ओर से धोखा दिए जाने के कारण उनका भाई डिप्रेस्ड हुआ और उसने आत्महत्या की। अपने भाई को न्याय दिलाने के लिए उन्होंने कानून का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने कहा कि उन्हें न्याय प्रणाली और कोर्ट पर पूरा भरोसा था। थाना से लेकर डीजीपी कार्यालय तक लगाया चक्कर श्वेता सिंह पिछले छह माह से थाना, एसपी और डीजीपी के कार्यालय तक का चक्कर लगा चुकी हैं। दो दिन पहले सोनाली ने आत्महत्या की, जिनका उन्हें अफसोस है। क्योंकि उनका परिवार भी उसी सदमे से गुजर रहा है, जिस सदमे से श्वेता का परिवार पिछले छह माह से गुजर रहा है। श्वेता सिंह ने बताया कि सोनाली ने ऐसी कई बातें जांच के दौरान कबूल की, इससे उसके खिलाफ सबूत बनता चला गया। सोनाली के पिता ने कही थी सुसाइड की बात श्वेता सिंह ने कहा है कि जांच के दौरान सोनाली थाने में मौजूद थी, तभी उनके पिता विमल सिंह ने उसे सुसाइड करने के लिए कहा था। जिस तरह का उनका व्यवहार था पुलिस ने उसे गंभीरता से लिया था। पुलिस ने एक पीआर बॉन्ड भी भरवारा था,

जेल भवन और मेडिकल कॉलेज को लेकर डीसी ने किया स्थल निरीक्षण

चतरा, ।

जिले में प्रस्तावित नव कारा (जेल) और मेडिकल कॉलेज निर्माण को लेकर शनिवार को उपायुक्त कीर्तिश्री ने सदर प्रखंड अंतर्गत चंगेर और पावो गांव स्थित चिन्हित भूमि का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भूमि की स्थिति, भौगोलिक उपयुक्तता, निकासी मार्ग, आसपास की आबादी, सरकारी मद की उपलब्धता सहित अन्य आवश्यक बिंदुओं की जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अंचलाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने अधिकारियों से चिन्हित भूमि के स्वामित्व, अतिक्रमण रहित स्थिति और रकबा की पुष्टि जल्द करने को कहा। साथ ही उन्होंने तकनीकी मानकों के अनुरूप स्थल की उपयुक्तता का आकलन करने, प्रस्तावित स्थल तक सुलभ मार्ग, जल निकासी एवं विद्युत आपूर्ति की संभावनाओं की रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने यदि इन बिंदुओं पर भूमि उपयुक्त पाई जाती है तो प्रस्ताव संबंधित विभाग को आगे बढाया जाएगा। उपायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि जेल जैसी संरचनाओं का निर्माण सुरक्षा, अधोसंरचना और प्रशासनिक आवश्यकता के अनुसार किया जाना अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि निरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रस्तावित स्थल दीर्घकालिक उपयोग के लिए उपयुक्त हो।

गायत्री शक्तिपीठ में योगाभ्यास का आयोजन

देवघर

से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा देवघर.अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के आह्वान पर गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम के साधना कक्ष में प्रातः 8 बजे 11 वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का शुभारंभ मुख्य प्रबंध ट्रस्टी देवनारायण रजक तथा जिला उपसमन्वयक उमाकान्त राय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर गायत्री महामंत्र तथा वैदिक स्वस्तिवाचन से किया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला उपसमन्वयक उमाकान्त राय ने मीडिया को बताया कि देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज हरिद्वार के योग प्रशिक्षक साक्षी वार्ष्णेय एवं सहायक श्रेया कुमारी के मार्गदर्शन में गायत्री परिवार सदस्यों ने ध्यान, प्राणायाम,प्रज्ञा योग, ताड़ासन,, वज्रासन, पादहस्तासन, भुजंगासन आदि योगाभ्यास संपन्न किया। योगाभ्यास के क्रम में बताया गया है योग शारीरिक व्यायाम ही नहीं बल्कि योग का वास्तविक उद्देश्य साधना, उपासना, चेतना और कर्म के माध्यम से परमात्मा से जुडना है। आत्मा और परमात्मा का साक्षात्कार है। श्रीमद्भागवत गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि -- योगः कर्मसु कौशलम, अर्थात कर्म की कुशलता ही योग है।यह कुशलता शारीरिक व्यायाम से लेकर अंतःकरण के शोधन तथा आत्मा से परमात्मा के मिलन_ संयोग तक ले जाने में समर्थ होती है। शांतिपाठ के साथ आयोजन का समापन हुआ। योगाभ्यास आयोजन को सफल बनाने में महेंद्र प्रसाद यादव,उदय शंकर सिंह,राम प्रसाद यादव,सुरेश सिंह, निशा देवी, अनुपमा देवी, निशा कुमारी,रंजू बरनवाल आदि सक्रिय रहे।

विश्व योग दिवस के अवसर पर शिक्षकों, ग्रामीणों एवं बच्चों को कराया गया योग

संवाददाता श्रीकान्त यादव

ग्यारहवें विश्व योग दिवस के अवसर पर ज्ञानज्योति विद्यालय सिंहेश्वरी एवं हेल्थ एण्ड वैलनेस सेंटर सिंहेश्वरी के प्रांगण में रीता दत्ता, योग शिक्षिका सह एएनएम के द्वारा शिक्षकों, ग्रामीणों एवं बच्चों को योग कराया गया एवं प्रतिदिन योग करने हेतु निवेदन किया गया। साथ ही योग,प्राणायाम एवं विभिन्न आसनों के बारे में जानकारी भी दी गई और सबों को योग के महत्व के बारे में बताया गया । ग्रामीण जन योग करते हुए बहुत उत्साहित पाए गए और उन्होंने मनोयोग पूर्वक प्राणायाम, ध्यान,आसन इत्यादि को पूरा किया । मौके पर प्रिंसिपल श्री विनोद कुमार मंडल, सामाजिक कार्यकर्त्ता बिंदा देवी, शिक्षक श्री संजीव कुमार एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मौत

कोडरमा , ।

कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत डीएफओ कार्यालय के समीप बिहार से पश्चिम बंगाल के कोलकाता जा रही बंगाल टाइगर नामक बस (डब्लू बी 41 एच 3419) ने शुक्रवार रात एक ठेले वाले को टक्कर मार दी, जिससे ठेले वाला गम्भीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया। जहां गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया था जिसकी तिलैया पहुंचते ही मौत हो गई। मृतक की पहचान कोडरमा थाना क्षेत्र के न्यू कॉलोनी निवासी 40 वर्षीय राजेन्द्र यादव उर्फ लालू यादव पिता देवा महतो के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही कोडरमा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और उक्त बस को जब्त कर थाने ले गई।

पीयूष गोयल ने ब्रिटेन यात्रा के दौरान डिजिटल इंफ्रा और इनोवेशन में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रिटेन की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान ब्रिटेन के कई शीर्ष अधिकारियों और उद्योग जगत के नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने वित्तीय ढांचे तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने जारी बयान में कहा, डिजिटल दुनिया में भारत की बड़ी प्रगति के साथ हमने फिनटेक इकोसिस्टम, डिजिटल सशक्तिकरण और दोनों अर्थव्यवस्थाओं में एसएमई के नेतृत्व वाली वृद्धि को बढ़ावा देने पर चर्चा की। इस यात्रा के दौरान उन्होंने फ्यूचर फ्रंटियर्स फोरम, लंदन में विज्ञान संग्रहालय समूह के निदेशक और मुख्य कार्यकारी सर इयान ब्लेचफोर्ड के साथ बातचीत की। पीयूष गोयल ने ब्रिटेन में राजकोष की चांसलर रेचल रीव्स से मुलाकात की। इस दौरान भारत-ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए वित्तीय ढांचे, सतत वित्त और नए व्यापार अवसरों को खोलने में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की गई। इसके अलावा पीयूष गोयल ने ब्रिटेन स्थित बिजनेस फाइनेंशियल प्लेटफॉर्म टाइड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ओलिवर प्रिल के साथ भी दिलचस्प चर्चा की।

शिवसुब्रमण्यम रमण ने पीएफआरडीए के अध्यक्ष का पदभार संभाला

नई दिल्ली। शिवसुब्रमण्यम रमण ने शुक्रवार को आधिकारिक रूप से पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष के तौर पर अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। केंद्र सरकार ने उनकी नियुक्ति पांच वर्ष की अवधि या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, के लिए की है। वित?त मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा (आईएएंडएएस) के 1991 बैच के अधिकारी रमन वित्तीय विनियमन, सार्वजनिक वित्त और प्रौद्योगिकी में दशकों का अनुभव रखते हैं। पीएफआरडीए में शामिल होने से पहले उन्होंने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के कार्यालय में उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी के रूप में कार्य किया है। उन्होंने पहले कई नेतृत्व पदों पर कार्य किया है, जिसमें भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा लिमिटेड (एनईएसएल) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी और झारखंड राज्य के प्रधान महालेखाकार शामिल हैं। इसके अलावा 2006 से 2013 की अवधि के लिए उन्होंने मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) और फिर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड में कार्यकारी निदेशक के रूप में भी कार्य किया। पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण ने एक्स पोस्ट पर कहा कि हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि शिवसुब्रमण्यम रमन ने आज पीएफआरडीए के अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया है।

इंडिगो की हिंडन से 8 अलग-अलग शहरों के लिए 20 जुलाई से सीधी उड़ान

नई दिल्ली। बजट एयरलाइंस कंपनी इंडिगो ने 20 जुलाई से गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से देश के आठ शहरों अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, इंदौर, कोलकाता, मुंबई, पटना और वाराणसी के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू करने की पुष्टि की है। इंडिगो ने शुक्रवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कह कि हम उत्तर प्रदेश के हिंडन एयरपोर्ट से सीधी उड़ानें शुरू करने की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। इससे हमारे ग्राहकों के लिए हवाई यात्रा को और अधिक सुलभ बनाने की हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत होगी। हम नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभारी हैं। कंपनी ने जारी बयान में लिखा है कि 20 जुलाई से हम हिंडन एयरपोर्ट से भारत के आठ शहरों अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, इंदौर, कोलकाता, मुंबई, पटना और वाराणसी के लिए सीधी उड़ानें संचालित करेंगे। इस लॉन्चिंग के साथ हिंडन हमारा 93वां घरेलू गंतव्य और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में हमारी सेवा करने वाला ये दूसरा हवाई अड्डा बन गया है।

एचडीबी फाइनेंशियल के आईपीओ का प्राइस बैंड फिक्स, 25 जून को होगी लॉन्चिंग

नई दिल्ली। नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) एचडीबी फाइनेंशियल के आने वाले आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का एलान कर दिया गया है। 25 जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाले कंपनी के 12,500 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 700 रुपये से लेकर 740 रुपये का प्राइस बैंड फिक्स किया गया है। आईपीओ के तहत निवेशक 20 शेयर के लॉट साइज में बोली लगा सकेंगे। ये आईपीओ 27 जून को बंद होगा कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार एचडीबी फाइनेंशियल का आईपीओ एंकर इन्वेस्टर्स के लिए 24 जून को खुलेगा। आईपीओ के तहत 30 जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। इसके बाद अगले महीने 2 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग होगी। इस आईपीओ के तहत 2,500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 13,51,35,135 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे जाएंगे।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह अबतक 1.39 फीसदी घटकर 4.59 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में गिरावट दर्ज हुई है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अबतक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 4.59 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 1.39 फीसदी कम है, क्योंकि अग्रिम कर संग्रह धीमा रहा है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में अब तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.45 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 4.86 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। आयकर विभाग ने शनिवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत का सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 19 जून तक 4.86 फीसदी बढ़कर 5.45 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान 5.19 लाख करोड़ रुपये का संग्रह हुआ था। 01 अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान अग्रिम कर संग्रह

मात्र 3.87 फीसदी बढ़कर 1.56 लाख करोड़ पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2024-25 की तुलनात्मक अवधि में अग्रिम कर संग्रह में 27 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई थी।विभाग ने बताया कि 01 अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान कॉर्पोरेट कर संग्रह में करीब 1.73 लाख करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 5 फीसदी से अधिक की गिरावट है। हालांकि, गैर-कॉर्पोरेट कर संग्रह, जिसमें मुख्य रूप से व्यक्तिगत आयकर शामिल है, उनमें 0.7 फीसदी की मामूली वृद्धि दर्ज हुई है, जो 2.73 लाख करोड़ रुपये रहा। इस अवधि के दौरान प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) 12 फीसदी बढ़कर 13,013 करोड़ रुपये हो गया। कुल मिलाकर 01 अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह लगभग 4.59 लाख करोड़ रुपये रहा, जो 2024 की इसी अवधि में एकत्र 4.65 लाख करोड़ रुपये से 1.39 फीसदी कम है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अबतक रिफंड जारी करने की राशि 58 फीसदी बढ़कर 86,385 करोड़ रुपये हो गई है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रत्यक्ष कर (डीटी) संग्रह और अग्रिम कर संग्रह के आंकड़े 19 जून तक जारी कर दिए गए हैं। ये आंकड़े आयकर विभाग की राष्ट्रीय वेबसाइट के लिंक https://incometa&india.gov.in/Lists/Latest%w®News/Attachments/|wx/Direct-Ta&-Collections-for-FY-w®wz-w{-as-on-19-06-2025.pdf पर उपलब्ध हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 698.95 अरब डॉलर पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 जून को समाप्त हफ्ते में 2.29 अरब डॉलर बढ़ कर 698.95 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते 6 जून को विदेशी मुद्रा भंडार 5.17 अरब डॉलर बढ़ कर 696.65 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 6 जून को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.74 अरब डॉलर बढ़ कर 589.43 अरब डॉलर पर पहुंच गईं। इस दौरान स्वर्ण भंडार

का मूल्य भी 42.8 करोड़ डॉलर बढ़ कर 86.32 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के जारी आंकड़ों के मुताबिक विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.5 करोड़ डॉलर बढ़ कर 18.76 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 4.3 करोड़ डॉलर बढ़ कर 4.45 अरब डॉलर पर पहुंच गया। उल्लेखनीय है कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के अंत में बढ़ कर 704.88 अरब डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में भारत का आवास मूल्य सूचकांक 3.1 प्रतिशत बढ़ा, कोलकाता सबसे आगे : आरबीआई

मुंबई।

नई दिल्ली। । वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में पूरे भारत में आवास मूल्य सूचकांक (एचपीआई) में 3.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछली तिमाही के समान गति को बनाए रखने को दर्शाता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 10 प्रमुख शहरों में पंजीकरण अधिकारियों से प्राप्त लेनदेन-स्तर के आंकड़ों के आधार पर चौथी तिमाही के लिए अपना तिमाही एचपीआई डेटा जारी किया। आरबीआई के एक बयान के अनुसार, 'ऑल-इंडिया एचपीआई में 2024-25 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 3.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछली तिमाही में 3.1 प्रतिशत और एक साल पहले 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। शहरों में वार्षिक एचपीआई वृद्धि में व्यापक रूप से अलग-अलग रही। कोलकाता में 8.8 प्रतिशत की उच्च वृद्धि दर्ज की गई और कोच्चि में 2.3 प्रतिशत की गिरावट रही। क्रमिक आधार पर, अखिल भारतीय एचपीआई में चौथी तिमाही में 0.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आंकड़ों से

पता चला कि बेंगलुरु, जयपुर, कोलकाता और चेन्नई नवीनतम तिमाही के दौरान घरों की कीमतों में क्रमिक वृद्धि दर्ज करने वाले प्रमुख शहर हैं। कोलकाता 8.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ चार्ट में सबसे ऊपर रहा, जबकि कोच्चि एकमात्र ऐसा शहर रहा, जिसमें 2.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सूचकांक में 10 शहरों में अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, जयपुर, कानपुर, कोच्चि, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई शामिल हैं। केंद्रीय बैंक के अनुसार, घर न केवल एक परिसंपत्ति है, बल्कि परिवारों के लिए एक टिकाऊ उपभोग वस्तु भी है, जो आश्रय और अन्य सेवाएं प्रदान करता है। घर की कीमत में बदलाव परिवारों की आजीवन संपत्ति को प्रभावित करता है इसलिए इसका प्रभाव खर्च और उधार लेने के फैसले पर पड़ता है। घर की कीमत में वृद्धि से निर्माण लागत की तुलना में आवास का मूल्य बढ़ जाता है; इसलिए जब घर की कीमत निर्माण लागत से ऊपर उठती है तो नया निर्माण लाभदायक होता है।

'आवासीय निवेश' घर की कीमत में वृद्धि के साथ सकारात्मक रूप से जुड़ा हुआ है। घर की कीमतें बैंक ऋण को भी प्रभावित करती हैं । इसके अलावा, घर की कीमत में वृद्धि से हाउसिंग कोलेटरल में वृद्धि होती है।

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर मई में 0.7 फीसदी पर

मुंबई।

नई दिल्ली। ।देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योग की वृद्धि दर मई में घटकर 0.7 फीसदी रह गई है, जो पिछले नौ महीनों में सबसे कम है। पिछले साल इसी अवधि में यह 6.9 फीसदी रही थी। हालांकि, इस दौरान सीमेंट, स्टील, कोयला और रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन सकारात्मक रहा है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इस साल अप्रैल में इन प्रमुख बुनियादी उद्योग के उत्पादन में 1 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी। इन उद्योगों में पिछली सबसे कम वृद्धि दर अगस्त, 2024 में दर्ज की गई थी, जब इन ढांचागत क्षेत्रों के उत्पादन में 1.5 फीसदी की गिरावट आई थी। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान सीमेंट, स्टील, कोयला और रिफाइनरी उत्पादों में सकारात्मक वृद्धि देखी गई। हालांकि, मई के दौरान सीमेंट, स्टील, कोयला और रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन सकारात्मक रहा। चार प्रमुख क्षेत्रों कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, उर्वरक

और बिजली के उत्पादन में गिरावट रही है। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहले दो महीनों (अप्रैल-मई) में आठ प्रमुख क्षेत्रों में कुल 0.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में 6.9 फीसदी के मुकाबले कम है। देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों यानी कोर सेक्टर का 40.27 फीसदी भार होता है। इन प्रमुख उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली क्षेत्र शामिल हैं।

जीएसटी पंजीयन और शिकायत निवारण को सरल बनाए सीबीआईसी : वित्त मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) पंजीयन और शिकायत निवारण प्रक्रिया को सरल बनाने को कहा। इसके साथ ही उन्?होंने सीमा शुल्क और सीजीएसटी मामलों की जांच तेजी से पूरा करने, कर चोरी और गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावों की रोकथाम के लिए तत?काल कदम उठाने का निर्देश भी दिया।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सीबीआईसी के प्रधान मुख्य आयुक्तों, मुख्य आयुक्तों और सीबीआईसी के क्षेत्रीय कार्यालयों के महानिदेशकों के साथ आयोजित सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। सीतारमण ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित सीबीआईसी कॉन्क्लेव के दौरान

राष्ट्रीय टाइम रिलीज स्टडी (एनटीआरएस) के पांचवें संस्करण का विमोचन भी किया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने सीबीआईसी सम्मेलन के पहले दिन सरल, निर्बाध और पारदर्शी जीएसटी पंजीकरण प्रणाली की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए पंजीकरण को सुव्यवस्थित करने और देरी को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी और जोखिम-आधारित मापदंडों के उपयोग का आग्रह किया। उन्होंने सीमा शुल्क और सीजीएसटी मामलों से संबंधित जांच को तेजी से पूरा करने का आह्वान किया, कर का पता लगाने और वसूली के बीच के अंतर को पाटने के लिए गहन विश्लेषण पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने कर चोरी को रोकना और गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावों पर अंकुश लगाना भी प्राथमिकताओं के रूप में रेखांकित किया। सीतारमण ने नई दिल्ली में आयोजित सीबीआईसी संगोष्ठी के दौरान राष्ट्रीय टाइम रिलीज स्टडी (एनटीआरएस) के पांचवें संस्करण का विमोचन किया। टाइम रिलीज स्टडी (टीआरएस) एक प्रदर्शन माप साधन है जो कार्गो रिलीज़ को जारी करने में लगने वाले समय का मात्रात्मक मूल्यांकन संबंधी जानकारी देता है, जिससे निकासी प्रक्रिया की दक्षता का मूल्यांकन करने में सहायता मिलती है। वर्ष 2019 से टीआरएस का आयोजन 15 प्रमुख स्थानों पर आयोजित किया गया है, जिसमें पत्तन, एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स (एसीसी), अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) और एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) शामिल हैं। पांचवें संस्करण में चरण-वार और प्रक्रिया-विशिष्ट मूल्यांकन को सक्षम करने के लिए उन्नत पद्धतियों का भी प्रयोग किया गया है और इसमें तीन अतिरिक्त पत्तनों कोच्चि बंदरगाह, गढ़ी हरसरू आईसीडी और जयगांव एलसीएस को सम्मिलित कर कार्य क्षेत्र में बढ़ोतरी की गई है।

किशन रेड्डी का ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड का दो दिवसीय दौरा शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड का अपना दो दिवसीय दौरा शुरू किया। केंद्रीय कोयला मंत्री 20 और 21 जून को अपने दौरे में झांझरा भूमिगत खदान और सोनपुर बाजारी ओसीपी में परिचालन की समीक्षा करेंगे। कोयला मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि जी. किशन रेड्डी सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' की याद में झांझरा में 'सिंदूर पार्क' नामक इको पार्क का उद्घाटन करेंगे और इको पार्क में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 पर आयोजित भव्य समारोह में भाग लेंगे। केंद्रीय मंत्री नवनिर्मित महुदंगा पुनर्वास स्थल का भी उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा रेड्डी स्थानीय समुदायों को सहायता प्रदान करते हुए एनसीडब्ल्यूए के दिशा-निर्देशों के अनुसार अनुकंपा रोजगार के तहत उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे और आरएन कॉलोनी, सोनपुर बाजारी क्षेत्र, ईसीएल में विकलांग लोगों को ट्राइसाइकिल प्रदान करेंगे। मंत्रालय

के मुताबिक अपने कार्यक्रम के तहत जी. किशन रेड्डी खनन पारिस्थितिकी तंत्र के हितधारकों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित करेंगे, जिसमें कोयला खदान कर्मचारी भी शामिल हैं। वे परियोजना प्रभावित लोगों (पीएपी) से मिलने के लिए पुनर्वास और पुनर्स्थापन (आरएंडआर) स्थलों का भी दौरा करेंगे और असाधारण प्रदर्शन के लिए कर्मचारियों को सम्मानित करेंगे।

भामाशाह की जयंती को 'राष्ट्रीय व्यापारी दिवस' घोषित किया जाए: खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के व्यापारियों के योगदान को मान्यता दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए चांदनी चौक से भाजपा सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखा। कैट महामंत्री ने पीयूष गोयल को पत्र लिखकर महान देशभक्त, व्यापारी एवं दानवीर भामाशाह के जन्म दिवस 28 जून को 'राष्ट्रीय व्यापारी दिवस' घोषित करने का आग्रह किया है। खंडेलवाल ने एक बयान में कहा कि दानवीर भामाशाह देश के व्यापारिक समुदाय के शुभंकर हैं और महाराणा प्रताप को एक व्यापारी के रूप में दी हुई उनकी सहायता भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। जिस प्रकार से

देश में मजदूर दिवस, डॉक्टर्स दिवस सहित अनेक दिवस मनाने की परंपरा चली आ रही है, उसी तर्ज पर भामाशाह के जन्म दिवस 28 जून को राष्ट्रीय व्यापारी दिवस भी सरकार द्वारा घोषित किया जाए। खंडेलवाल ने भामाशाह के अतुलनीय योगदान का उल्लेख करते हुए कहा, भामाशाह भारत के व्यापारिक समुदाय के देशभक्ति, त्याग, ईमानदारी और उद्यमिता जैसे मूल्यों के प्रतीक हैं, जो आज भी प्रासंगिक हैं।

उन्होंने अपने समस्त धन का उपयोग मेवाड़ की स्वतंत्रता और महाराणा प्रताप के संघर्ष के लिए समर्पित कर दिया। उनकी जयंती को राष्ट्रीय व्यापारी दिवस घोषित करना न केवल उनके बलिदान को सम्मानित करेगा, बल्कि देश के 9 करोड़ से अधिक व्यापारियों को राष्ट्रीय पहचान प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि देश के व्यापारी आज भी आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, आपूर्ति श्रृंखला और राजस्व योगदान में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें वह सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार हैं। सांसद खंडेलवाल ने कहा कि 'राष्ट्रीय व्यापारी दिवस' की घोषणा, आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को सशक्त करेगी और युवाओं को राष्ट्रहित में ईमानदार एवं प्रतिबद्ध व्यवसाय अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। खंडेलवाल ने कहा कि भामाशाह जयंती को राष्ट्रीय व्यापारी दिवस के रूप में स्वीकारना भारत की समृद्ध व्यापार परंपरा और उसके संरक्षकों के ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक सम्मान देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगा।

सेंसेक्स में ट्रेंट लिमिटेड और बीईएल की एंट्री, नेस्ले और इंडसइंड बैंक हुए बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 30 शेयरों वाले बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स में आज से बदलाव हो गया है। सेंसेक्स में पहले से शामिल दो कंपनियों को हटाकर उनकी जगह दो नई कंपनियों को शामिल किया गया है। एफएमसीजी सेक्टर की बड़ी कंपनी नेस्ले इंडिया और प्राइवेट सेक्टर के बैंक इंडसइंड बैंक को सेंसेक्स से बाहर कर दिया गया है। इन दोनों कंपनियों की जगह डिफेंस सेक्टर की सरकारी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक (बीईएल) और रिटेल सेक्टर की बड़ी कंपनी ट्रेंट लिमिटेड को सेंसेक्स में शामिल किया गया है। स्टॉक मार्केट रिसर्च एनालिस्ट पुनीत मेघवानी ने कहा कि सेंसेक्स में किए गए इस बदलाव से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों में 37.8 करोड़ डॉलर यानी लगभग 3,150 करोड़ रुपये का और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर में करीब 33 करोड़

डॉलर यानी लगभग 2,750 करोड़ रुपये का निवेश आ सकता है। दूसरी ओर इस सूचकांक से बाहर होने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया से 23 करोड़ डॉलर और इंडसइंड बैंक से 14.5 करोड डॉलर का निवेश निकल सकता है। स्टॉक मार्केट के ट्रेंड को देखते हुए कहा जा सकता है कि सेंसेक्स में शामिल होने वाले स्टॉक के ट्रेडिंग वॉल्यूम और कीमत में ऐतिहासिक तौर पर उछाल आता रहा है। वही सेंसेक्स से बाहर होने वाले स्टॉक पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ता रहा है। मेघवानी का कहना है कि इस बदलाव के बाद सेंसेक्स में अल्ट्राटेक सीमेंट का वेटेज बढ़ने की भी संभावना बन गई है, जिससे इस शेयर में 40 लाख डॉलर का फ्रेश इन्वेस्टमेंट हो सकता है। दूसरी ओर, इस बदलाव की वजह से भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टूब्रो, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मास्यूटिकल्स, एक्सिस बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईटीसी, टीसीएस, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक का सेंसेक्स में वेटेज कम हो सकता है।

स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री से एटेन पेपर्स ने किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली।पैकेजिंग इंडस्ट्री के लिए काम करने वाली कंपनी एटेन पेपर्स एंड फोम लिमिटेड के शेयरों की फीकी लिस्टिंग ने आज इसके आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। कंपनी के शेयरों की पहले तो डिस्काउंट लिस्टिंग हुई, उसके तुरंत बाद बिकवाली के दबाव के कारण इन पर लोअर सर्किट लग गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 96 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 6.25 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 90 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव ये शेयर कुछ देर में ही फिसल कर 85.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को आज पहले दिन ही 10.94 प्रतिशत का नुकसान हो गया। एटेन पेपर्स एंड फोम लिमिटेड का 31.68 करोड़ रुपये का आईपीओ 13 से 17 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.49 गुना ही सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.66 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

तीन दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटे खरीदार, सेंसेक्स और निफ्टी में शानदार तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार 3 दिन तक कमजोरी का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज एक झटके में ही पूरे नुकसान की भरपाई कर ली। बाजार में आई तेजी के कारण सेंसेक्स जहां 82 हजार अंक के स्तर को पार कर गया, वहीं निफ्टी भी 25,100 अंक के ऊपर पहुंच कर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद पहले 1 घंटे तक मामूली उतार चढ़ाव के साथ कारोबार होता रहा। इसके बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा कैश मार्केट में खरीदारी शुरू कर देने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में जोरदार तेजी आ गई। आज के कारोबार के दौरान ही मिडिल ईस्ट में तनाव घटने का संकेत मिलने के कारण शाम 3 बजे के करीब खरीदारों ने एक बार फिर जोर लगाया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी ने दोबारा तेज छलांग लगा दिया। पूरे दिन की खरीद-बिक्री के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 1.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, मेटल, ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 447.61 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 442.81 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.80 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,094 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,463 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,486 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 145 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,583 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,755 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 828 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 29 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि सिर्फ एक शेयर गिरावट के साथ बंद हुआ। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 46 शेयर हरे निशान में और 4 शेयर लाल निशान में बंद हुए।बीएसई का सेंसेक्स आज 7.02 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 81,354.85 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद पहले घंटे के कारोबार के दौरान ये सूचकांक सीमित दायरे में मामूली उतार चढ़ाव के साथ कारोबार करता हुआ नजर आया। सुबह 10 बजे के बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों ने कैश मार्केट में जम कर खरीदारी शुरू कर दी, जिससे थोड़ी ही देर में सेंसेक्स उछल कर 82 हजार अंक के स्तर को पार कर गया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 1,132.62 अंक की तेजी के साथ 82,494.49 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई बिकवाली के कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर 1,046.30 अंक की मजबूती के साथ 82,408.17 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एफआईएच प्रो लीग में भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें बेल्जियम के खिलाफ मैदान में उतरेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के अंतिम चरण में भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें बेल्जियम के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। यूरोप दौरे पर वर्ल्ड कप क्वालीफिकेशन की उम्मीदों के साथ उतरी भारतीय टीमों का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। अब बची हुई दो मुकाबलों में टीमों की नजर सम्मानजनक जीत के साथ अभियान को समाप्त करने पर है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम लगातार छह हार के बाद अब मौजूदा दौर की सबसे मजबूत टीमों में से एक, बेल्जियम से भिड़ेगी। बेल्जियम ने हाल ही में स्पेन को 6-3 से हराया था, हालांकि उससे पहले वे उसी टीम से 1-2 से हार गए थे। बेल्जियम इस समय अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है, जबकि भारत आठवें स्थान पर फिसल चुका है। भारतीय टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह ने कहा, परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि हमने खराब हॉकी खेली है। असली दुख तब होता है जब आप अच्छा खेलें लेकिन नतीजे ना मिलें। इन दो मुकाबलों में हमारा लक्ष्य डिफेंस को मजबूत बनाना और स्कोरिंग के अवसर बनाना होगा भारतीय महिला टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि उनकी टीम दुनिया की तीसरे नंबर की टीम बेल्जियम के खिलाफ मुकाबले के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ÷ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों मुकाबले और अर्जेंटीना के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट तक गया मुकाबला हमारे लिए सीख देने वाले रहे। पिछली बार जब हम बेल्जियम से भिड़े थे, हमने उन्हें कोई आसान जीत नहीं दी थी। इस बार भी हम उसी आत्मविश्वास और तैयारी के साथ उतरेंगे।

हॉकी लीग : नेशनल स्पोर्टिंग ने केपीआईसी को 10-1 से हराया

प्रयागराज। नेशनल स्पोर्टिंग क्लब ने केपीआईसी को 10-1 से रौंदकर प्रथम हाफिज गजनफर उल्ला इलाहाबाद हॉकी लीग में पूरे अंक प्राप्त किये। वहीं दूसरे मैच में आनंद हॉकी एकेडमी के मैदान छोड़ देने के कारण उत्तर मध्य रेलवे को विजेता घोषित किया गया मजीदिया इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान पर खेले गये पहले मैच में नेशनल स्पोर्टिंग क्लब ने केपीआईसी को 10-1 से हराया। विजेता टीम के लिए फहद और शाहबाज अली ने तीन-तीन, रैय्यान खान, मोहम्मद सैफ, अरबाज खान और जैद खान ने एक-एक गोल किया। केपीआईसी के लिए एक मात्र गोल आदित्य भारतीय ने किया। मैच में शाहबाज और राहुल निर्णायक रहे। दूसरे मैच में उत्तर मध्य रेलवे और आनंद हॉकी एकेडमी की टीम 1-1 की बराबरी पर चल रही थी। उत्तर मध्य रेलवे के शोएब आलम और आनंद हॉकी एकेडमी के शौर्यजीत ने गोल किया। लेकिन मैच समाप्त होने से पांच मिनट पहले रेफरी के निर्णय से नाखुश होकर आनंद हॉकी एकेडमी ने आगे मैच खेलने से इनकार कर दिया। पांच मिनट इंतजार के बाद निर्णायकों ने उत्तर मध्य रेलवे को विजेता घोषित कर दिया।

सोपोर, नेहलपोरा में अंतर-विद्यालय प्रतियोगिताएं आयोजित

बारामूला। युवा सेवा एवं खेल, बारामूला ने जिले भर में अंतर-विद्यालय क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन करके जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी है। खेल आयोजनों की इस श्रृंखला में जोन सोपोर और जोन नेहलपोरा ने क्रमशः हैंडबॉल और खो-खो में चयन ट्रायल और प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक आयोजित कीं। जोन सोपोर ने सुंदर खुशाल स्टेडियम, सोपोर में अंडर-14 और अंडर-17 लड़कियों के लिए अंतर-विद्यालय क्षेत्रीय स्तर की हैंडबॉल प्रतियोगिता आयोजित की। इस कार्यक्रम में 10 स्कूलों की उत्साही भागीदारी देखी गई क्योंकि युवा लड़कियों ने चयन ट्रायल के दौरान अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य अगले स्तर के टूर्नामेंट के लिए सबसे होनहार खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट करना था जिससे प्रतिभागियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टीम भावना की भावना को बढ़ावा मिले। इसके साथ ही जोन नेहलपोरा ने हायर सेकेंडरी स्कूल नेहलपोरा में अंडर-17 लड़कों के लिए अंतर-विद्यालय क्षेत्रीय स्तर की खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जोन के विभिन्न सरकारी और निजी स्कूलों के लगभग 50 छात्रों ने भाग लिया।

अंडर 23 क्रिकेट टीम के लिए 22 जून को होंगे ट्रायल्स

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अंडर-23 क्रिकेट टीम (मेन) के चयन के लिए 22 जून को ट्रायल आयोजित किए जा रहे हैं। ट्रायल प्रक्रिया ऊना जिला के इंदिरा स्टेडियम में पूरी की जाएगी। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने बताया कि ट्रायल में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी खिलाड़ी हिमाचली बोनाफाइड होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रायल में एक सितंबर 2002 को या इसके बाद पैदा हुए युवा ही हिस्सा ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रायल्स में वही खिलाड़ी हिस्सा ले पाएंगे जो एचपीसीए के साथ पंजीकृत हैं। ट्रायल्स के दौरान खिलाड़ियों को जन्मतिथि प्रमाण पत्र, 10वीं का प्रमाणपत्र, बोनाफाइड और आधारकार्ड साथ लाने होगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए होने जा रहे यह ट्रायल्स 22 जून को सुबह नौ बजे से शुरू होंगे। खिलाड़ियों को अपना किट साथ लाना होगा।

स्कॉटलैंड ने नेपाल को 34 रन से हराकर त्रिकोणीय टी 20 सीरीज जीता

एजेंसी

ग्लासगो। त्रिकोणीय टी20 सीरीज के अंतिम मुकाबले में स्कॉटलैंड ने नेपाल को 34 रन से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस सीरीज में नीदरलैंड्स भी शामिल था और तीनों टीमों ने चार में से दो मुकाबले जीते, लेकिन स्कॉटलैंड ने बेहतर नेट रन रेट के दम पर सीरीज जीत ली। मैच में स्कॉटलैंड की शुरुआत आक्रामक रही। ओपनर जॉर्ज मुंसी और नंबर 3 बल्लेबाज ब्रैंडन मैकमुलेन के बीच 100 रन की साझेदारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। मुंसी ने 39 गेंदों पर 78 रन बनाए, जिसमें उन्होंने कई चौके और छक्के जड़े। वहीं मैकमुलेन ने 42 रनों का योगदान दिया। स्कॉटलैंड ने 10 रन प्रति ओवर की गति से रन बनाते हुए कुल 193/5 का स्कोर खड़ा किया। अंत में माइकल लिस्क (26*)

और मैथ्यू क्रॉस (17*) ने अंतिम तीन ओवरों में 35 रन जोड़कर स्कोर को मजबूती दी। नेपाल की शुरुआत लड़खड़ाती रही और 5.1 ओवर में ही उसके चार विकेट गिर चुके थे। कुशल भुर्टेल पहले ही ओवर में आउट हो गए, जबकि भीम शार्की और आरिफ शेख को सफयान शरीफ ने पवेलियन भेजा। आसिफ शेख रन आउट हो गए। हालांकि दीपेंद्र सिंह ऐरी ने नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में 34 रन बनाए और कुछ समय तक संघर्ष किया। इस मैच में वह नेपाल के सबसे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी बने। लेकिन ऐरी के आउट होते ही नेपाल की उम्मीदें भी लगभग खत्म हो गईं। लेग स्पिनर क्रिस ग्रीव्स ने 3 विकेट झटकते हुए नेपाल की कमर तोड़ दी। उन्होंने ऐरी के अलावा संदीप लामिछाने और रिजन ढकाल को भी आउट किया। हालांकि निचले क्रम पर रुपेश सिंह ने 22 गेंदों में 43 रनों की तेज पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई सहयोग नहीं मिला और नेपाल की पूरी टीम 19वें ओवर में 159 रन पर सिमट गई।

स्कोरकार्डः

स्कॉटलैंडः 193/5 (मुंसी 78, मैकमुलेन 42, भुर्टेल 2/20)

नेपालः 159 ऑल आउट (रुपेश 43*, ऐरी 34, ग्रीव्स 3/27, शरीफ 2/7)

परिणामः स्कॉटलैंड ने नेपाल को 34 रन से हराया

श्रृंखला की समाप्तिः

स्कॉटलैंड - 2 जीत (श्रेष्ठ नेट रन रेट के साथ शीर्ष)

नेपाल - 2 जीत (दूसरे स्थान पर)

नीदरलैंड - 2 जीत (तीसरे स्थान पर)

मिक्स्ड डिसएबिलिटी टी20 सीरीज़ के लिए तैयार भारत, पहला मुकाबला

एजेंसी

टॉनटन (यूके)। मुख्य भारतीय क्रिकेट टीम को तो आप सभी ने बहुत प्यार दिया है, लेकिन अब समय भारत के उन शूर वीरों का समर्थन करने का है, जिन्होंने अपनी सभी कमियों को दरकिनार कर विदेश में तिरंगा लहराने की ठान रखी है। भारत की मिक्स्ड डिसएबिलिटी क्रिकेट टीम पहली बार दूसरे देश में इंग्लैंड के साथ मिक्स्ड डिसएबिलिटी टी20 सीरीज़ खेलने जा रही है। साथ ही मैचों की इस मिक्स्ड डिसएबिलिटी वाइटैलिटी टी20 सीरीज का आगाज़ शनिवार, 21 जून को समरसेट काउंटी क्रिकेट क्लब के घरेलू मैदान टॉनटन में होगा। इस ऐतिहासिक सीरीज का फाइनल मुकाबल तीन जुलाई को ब्रिस्टल में शाम 6:30 बजे से खेला जाएगा। मुंबई के रविंद्र गोपीनाथ शांते की अगुवाई में भारत की मिक्स्ड डिसएबिलिटी टीम 15 जून को इंग्लैंड पहुंच चुकी है। इस 16 सदस्यीय टीम का चयन डिफरेंटली-एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) द्वारा किया गया है। जिसके उपकप्तान वीरेंद्र सिंह, जबकि मुख्य कोच पूर्व राजस्थान कप्तान रोहित झलानी हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा मंजूरी प्राप्त इस टीम में 06 मूक-बधिर, 06 शारीरिक रूप से दिव्यांग और 04 बौद्धिक रूप से विकलांग खिलाड़ियों को जगह दी गई है। इस बारे में डीसीसीआई के महासचिव रवि चौहान ने कहा, हम इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और बीसीसीआई का तहेदिल से धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने हमें इस दौरे के लिए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों जैसी सभी सुविधाएं प्रदान की हैं। हम इस दौरे के सभी मैच इंग्लैंड के प्रथम श्रेणी मैदानों पर खेल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने इस दौरे के लिए हमारा पूरा सहयोग किया है। हम आशा करते हैं कि आईसीसी अध्यक्ष के रूप में भी वे इस प्रारूप को समर्थन देंगे।

कल्याण चौबे का भूटिया पर पलटवारः भूटिया ने जानबूझकर एआईएफएफ की छवि को धूमिल करने के लिए लगाए बेबुनियाद आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया के हालिया आरोपों पर कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने भूटिया के बयानों को निराधार और संगठन की छवि को खराब करने वाला बताया है। गौरतलब है कि बाईचुंग भूटिया ने कलकत्ता स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स क्लब में एक प्रेस वार्ता के दौरान कल्याण चौबे पर राजनीतिक लाभ के लिए एआईएफएफ के पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था, यह पहली बार है जब एआईएफएफ का कोई अध्यक्ष राजनीतिक लाभ के लिए विपक्षी नेता को पद की पेशकश कर रहा है। इससे न केवल एआईएफएफ के अध्यक्ष पद की गरिमा घटी है, बल्कि इससे उनकी पार्टी की छवि भी खराब हो रही है। भूटिया ने आगे कहा कि 2022 में हुए एआईएफएफ चुनावों के दौरान जिन लोगों ने चौबे का समर्थन किया था, वे अब पछता रहे हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर आगामी चुनाव निष्पक्ष और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होंगे, तो वे फिर से चुनाव लड़ने पर विचार कर सकते हैं। भूटिया ने एआईएफएफ और इसके मार्केटिंग

पार्टनर एफएसडीएल (फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड) के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट को लेकर हुई बातचीत की आलोचना करते हुए कहा, जो लोग एफएसडीएल से डील करने जा रहे हैं, वे सिर्फ चाय-पिज्जा खाकर वापस आ रहे हैं। उन्हें खुद यह नहीं पता कि उन्होंने प्रस्ताव में क्या रखा। उन्होंने पूर्व गोलकीपर सुब्रत पॉल को राष्ट्रीय टीम के डायरेक्टर बनाए जाने और कोच मनोलो मार्केज़ के ऊपर निगरानी रखने को भी हास्यास्पद करार दिया। उन्होंने कहा,आप एक सफल कोच लाते हैं और फिर एक खिलाड़ी को उस पर निगरानी के लिए बैठा देते हैं, यह उस कोच का अपमान है, ओसीआई (विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों) खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने के मुद्दे पर भूटिया ने कहा कि यह विचार नया नहीं है और पहले भी प्रयास किए गए हैं, लेकिन यह सरकारी नीति पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, कल्याण चौबे पिछले तीन साल में इस दिशा में कोई प्रयास नहीं कर सके और अब अचानक ओसीआई पर बात करने लगे हैं। यह सिर्फ अपनी नाकामी छिपाने की कोशिश है। बाईचुंग के आरोपों के बाद एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने आधिकारिक बयान जारी कर प्रतिक्रिया दी।

लिवरपूल ने फ्लोरियन विर्ट्ज़ को बायर लेवरकुसेन से किया साइन

एजेंसी

लंदन। प्रीमियर लीग चैंपियन लिवरपूल ने जर्मनी के स्टार फॉरवर्ड फ्लोरियन विर्ट्ज़ को बायर लेवरकुसेन से साइन कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह डील 116 मिलियन पाउंड (करीब 156 मिलियन डॉलर) में हुई है, जो ब्रिटिश फुटबॉल इतिहास की सबसे महंगी डील बन गई है। 22 वर्षीय विर्ट्ज़ को यूरोपीय फुटबॉल के सबसे प्रतिभाशाली युवाओं में गिना जाता है। उन्होंने 2023/24 सीज़न में बायर लेवरकुसेन को न केवल क्लब के इतिहास का पहला बुंदेसलीगा खिताब जिताया, बल्कि जर्मन कप भी दिलाया - वो भी पूरे सीजन एक भी मैच हारे बिना। साइनिंग के बाद विर्ट्ज़ ने कहा, मैं बहुत खुश और गर्व महसूस कर रहा हूं। लंबे समय से इंतजार कर रहा था और अब जब यह पूरा हो गया है, तो यह मेरे लिए बहुत खास है। उन्होंने आगे कहा,मेरे लिए यह एक नया रोमांचक अध्याय है। मैं कुछ नया चाहता था - बुंदेसलीगा से बाहर निकलकर प्रीमियर लीग में कदम रखना चाहता था। मैंने कुछ ऐसे खिलाड़ियों से बात की जो यहां खेल चुके हैं, उन्होंने कहा कि यह

मेरे लिए एकदम सही जगह है। हर मैदान पर खेलने में मज़ा आता है और मैं अपने पहले मैच का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। विर्ट्ज़ के पास लेवरकुसेन के साथ अब भी दो साल का कॉन्ट्रैक्ट बाकी था, लेकिन उन्हें बायर्न म्यूनिख और मैनचेस्टर सिटी से भी जोड़कर देखा जा रहा था। खासकर सिटी उन्हें केविन डी ब्रुएना के संभावित विकल्प के तौर पर देख रही थी। फ्लोरियन विर्ट्ज़ लिवरपूल के नए मैनेजर आर्ने स्लॉट की दूसरी बड़ी गर्मियों की साइनिंग हैं। वह लेवरकुसेन के पूर्व साथी जेरेमी फ्रिमपोंग से एक बार फिर जुड़ेंगे, जिन्हें क्लब पहले ही साइन कर चुका है।इस डील से यह साफ हो गया है कि लिवरपूल नए युग की शुरुआत करने जा रहा है - युवा, ऊर्जावान और खिताबों के लिए बेताब।

ब्रिट्स की नाबाद 98 रनों की पारी, दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को पहले टी20 में 50 रनों से हराया

एजेंसी

केव हिल (बारबाडोस)। दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज़ तज़मिन ब्रिट्स ने शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए करियर की सर्वश्रेष्ठ 98 रनों की नाबाद पारी खेली और अपनी टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 50 रन की बड़ी जीत दिलाई। ब्रिट्स ने महज 63 गेंदों में 9 चौकों और 4 छक्कों की मदद से यह पारी खेली। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 183 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर सिर्फ 133 रन ही बना सकी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान

लौरा वोल्वार्ड्ट और अनुभवी मैरिज़ान कैप पांच ओवर के अंदर ही पवेलियन लौट गईं, दोनों विकेट युवा गेंदबाज़ जाहज़ारा क्लैक्सटन ने लिए। हालांकि इसके बाद ब्रिट्स और नादिन डी क्लार्क ने तीसरे विकेट के लिए तेज़ 71 रनों की साझेदारी की। डी क्लार्क 21 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि मध्यक्रम में कोई बड़ी पारी देखने को नहीं मिली, लेकिन क्लो ट्रायॉन ने 9 गेंदों में 16 रन की तेज पारी खेली। अंत तक एक छोर संभालते हुए ब्रिट्स ने दक्षिण अफ्रीका को मज़बूत स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत तेज़ रही, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे।

पॉवरप्ले में टीम ने 47 रन बनाए, जो दक्षिण अफ्रीका से ज़्यादा थे, लेकिन 3 विकेट गंवा दिए, जिनमें कप्तान हेली मैथ्यूज का विकेट भी शामिल था। आठवें ओवर तक टीम के पांच विकेट गिर चुके थे। इसके बाद चिनेल हेनरी और जानीलिया ग्लासगो ने छठे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी कर कुछ संघर्ष जरूर दिखाया, लेकिन रन गति कम रहने के कारण वे लक्ष्य से बहुत पीछे रह गए।

ब्रिलियंट बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स की बड़ी जीत, चेन्नई बुल्स को जीएमआर आरपीएल सीज़न 1 में पहली हार का सामना करना पड़ा

एजेंसी

मुंबई। भारतीय खेलों में चेन्नई और बेंगलुरु की टीमें पारंपरिक रूप से एक तीव्र प्रतिद्वंद्विता रखती हैं और शुक्रवार शाम मुंबई के शाहाजी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) में जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग के दौरान यह कहानी फिर से दोहराई गई। फॉर्म में चल रही ब्रेवहार्ट्स टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 26-0 से जीत दर्ज की और चेन्नई बुल्स को सीज़न की पहली हार का स्वाद चखाया। यह जीएमआर आरपीएल सीज़न 1 में पहली बार है, जब किसी टीम ने विपक्षी को स्कोर करने से पूरी तरह रोका है।जीएमआर आरपीएल के पहले हफ्ते की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक मानी जा रही इन दोनों टीमों के बीच पहला हाफ काफी रोमांचक रहा, जिसमें आखिरी पलों में टैकल और दोनों टीमों द्वारा शानदार काउंटर अटैक देखने को मिले। पहले हाफ में कोई स्कोर नहीं हुआ, लेकिन दूसरे हाफ में बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स ने चेन्नई बुल्स की डिफेंस को तोड़ते हुए पहला ट्राय किया।

ब्रेवहार्ट्स के आक्रमण की कमान लिआम पॉल्टन के हाथों में थी, जिन्होंने दूसरे हाफ में दो ट्राय किए, और उन्हें पोल प्ला ने तीसरा ट्राय जोड़कर पूरा साथ दिया। अंतिम सीटी से ठीक पहले फिलिप वोकोराच ने चौथा ट्राय किया, जबकि अकुइला रोकोलिसोआ ने चार में से तीन किक्स को कन्वर्ट किया।

नीरज चोपड़ा ने दो साल बाद जीता पहला डायमंड लीग खिताब

एजेंसी

पेरिस/नई दिल्ली। भारत के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर विश्व मंच पर अपना लोहा मनवाया। उन्होंने पेरिस के शारलेती स्टेडियम में आयोजित डायमंड लीग मीट में शुक्रवार (भारतीय समयानुसार शनिवार) को शानदार प्रदर्शन करते हुए दो साल बाद अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता। नीरज ने अपने पहले ही प्रयास में 88.16 मीटर दूर भाला फेंककर बढ़त बना ली, जो अंत तक कायम रही और उन्हें विजेता घोषित किया गया। यह उनके सीजन का दूसरा डायमंड लीग इवेंट था। इससे पहले उन्होंने मई में दोहा में हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने पहली बार 90 मीटर की दूरी पार करते हुए 90.23 मीटर भाला फेंका था, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है। जर्मनी के जूलियन वेबर, जिन्होंने नीरज को इस साल दोहा डायमंड लीग और पोलैंड में जनुज़ कुशोचिंस्की मेमोरियल में हराया था, इस बार

87.88 मीटर की दूरी के साथ दूसरे स्थान पर रहे। ब्राजील के लुइज मौरिसियो दा सिल्वा ने 86.62 मीटर का प्रयास कर तीसरा स्थान हासिल किया और अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अमेरिका का नया रिकॉर्ड भी बनाया।

ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स, जिनसे कड़ी टक्कर की उम्मीद थी, 80.29 मीटर की सर्वश्रेष्ठ कोशिश के साथ पांचवें स्थान पर रहे। वहीं त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशोर्न वॉलकॉट ने 81.66 मीटर फेंककर चौथा स्थान प्राप्त किया। नीरज के लिए यह पेरिस डायमंड लीग में आठ साल बाद वापसी थी। पिछली बार वह 2017 में एक जूनियर वर्ल्ड चैंपियन के रूप में इस प्रतियोगिता में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने 84.67 मीटर भाला फेंककर पांचवां स्थान

भारत के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर विश्व मंच पर अपना लोहा मनवाया।

हासिल किया था। नीरज चोपड़ा का अगला मु ाबला अब 24 जून को चेक गणराज्य में होने वाले ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2025 एथलेटिक्स मीट में होगा। इसके बाद 5 जुलाई को वह बेंगलुरु में 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' के पहले संस्करण की मेज़बानी करेंगे, जो वर्ल्ड एथलेटिक्स की कैटेगरी-ए की प्रतियोगिता है।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय-2 जम्मू छावनी में संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

जम्मू। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 जम्मू में आज संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इसका आयोजन दिनांक 20/6/2025 से दिनांक 23/6/2025 तक होना सुनिश्चित है। 20-21 जून को बालिका वर्ग हेतु व 22-23 जून को बालक वर्ग हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का निर्धारण किया गया है। जम्मू संभाग के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के लगभग 180 प्रतिभागी व अनुरक्षक विद्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे। इनमें कुल 42 बालिकाएं तथा 138 बालक विभिन्न प्रतियोगिताओं में आज से अपना दम खम दिखाएंगे। विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार यादव ने माता सरस्वती की अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

शुभमन गिल ने रचा इतिहास, टेस्ट कप्तान के तौर पर डेब्यू में शतक जड़ने वाले पांचवें भारतीय बल्लेबाज बने

एजेंसी

लीड्स। भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में कप्तान के रूप में पदार्पण करते हुए शानदार शतक जड़कर इतिहास रच दिया। वह टेस्ट कप्तान के तौर पर डेब्यू में शतक लगाने वाले भारत के पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं।गिल ने यह शतक हेडिंग्ले में खेले जा रहे मुकाबले के पहले दिन बनाया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने विजय हज़ारे, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और विराट कोहली की सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। गिल 127 रन बनाकर नाबाद हैं। पहले दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने 3 विकेट पर 359 रन बना लिए हैं। यह गिल के टेस्ट करियर का छठा शतक है और एशिया के बाहर उनका पहला। इससे पहले विदेश में उनका सर्वोच्च स्कोर 91 रन था, जो उन्होंने 2021 में ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाया था।

गिल अब तक 7 अर्धशतक भी लगा चुके हैं।

भारतीय टेस्ट कप्तान के तौर पर डेब्यू में शतक लगाने वाले बल्लेबाजः

विजय हज़ारे - 164* बनाम इंग्लैंड (दिल्ली, 1951)

सुनील गावस्कर - 116 बनाम न्यूज़ीलैंड (ऑकलैंड, 1976)

दिलीप वेंगसरकर - 102 बनाम वेस्टइंडीज (दिल्ली, 1987)

विराट कोहली - 115 और 141 बनाम ऑस्ट्रेलिया (एडिलेड, 2014) शुभमन गिल - 127* बनाम इंग्लैंड (लीड्स, 2025)

इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग 2025:श्रीकांत डी बने नए चैंपियन, कमली मूर्ति की दोहरी बादशाहत बरकरार

एजेंसी

मंगलुरु। तमिलनाडु के सर्फर्स ने एक बार फिर अपने दबदबे का प्रदर्शन करते हुए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग 2025 में चारों कैटेगरी पर कब्जा जमाया। पुरुषों की ओपन कैटेगरी में श्रीकांत डी ने खिताब जीतकर पहली बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया, वहीं कमली मूर्ति ने महिलाओं की दोनों श्रेणियों-ओपन और ग्रोम्स गर्ल्स (अंडर-16)-में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। ग्रोम्स बॉयज़ (अंडर-16) में प्रह्लाद श्रीराम ने कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट सर्फिंग स्वामी फाउंडेशन द्वारा आयोजित, मंत्रा सर्फ क्लब द्वारा होस्ट और सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के तत्वावधान में संपन्न हुआ।

श्रीकांत डी ने रचा इतिहास

पिछले साल उपविजेता रहे श्रीकांत डी ने इस बार शानदार वापसी करते हुए पुरुषों की ओपन कैटेगरी में 14.63 अंकों के साथ खिताब अपने नाम किया। राष्ट्रीय चैंपियन रमेश बुडिलाल 11.87 अंकों के साथ दूसरे, जबकि सिवराज बाबू (9.77) और संजय सेल्वमणि (7.07) क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहे।

कमली मूर्ति का दोहरा जलवा

तमिलनाडु की कमली मूर्ति ने महिलाओं की सर्फिंग में अपना वर्चस्व कायम रखते हुए ओपन और ग्रोम्स गर्ल्स (अंडर-16) दोनों वर्गों में खिताबी जीत दर्ज की। महिला ओपन फाइनल में उन्होंने 13.33 स्कोर के साथ शुगर शांति बनारसे (10.50) को हराया।

ग्रोम्स गर्ल्स फाइनल में उन्होंने पूरे टूर्नामेंट का सर्वोच्च स्कोर–15.50–हासिल किया और आद्या सिंह (2.36) व सान्वी हेगड़े (2.20) को बड़े अंतर से मात दी।

युवा प्रतिभा का दमखम

ग्रोम्स बॉयज़ (अंडर-16) कैटेगरी में तमिलनाडु के प्रह्लाद श्रीराम ने 11.06 अंकों के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा में जीत दर्ज की। हरिश पी (9.67) और सोम सेठी (9.30) ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान पाया, जिससे देश में उभरती हुई युवा सर्फिंग प्रतिभाओं की गहराई का आभास हुआ।

मौसम से जंग जीतकर हुआ आयोजन

यह इवेंट मूल रूप से 30 मई से 1 जून के बीच आयोजित होना था, लेकिन शुरुआती मानसून और चक्रवातीय हालात के कारण इसे टालना पड़ा। आयोजकों ने खिलाड़ियों की सुरक्षा और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए प्रतियोगिता को बंद दरवाजों के पीछे, केवल प्रतिभागियों और अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया।

आयोजन की सफलता पर आयोजकों की प्रतिक्रिया सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष और मंत्रा सर्फ क्लब के निदेशक रममोहन परांजपे ने कहा, हालांकि हमें प्रारंभिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन अंततः हम इस प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक आयोजित कर सके। इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग राष्ट्रीय चैंपियनशिप सीरीज़ का महत्वपूर्ण चरण है और इसे रद्द करना खिलाड़ियों की रैंकिंग को प्रभावित करता। हम सभी विजेताओं को बधाई देते हैं और हर खिलाड़ी की खेल भावना और समर्पण की सराहना करते हैं।

ये स्कॉलरशिप करेंगे आपके विदेश अध्ययन का सपना पूरा

ग्लोबल एजुकेशन एक छात्र के जीवन को बदल सकती है, यही वजह है कि हर साल लाखों छात्र विदेशों में पढ़ते हैं। यह उनके लिए नए अवसर और नए आयाम लेकर आता है। इन अवसरों तक पहुंचने के लिए छात्रों को स्कॉलरशिप के रूप में कुछ राशि दी जाती है ताकि वे विदेशों में जाकर पढ़ाई करें और अपने सपने साकार करें। ये स्कॉलरशिप कुछ खास टेस्ट के बाद दिए जाते हैं या मेरिट के आधार पर भी प्रदान किए जाते हैं। आइए इस लेख के माध्यम से जानते हैं कि उन स्कॉलरशिप के विषय में जो छात्रों की मदद करते हैं।

इरास्मस मुंडस ज्वाइंट मास्टर डिग्री

यह एक इंटरनेशनल स्टडीज प्रोग्राम है जो यूरोप और बाकी दुनिया के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए यूरोपियन यूनियन द्वारा बनाया गया है। यह प्रोग्राम कॉलेज में ज्वाइंट मास्टर डिग्री हासिल करने के इच्छुक सभी छात्रों के लिए इरास्मस मुंडस के माध्यम से उपलब्ध है। इरास्मस यूरोप और यूके में दी जाने वाली सबसे बड़ी स्कॉलरशिप है जिसमें ट्रैवल अलाउंस और मासिक भत्ते सहित सभी लागतों को कवर किया जाता है। सितंबर में इस प्रोग्राम के लिए फॉर्म उपलब्ध होते हैं।

ओंटारियो ट्रिलियम

यह हर साल सात व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने अपनी मास्टर की पढ़ाई पूरी कर ली है और अपनी अंतिम दो परीक्षाओं में औसतन 80% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। ओंटारियो, कनाडा में डॉक्टरेट करने के इच्छुक लोगों के लिए स्कॉलरशिप उपलब्ध हैं। अगस्त और सितंबर माह में इस प्रोग्राम के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरा जा सकता है।

वानियर कनाडा ग्रेजुएट

वानियर कनाडा ग्रेजुएट उन लोगों के लिए उपलब्ध है जो एक कैनेडियन इंस्टीट्यूट से नेशनल साइंस, हेल्थ रिसर्च, इंजीनियरिंग रिसर्च और सोशल साइंस के फील्ड में डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं। जुलाई से नवंबर तक इस प्रोग्राम के लिए एप्लीकेशन फॉर्म उपलब्ध होते हैं।

ऑक्सफोर्ड एंड कैंब्रिज सोसायटी ऑफ इंडिया

सभी शैक्षणिक स्तरों के छात्रों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसका लक्ष्य है ऑक्सफोर्ड या कैमब्रिज जैसे कॉलेजों में आगे की शिक्षा प्राप्त करने में भारतीय छात्रों को फाइनेंशियल सहायता देकर सक्षम बनाना है। छात्र ध्यान दें कि आवेदकों की आयु 30 वर्ष होनी चाहिए और इसके लिए मई महीने में अप्लाई किया जा सकता है।

टाटा स्कॉलरशिप कॉर्नेल यूनिवर्सिटी

जो छात्र बिना फाइनेंशियल दिक्कतों के कॉर्नेल यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेकर पढ़ना चाहते हैं उनके लिए टाटा स्कॉलरशिप फंड डिजाइन किया गया है। छात्रों को ग्रेजुएशन की अवधि के लिए स्कॉलरशिप वार्षिक रूप में दी जाएगी। इस प्रोग्राम के लिए छात्र अक्टूबर-नवंबर की महीने में अप्लाई कर सकते हैं।

आईएएस-आईपीएस बनने के लिए कितनी देर पढ़ना जरूरी? एग्जाम क्लियर करने की महत्वपूर्ण टिप्स

सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे कठिन परीक्षा है। हर साल हजारों उम्मीदवार परीक्षा को पास करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। इसके लिए केवल तैयारी की आवश्यकता नहीं होती है। इस परीक्षा के लिए तैयारी के साथ-साथ सही रणनीति की भी जरूरत होती है।

संघ लोक सेवा आयोग हर साल कई सरकारी विभागों के पदों पर भर्तियां करता है। सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे कठिन परीक्षा है। इसके लिए केवल तैयारी की आवश्यकता नहीं होती है। इस परीक्षा के लिए तैयारी के साथ-साथ सही रणनीति की भी जरूरत होती है। एक अच्छी रणनीति परीक्षा में आपकी सफलता निश्चित कर सकती है। सिविल सेवा परीक्षा में 3 चरण होते हैं: प्रारंभिक परीक्षा (उद्देश्य), मुख्य परीक्षा (लिखित) और साक्षात्कार (व्यक्तित्व परीक्षण)। हर साल, हजारों उम्मीदवार परीक्षा को पास करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।

6 से 7 घंटे पढ़ाई करें

अगर आप नौकरी करते हैं तो ऐसे में दिनभर की थकान की वजह से एक साथ 5 से 6 घंटे पढ़ पाना मुश्किल होता है। ऐसे में यूपीएससी की तैयारी के लिए पढ़ाई को दो हिस्सों में बांट लें। आप सुबह 2 से 3 घंटे पढ़ाई करें और बाकी पढ़ाई शाम को पूरी करें।

पढ़ाई के बीच ब्रेक लेना जरूरी

पढ़ाई के बीच में ब्रेक लेना जरूरी होता है। फिर 25 मिनट की पढ़ाई के बाद आपको पांच मिनट का ब्रेक लेना चाहिए। इससे आपको थकान नहीं होगी और ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। वीकेंड पर आप 8 से 10 घंटे तक पढ़ सकते हैं।

ऑफिस और पर्सनल टाइम के बीच बैलेंस

अगर आप यूपीएससी की तैयारी करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको नौकरी छोड़ने की जरूरत नहीं है। आपको बस अपने ऑफिस और पर्सनल टाइम के बीच बैलेंस बनाना होगा। इससे आप नौकरी के साथ यूपीएससी की अच्छी तैयारी कर सकेंगे।

9 से 10 महीने का प्लान बनाएं

यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा की तैयारी के लिए आपको कम से कम 9 से 10 महीने का प्लान बनाना होगा। इस दौरान आप अपने मुख्य विषयों जैसे इतिहास, राजनीति और अर्थशास्त्र को मजबूत करने पर ध्यान दें। पहले की छह महीनों के लिए प्रीलिम्स और मेंस दोनों परीक्षाओं को ध्यान में रखकर पढ़ाई करें।

पैटर्न का अध्ययन करें

उम्मीदवारों को पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को जरूर देखना चाहिए। यह प्रश्नों के प्रकार को निर्धारित करने में मदद करता है, और तैयारी के लिए उपयुक्त स्टडी मटेरियल चुनने में मदद करता है। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों के विश्लेषण से पाठ्यक्रम को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है और उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलती है जिनसे अधिक प्रश्न पूछे गए हैं। उम्मीदवारों के लिए अभ्यास परीक्षण काम में आते हैं। ये परीक्षण न केवल मुख्य परीक्षा की तैयारी में सभी उम्मीदवारों की मदद करते हैं, बल्कि टाइम मैनेजमेंट सीखने में भी मदद करते हैं। दैनिक आधार पर लिखने का अभ्यास करें। एक अखबार या पाठ्यक्रम के एक विषय से एक संपादकीय उठाएं, और उस पर एक प्रश्न फ्रेम करें और उसका उत्तर लिखें।

क्या जल्दी-जल्दी नौकरियां बदलना है सही? क्या हो सकते हैं फायदे और नुकसान

क्या आप बहुत जल्दी-जल्दी नौकरियां बदल रहे हैं या बदले की चाह रखते हैं तो यह जान लीजिए कि इससे कंपनी को आपकी कुछ आदतों के विषय में पता चलता है। ऐसा करने से कंपनी को लगता है कि आप अच्छी सैलरी और पॉजिशन की चाह रखते हैं या नौकरी को लेकर आप गंभीर नहीं हैं। हालांकि इसमें कोई दो राय नहीं कि डेवलपमेंट के लिए सभी जगहों के कार्य का एक्सपीरियंस होना बेहद जरूरी है। किसी भी करियर में एक अवधि ऐसी भी होनी चाहिए जहां आप खुद को जांच सकें कि अगर आपको मदद करने वाला वातावरण मिले, तो आपका प्रदर्शन कैसा होगा। कंपनी किसी को भी हायर करने से पहले कुछ खास संकेतों का ध्यान रखती है जिसपर आपका करियर निर्भर कर सकता है। नीचे उन संकेतों के उदाहरण दिए गए हैं-

- एक कर्मचारी काम के दौरान लिए गए गलत निर्णयों के आधार पर या काम से बचने के लिए भी बार-बार जॉब बदल सकते हैं। अक्सर ऐसा होता है कि बड़े लेवल पर कोई निर्णय लेने में समय लगता है। उस निर्णय के आने तक कर्मचारी कंपनी में रूकेगा।
- अगर कंपनी छोड़ने वाले के पास कोई बड़ा कारण न हो तो बार-बार चेंज करने पर कंपनी यह सोचती है कि वह एक ऐसा कर्मचारी है जिस पर पूरी तरह से निर्भर नहीं हुआ जा सकता है।
- इंडस्ट्री के एक्सपर्ट मानते हैं कि करियर में ब्रेक लेना पॉजिटिव है लेकिन केवल सैलरी और अच्छी पोजीशन इसके पीछे कारण न हो।
- इसके साथ ही शॉर्ट कॉन्ट्रैक्ट के पूरा हो जाने, ट्रेवलिंग, खुद का काम आदि जैसे कार्यों को पूरा करने के लिए करियर में ब्रेक लेना हो तो यह पॉजिटिव रूप में कार्य करेगा।
- चयन करते समय कंपनी ध्यान देती है कि अगर उम्मीदवार किसी भी तरीके से पिछली कंपनी के बारे में नेगेटिव बातें करता है तो यह भी आपकी छवि को कम करने का कार्य करता है।

साइकोलॉजी पढ़ने वाले छात्र इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

साइकोलॉजी विविध दृष्टिकोणों से मानव व्यवहार और मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है। यह मानवीय धारणा, सीखने, भावनाओं और स्थितियों की प्रतिक्रियाओं को समझने के लिए साइंटिफिक तरीकों का इस्तेमाल करता है। एक साइकोलॉजिस्ट के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य बनाया जा सकता है, जिसमें क्लिनिकल साइकोलॉजी, इंडस्ट्रियल साइकोलॉजी और ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर, स्कूल साइकोलॉजी, फोरेंसिक साइकोलॉजी, स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, रिहैबिलिटेशन, कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस और कई अन्य शामिल हैं। इसके अलावा, इन सभी क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान साइकोलॉजी के छात्रों के लिए एक नई ऊर्जा के रूप में हो सकती है। आइए जानते हैं कैसे और किन क्षेत्रों में बनाया जा सकता है करियर। नीचे दिए गए शैक्षिक योग्यताओं के साथ साइकोलॉजिस्ट बना जा सकता है.

- एक विषय के रूप में साइकोलॉजी के साथ या उसके बिना 10+2 स्तर।
- साइकोलॉजी ऑनर्स में ग्रेजुएशन डिग्री।
- नैदानिक मनोविज्ञान/औद्योगिक मनोविज्ञान और संगठनात्मक व्यवहार/ स्कूल या शिक्षा मनोविज्ञान/ स्वास्थ्य मनोविज्ञान/ संज्ञानात्मक मनोविज्ञान/ सामाजिक मनोविज्ञान/ प्रायोगिक मनोविज्ञान में विशेषज्ञता के साथ मनोविज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री।

- साइकोलॉजी के विशिष्ट क्षेत्रों में ऑप्शनल पीजी डिप्लोमा कोर्स।
- क्लिनिकल साइकोलॉजी में ऑप्शनल एमफिल डिग्री।
- साइकोलॉजी के एक विशेष क्षेत्र में डॉक्टरेट की डिग्री।

साइकोलॉजी के क्षेत्रों में करियर और रोजगार के अवसर

- **क्लिनिकल साइकोलॉजी / रिहैबिलिटेशन एंड काउंसलिंग साइकोलॉजी**
  सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों, गैर सरकारी संगठनों, प्राइवेट क्लीनिकों, फ्रीलांसरों में लाइसेंस प्राप्त क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के रूप में काम किया जा सकता है।
- **इंडस्ट्रियल साइकोलॉजी एंड ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर**
  साइकोलॉजिस्ट, संगठनों में सलाहकार, चयन और भर्ती के रूप में कार्य किया जा सकता है।
- **फोरेंसिक साइकोलॉजी**
  इस क्षेत्र के लोग पुलिस विभागों, अपराध शाखाओं, रक्षा/सेना, कानूनी फर्मों, जांच ब्यूरो आदि में सलाहकार के रूप में कार्य कर सकते हैं।
- **स्कूल साइकोलॉजी**
  पब्लिक और प्राइवेट स्कूलों, विश्वविद्यालयों, मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों, समुदाय-आधारित उपचार केंद्रों, आवासीय क्लीनिकों और अस्पतालों, किशोर न्याय कार्यक्रमों और निजी क्लीनिकों में स्कूल साइकोलॉजिस्ट के रूप में काम करें।
- **खेल साइकोलॉजी**
  स्कूल / कॉलेज / विश्वविद्यालय की खेल टीमों, पेशेवर टीमों, खेल पुनर्वास विशेषज्ञ, खेल अनुसंधान विशेषज्ञ और सलाहकारों के लिए खेल साइकोलॉजी के रूप में काम करें।
- **साइकोमेट्री**
  सरकारी और प्राइवेट संगठनों, सलाहकार और शोधकर्ता के लिए एक पेशेवर टेस्ट डेवलपर और साइकोमेट्रिकियन के रूप में काम करें।

Rajkummar Rao की गैंगस्टर फिल्म से

हुमा कुरैशी

का ग्लैमरस अंदाज, कहा- मैं क्यों नहीं कर सकती

राजकुमार राव और डायरेक्टर पुलकित ने अपनी अपकमिंग फिल्म मालिक के साथ एक नई दुनिया बनाई है, जिसमें हर कदम पर मुश्किलें और परेशानियों का सामना करना पड़ता है. राजकुमार राव अपने काम से हर बार दर्शकों को काफी इंप्रेस करते हैं. सादगी वाले किरदार हों या फिर गंभीर किरदार, एक्टर खुद को पूरी तरह से हर रोल में ढाल लेते हैं. स्त्री 2 की शानदार कमाई के जरिए राजकुमार ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा. अब अपनी गैंगस्टर वाली फिल्म मालिक को लेकर एक्टर सुर्खियां बटोर रहे हैं. हाल ही में खबर आई थी कि इस फिल्म के साथ अब हुमा कुरैशी का नाम भी जुड़ गया है. अब उनकी पहली झलक भी सामने आ गई है.हुमा कुरैशी ने इस एक्शन फिल्म में ग्लैमर का तड़का लगाया है, जो मालिक की 'महफ़िल में मल्लिका का स्वागत' गाने में नज़र आ रही हैं. मिड-डे के साथ गाने का पहला लुक शेयर करते हुए, एक्ट्रेस ने बताया कि तमाशा देखने के उनके प्यार ने उन्हें इस डांस नंबर के लिए हां करने के लिए मजबूर कर दिया. हुमा ने कहा, मुझे तमाशा पसंद है! मुझे भारतीय फ़िल्में पसंद हैं, जिनमें इस तरह के गाने होते हैं.

'बीड़ी' सॉन्ग देखकर बड़ी हुई हूं- हुमा

एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं ओमकारा (2006) के बीड़ी गाने पर नाचते हुए बड़ी हुई हूं. इसलिए, मुझे लगा कि यह गाना यह दिखाने के लिए एकदम सही है कि मैं कौन हूं, जब तक आपका गाना किसी पार्टी में नहीं बजता, तब तक आपने क्या ही बनाया है?

मैं खुद को बॉक्स में नहीं रख सकती- हुमा

डांस नंबर में हुमा कुरैशी को डांस करता हुए देखना फैन्स के लिए थोड़ा अलग है, क्योंकि इससे पहले वो महारानी, तरला (2023) और दिल्ली क्राइम में मजबूत परफॉर्मेंस दे चुकी हैं. इस मुद्दे पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह संतुलन बनाने का सबसे अच्छा तरीका है. मैं हमेशा एक कलाकार के रूप में सब कुछ देखती हूं. मैं एक कलाकार के रूप में अपने काम को संतुलित करना चाहती हूं. लोग मुझसे पूछते हैं कि क्या डांस नंबर मेरी छवि को कमज़ोर करते हैं, लेकिन मैं एक तय इमेज नहीं रखना चाहती.

सिर्फ इसलिए कि मैं महारानी या दिल्ली क्राइम जैसे प्रशंसित शो कर सकती हूं, इसका मतलब यह नहीं है कि मैं यह नहीं कर सकती. मैं खुद को बॉक्स में रखने से इनकार करती हूं. कोई भी मुझे यह नहीं बता सकता कि मैं क्या कर सकती हूं और या क्या नहीं.

रानी मुखर्जी

नहीं, ये एक्ट्रेस होतीं आमिर खान की इस हिट फिल्म की हीरोइन, लास्ट मोमेंट पर छोड़ी थी मूवी

27 साल पहले फिल्म गुलाम आई थी जो आमिर खान की पहली एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी. इसके पहले उनकी सारी फिल्में लव स्टोरीज पर ही थीं जिसमें एक्शन सीन थे लेकिन फिल्म एक्शन पर बेस्ड नहीं थी. 'गुलाम' में एक्शन के साथ सस्पेंस भी था और लोगों को ये फिल्म पसंद आई. इस फिल्म में आमिर खान के साथ रानी मुखर्जी की जोड़ी को पसंद किया गया था लेकिन असल में अगर सबकुछ ठीक होता तो इसमें आमिर के साथ सुष्मिता सेन की जोड़ी बनती पर ऐसा हो नहीं सका.19 जून 1988 को रिलीज हुई फिल्म गुलाम को महेश और मुकेश भट्ट ने प्रोड्यूस किया था जबकि इसके डायरेक्टर विक्रम भट्ट थे. फिल्म में कई गाने थे लेकिन दो गानों ने धमाल मचा दिया था. रानी मुखर्जी की एक्टिंग कमाल की थी लेकिन मेकर्स की पहली च्वाइस रानी नहीं बल्कि सुष्मिता सेन थीं. सुष्मिता ने ये फिल्म अचानक क्यों छोड़ दी थी और इसके पीछे की वजह उस समय क्या सामने आई थी, आइए आपको बताते हैं.

सुष्मिता सेन ने क्यों छोड़ी थी 'गुलाम'?

IMDb के मुताबिक, वो दौर था जब सुष्मिता सेन फिल्म गुलाम के डायरेक्टर विक्रम भट्ट को डेट कर रही थीं. बताया जाता है कि दोनों रिलेशनशिप में थे और उनका काफी करीबी रिश्ता था. इसी रिपोर्ट में बताया गया कि फिल्म के कुछ पार्ट की शूटिंग सुष्मिता के साथ हो चुकी थी लेकिन किसी बात पर उनका रिश्ता विक्रम भट्ट से बिगड़ा और वो अलग हो गए. उसी गुस्से में सुष्मिता सेन ने फिल्म छोड़ दी और फिर कभी भट्ट कैंप के साथ काम नहीं किया. उस समय रानी मुखर्जी का शुरुआती सफर था और उन्हें ये फिल्म मिल गई. फिल्म रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर गई थी. Sacnilk के मुताबिक, फिल्म गुलाम का बजट 7 करोड़ था जबकि इसने वर्ल्डवाइड 23.10 करोड़ का कलेक्शन किया था.

किस ओटीटी पर देख सकते हैं 'गुलाम'?

फिल्म गुलाम में आमिर खान और रानी मुखर्जी लीड रोल में थे, जबकि दीपक तिजोरी, शरत सक्सेना, आमिन हाजी, रजित कपूर, अक्षय आनंद, दलिप ताहिल और आशुतोष राणा ने भी अहम किरदार निभाए थे. फिल्म में 'आंखों से तूने ये क्या कह दिया' और 'आती क्या खंडाला' सुपरहिट हुए थे.

आमिर खान की इस हिट एक्शन-थ्रिलर फिल्म को आप यूट्यूब पर फ्री में देख सकते हैं जिसमें आमिर का जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा.

इसी फिल्म से शुरू हुआ था सलमान खान और ऐश्वर्या राय का अफेयर, बजट से तीन गुना ज्यादा हुई थी कमाई

बॉलीवुड की कई लव स्टोरीज अधूरी रह गईं जिनमें से एक सलमान खान और ऐश्वर्या राय की प्रेम कहानी भी थी. सलमान और ऐश्वर्या ने पब्लिकली अपने प्यार को एक्सेप्ट किया था और उनका अफेयर फिल्म हम दिल दे चुके सनम के सेट पर शुरू हुआ था. इस फिल्म की शूटिंग के दौरान ये दोनों करीब आए और फिल्म में उनकी रियल कैमिस्ट्री देखने को मिली थी लेकिन समय के साथ इनकी प्रेम कहानी खत्म हो गई, मगर ये फिल्म यादगार बन गई. फिल्म हम दिल दे चुके सनम ने बॉक्स ऑफिस पर भी कमाल कर दिया था.18 जून 1996 को रिलीज हुई हम दिल दे चुके सनम एक म्यूजिकल-रोमांटिक फिल्म थी जिसका एंड अनहैप्पी होता है. ये फिल्म लोगों के दिलों को छू गई थी क्योंकि असल में भी सलमान और ऐश्वर्या की लव स्टोरी का कुछ ऐसा ही अंत हुआ था. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की थी और इस फिल्म के जरिए सलमान-ऐश्वर्या करीब आने के बाद कैसे अलग हो गए आइए आपको बताते हैं.

'हम दिल दे चुके सनम' के सेट पर करीब आए थे सलमान-ऐश्वर्या

फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली ने ही फिल्म हम दिल दे चुके सनम को डायरेक्ट किया था. IMDb के मुताबिक, इस फिल्म के लिए सलमान खान को उन्होंने चुन लिया था लेकिन ऐश्वर्या राय का नाम सलमान ने उन्हें सुझाया था क्योंकि एक इवेंट में सलमान ने ऐश्वर्या को देखा था और दिल हार गए थे. संजय लीला भंसाली ने ऐश्वर्या को बिना ऑडिशन के फिल्म में नंदिनी का रोल दे दिया और शूटिंग शुरू हुई.

बताया जाता है कि इसी सेट पर सलमान और ऐश्वर्या करीब आए और जो कैमिस्ट्री आपने समीर-नंदिनी की देखी थी वो सलमान-ऐश्वर्या की असली फीलिंग्स थी. यहां से इनका रिलेशनशिप शुरू हुआ और लगभग 3-4 साल चला. बाद में कुछ प्रोबल्म्स आईं जिसके बाद दोनों अलग हो गए और 2007 में ऐश्वर्या ने अभिषेक बच्चन से शादी कर ली थी.

कितनी हुई थी 'हम दिल दे चुके सनम' की कमाई?

फिल्म हम दिल दे चुके सनम एक बेहतरीन फिल्म थी जिसके गाने, कहानी और डायलॉग्स सब पसंद किए गए थे. Sacnilk के मुताबिक, फिल्म हम दिल दे चुके सनम का बजट 16 करोड़ था जबकि इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 51.40 करोड़ रुपये हुआ था. इस फिल्म में 11 गाने थे जिनमें से 'चांद छुपा बादल में', 'निम्बोड़ा-निम्बोड़ा', 'आंखों की गुस्ताखियां', 'हम दिल दे चुके सनम टाइटल ट्रैक' 'मन मोहिनी', 'झोंका हवा का आज भी' और 'तड़प-तड़प' जैसे गाने आज भी हिट हैं.

कैसे बनी थी अजय देवगन की सबसे पॉपुलर फिल्म 'सिंघम'? आधी रात को करनी पड़ती थी शूटिंग

हिंदी सिनेमा के दिग्गज एक्टर अजय देवगन के करियर की सबसे शानदार फिल्मों में 'सिंघम' भी शामिल है. इस फिल्म में पुलिसवाले का किरदार निभाकर अजय देवगन ने फैंस का दिल जीत लिया था और उन्हें फिर 'बॉलीवुड का सिंघम' भी कहा जाने लगा था. ये पिक्चर बहुत बड़ी हिट साबित हुई थी. वहीं इसके बनने की कहानी भी काफी दिलचस्प है. इसके लिए अजय को आधी रात को नहाना पड़ता था और शूट करना पड़ता था.सिंघम का डायरेक्शन करने वाले मशहूर डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने इसके बनने के पीछे की पूरी कहानी शेयर की थी. उनहोंने बताया था कि इस फिल्म पर कब काम शुरू हुआ था और कितने महीनों में इसकी शूटिंग खत्म हो गई थी? इसके एक सीन के लिए रात के 3 बजे पूरी टीम सेट पर होती थी.

कैसे शुरू हुई थी 'सिंघम'?

अजय देवगन की 'सिंघम' साउथ एक्टर सूर्या की इसी नाम से आई फिल्म का हिंदी रीमेक है. रोहित शेट्टी ने कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया से एक बातचीत में सिंघम को लेकर बड़ा खुलासा किया था. उन्होनें बताया था, मैंने एक दिन अजय सर को कहा कि साथ में एक एक्शन फिल्म करेंगे तो उन्होनें कहा था तू बता कब करना है? कब करेंगे? मेरे पास तब एक डीवीडी पड़ी थी, मैंने लगाई और सिंघम (तमिल फिल्म) देखी. मैंने कहा ये तो कमाल की पिक्चर है. फिर मैंने इसके बारे में अजय सर को बताया. उन्होनें कहा बहुत अच्छा है. फिर पूछा कब करना है? मैंने कहा अभी करेंगे. इसके बाद इस पर काम शुरू हो गया था.

रात को 3 बजे करनी पड़ती थी शूटिंग

रोहित शेट्टी ने आगे बताया था कि उन्होनें चार महीने में फिल्म की शूटिंग खत्म कर दी थी. शूटिंग गोवा और मुंबई में हुई थी. इस दौरान रोहित ने ये खुलासा भी किया था कि जो सिंघम का टाइटल ट्रैक है वो रात को तीन बजे शूट किया गया था. इसमें अजय देवगन नहाकर पानी के बीच से निकलते हुए नजर आते हैं, वो सीन आधी रात को सर्दी में फिल्माया गया था.

सुपरहिट हुई थी 'सिंघम'

सिंघम 22 जुलाई 2011 को रिलीज हुई थी. इसमें अजय के साथ काजल अग्रवाल ने लीड रोल किया था. वहीं विलेन के रोल में प्रकाश राज नजर आए थे. फिल्म 52 करोड़ के बजट में बनी थी और वर्ल्डवाइड 151 करोड़ रुपये कमाकर सुपरहिट साबित हुई.